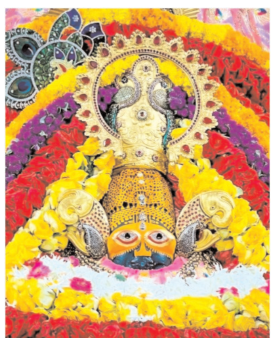

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:19। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद,15 सितंबर 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

खजराना गणेश का 7 करोड़ के स्वर्ण आभूषणों से श्रृंगार, चिंतामन में उल्टा स्वास्तिक की परंपरा

- बड़ा गणपति मंदिर में 101 किलो लड्डुओं का भोग
- चिंतामन गणेश में उल्टा स्वास्तिक बनाने की परंपरा

ज्योति दर्पण

भोपाल। गणेश चतुर्थी पर सोमवार को घरों से लेकर मंदिरों और गणेश पंडालों तक गणपति उत्सव की शुरुआत हो रही है। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के खजराना गणेश मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये के स्वर्ण आभूषणों से बप्पा का श्रृंगार किया गया, जबकि बड़ा गणपति मंदिर में 101 किलो लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में श्रद्धालु मनोकामना के लिए उल्टा स्वास्तिक बनाने की परंपरा निभाएंगे। मध्य प्रदेश में घरों से लेकर बड़े गणेश मंदिरों और पंडालों तक उत्सव की धूम मची हुई है। इंदौर के खजराना गणेश, बड़ा गणपति और उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में विशेष पूजन, श्रृंगार और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। खजराना गणेश मंदिर में भगवान गणेश का स्वर्ण आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया। इससे पहले रविवार को ब्रह्ममुहूर्त में भगवान को हीरे जड़ित नेत्र धारण कराए गए। गणेश चतुर्थी के अवसर पर मंदिर में सवा लाख मोदक का भोग भी लगाया गया। खजराना गणेश मंदिर में इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान से प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कलेक्टर शिवम वर्मा और नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने मंदिर में ध्वज पूजन भी किया। गणेश चतुर्थी के मौके पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और आयोजन किए जा रहे हैं। खजराना गणेश मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध गणेश मंदिरों में से एक है, जिसे वर्ष 1735 में होलकर वंश की महान महारानी देवी अहिल्याबाई होल्कर ने बनवाया था। मान्यता है कि यहां भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। इंदौर के पश्चिम क्षेत्र में स्थित बड़ा गणपति मंदिर में इस बार गणेशोत्सव खास है। मंदिर को 125 साल पूरे हो रहे हैं। यहां भगवान गणेश की 25 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी अद्भुत प्रतिमा है। प्रतिमा 4 फीट चौड़े और 16 फीट लंबे चौकोर आसन पर विराजमान है, जो

पांच फीट ऊंचा है। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित धनेश्वर दाधिच के मुताबिक, गणेशोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में भक्त भगवान के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सोमवार को सवा मन शुद्ध गाय के घी से घर पर बनाए गए लड्डुओं का भोग भगवान को अर्पित किया जाएगा। इसमें 5 किलो के बड़े लड्डू से लेकर डिसेंडिंग ऑर्डर में लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा, जो लगभग 101 किलो का होगा। इसके बाद भक्तों के बीच प्रसाद वितरण शुरू कर दिया जायेगा। भगवान गणेश की रोजाना रात 9 बजे एक घंटे की संगीतमय आरती होगी। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर में आने और जाने के लिए अलग-अलग गेट बनाए गए हैं। भक्त करीब 10 मिनट भगवान के सामने दर्शन कर सकेंगे। उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी के दौरान श्रद्धालुओं की आस्था का अलग रंग देखने को मिलता है। मंदिर की खास परंपराओं में से एक मंदिर के पीछे उल्टा स्वास्तिक बनाना है।

पुजारी गणेश गुरु के मुताबिक, विशेष रूप से संतान प्राप्ति की कामना लेकर आने वाले श्रद्धालु भगवान की पीठ की ओर उल्टा स्वास्तिक बनाकर अपनी मनोकामना मांगते हैं। मनोकामना पूरी होने के बाद श्रद्धालु दोबारा मंदिर आते हैं और वहां सीधा स्वास्तिक बनाते हैं। कई श्रद्धालु मंदिर में रक्षा सूत्र भी बांधते हैं। मनोकामना पूरी होने के बाद वे दोबारा मंदिर पहुंचकर रक्षा सूत्र खोलते हैं। मंदिर परिसर में बड़ा तराजू भी रखा हुआ है। मान्यता पूरी होने के बाद श्रद्धालु अनाज, लड्डुओं या अन्य प्रसाद से तुलादान करते हैं। कई परिवार संतान प्राप्ति के बाद बच्चे के वजन के बराबर लड्डुओं का तुलादान कर उसे श्रद्धालुओं में वितरित करते हैं।

मंदसौर में एक शिला पर विराजमान द्विमुखी गणपति

मंदसौर के द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर में एक ही शिला पर बनी करीब 8 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा के दोनों ओर से दर्शन होते हैं। मंदसौर के द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर समिति ट्रस्ट के उपाध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल के मुताबिक, प्रतिमा के उत्तरी भाग में पंचमुखी गणेश का स्वरूप है, जबकि दक्षिण दिशा में भगवान पगड़ीधारी सेठ के रूप में दर्शन देते हैं। इसी वजह से इन्हें 'सेठ गणेश' भी कहा जाता है। मान्यता है कि वर्ष 1929 में यह प्रतिमा नाहर सय्यद दरगाह के पास स्थित तालाब से मिली थी। बैलगाड़ी से प्रतिमा को नरसिंहपुरा ले जाते समय वर्तमान गणपति चौक पर बैलगाड़ी रुक गई। काफी प्रयास के बाद भी बैलगाड़ी आगे नहीं बढ़ी। इसके बाद प्रतिमा को वहीं स्थापित कर दिया गया और इस स्थान का नाम गणपति चौक पड़ा।शाजापुर जिले के बोलाई गांव में करीब 300 साल पुराना सिद्धवीर खेड़ापति हनुमान मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है। मंदिर में हनुमानजी के साथ गणेशजी की प्रतिमा भी विराजमान है।

आचार्य पुलकसागर से मिले मोहन भागवत

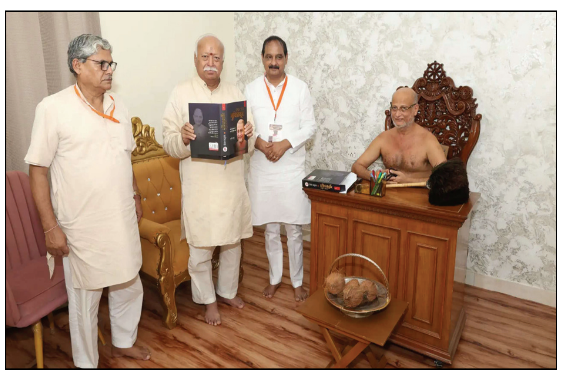

चर्चा में राजनीति से अलग सामाजिक एकता और सद्भाव के मुद्दों पर मंथन किया गया।

एजेंसी

भीलवाड़ा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने सोमवार को भीलवाड़ा में चातुर्मास कर रहे राष्ट्रसंत आचार्य पुलकसागर महाराज से मुलाकात की। सूर्यमहल स्थित चातुर्मास स्थल पर करीब 40 मिनट तक हुई चर्चा में सामाजिक समरसता, जैन तीर्थों के संरक्षण, गौवंश संवर्धन और राष्ट्र निर्माण सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। चर्चा में राजनीति से अलग सामाजिक एकता और सद्भाव के मुद्दों पर मंथन किया गया। आचार्य पुलकसागर महाराज ने सामाजिक समरसता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि समाज को वर्गों में बांटने वाले प्रयासों से बचना चाहिए। उन्होंने कथित यूजीसी नियमों को लागू नहीं किए जाने तथा सवर्ण और पिछड़े वर्ग के बीच विभाजन की स्थिति पैदा नहीं होने देने की बात रखी। उन्होंने जैन समाज की आस्था के प्रमुख केंद्र सम्मेद शिखरजी और गिरनार सहित अन्य जैन तीर्थस्थलों का पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित करने की मांग भी रखी। उन्होंने जैन तीर्थस्थलों के संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों पर भी डॉ. भागवत ने उचित स्तर पर चर्चा कर समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया।

नेपाल को राहत
भारत ने 31 दिसंबर तक 18 घंटे बिजली के निर्यात को दी मंज़ूरी

इससे नेपाल की बिजली जरूरतों और उपलब्धता के आधार पर आगे की व्यवस्था तय करने में मदद मिलेगी।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे नेपाल की मदद के लिए भारत ने बिजली निर्यात बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने नेपाल विद्युत प्राधिकरण को 13 सितंबर से 31 दिसंबर 2026 तक प्रतिदिन 18 घंटे बिजली निर्यात करने की मंजूरी दी है। मंत्रालय के अनुसार, मुजफ्फरपुर-ढालकेबर 400 केवी डीसी लाइन के जरिए नेपाल को अधिकतम 600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा

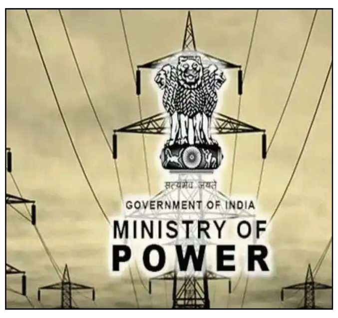

टनकपुर-महेंद्रनगर 132 केवी एस-सी लाइन के माध्यम से 54 मेगावाट तक बिजली भेजी जाएगी।

मंत्रालय ने बताया कि जनवरी 2027 से बिजली निर्यात की मात्रा और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा दिसंबर 2026 में की जाएगी। इससे नेपाल की बिजली जरूरतों और उपलब्धता के आधार पर आगे की व्यवस्था तय करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि हाल में नेपाल में आई भीषण बाढ़ से जलविद्युत अवसंरचना को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके चलते घरेलू बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ और देश में बिजली संकट गहरा गया। ऐसे समय में भारत से अतिरिक्त बिजली आपूर्ति नेपाल की तत्काल ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी। विद्युत मंत्रालय ने कहा कि यह निर्णय संकट की स्थिति में नेपाल को आवश्यक ऊर्जा सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच भरोसेमंद और दीर्घकालिक ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करेगा।

भारत ने क्षेत्रीय सहयोग तथा पड़ोसी देश को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई है।

सीटेट के लाखों अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबरः दिसंबर में होगी परीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) 2026 की तारीख घोषित कर दी है। बोर्ड की ओर से 14 सितंबर 2026 को जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, सीटीईटी की 22वीं परीक्षा 12 और 13 दिसंबर 2026 को आयोजित की जाएगी। सीबीएसई ने परीक्षा से जुड़ी अहम तारीखों की जानकारी भी दी है। अभ्यर्थियों को परीक्षा शहर और उन्हें आवंटित परीक्षा की तारीख की जानकारी परीक्षा से 15 दिन पहले सीटीईटी पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी। गौरतलब है कि शुरुआती नोटीफिकेशन के अनुसार यह परीक्षा 6 सितंबर 2026 को आयोजित की जानी तय हुई थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के चलते इसे पुनर्निर्धारित किया गया है।

सीटीईटी का 22वां संस्करण 12 और 13 दिसंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा।

राजस्थान निकाय चुनाव में भाजपा के दो उम्मीदवारों को सिर्फ 1-1 वोट

चौंकाने वाला रिजल्ट

एजेंसी

जयपुर। चुनाव मैदान में उतरने वाले हर उम्मीदवार की कोशिश ज्यादा से ज्यादा वोट हासिल कर जीत दर्ज करने की होती है। लेकिन राजस्थान के हालिया निकाय चुनाव में दो भाजपा उम्मीदवारों के खाते में महज एक-एक वोट आया। खास बात यह है कि राज्य में भाजपा की सरकार है। इसके बावजूद पार्टी के दोनों उम्मीदवार अपने-अपने वार्ड में बेहद कम वोट हासिल कर सके।

डीडवाना-कुचामन जिले की परबतसर नगरपालिका के वार्ड 13 से भाजपा ने कैलाशचंद को उम्मीदवार बनाया था। वहीं धौलपुर जिले की सैपऊ नगरपालिका के वार्ड 19 से लक्ष्मण कोली चुनाव मैदान में थे। मतगणना के बाद दोनों को सिर्फ एक-एक वोट मिला। राज्य चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नतीजों के मुताबिक परबतसर नगरपालिका के वार्ड 13 में कांग्रेस उम्मीदवार हीना खानम ने 376 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। उनके मुकाबले निर्दलीय राशिद खान को 195 वोट मिले। भाजपा उम्मीदवार कैलाशचंद के खाते में सिर्फ एक वोट आया। कैलाशचंद ने बताया कि वह खुद वार्ड 12 के मतदाता हैं, लेकिन भाजपा ने उन्हें वार्ड 13 से चुनाव लड़ाया था। उन्होंने कहा कि उन्हें एक वोट मिला और संभव है कि वार्ड 13 के किसी मतदाता ने उन्हें वोट दिया हो। धौलपुर जिले की सैपऊ नगरपालिका के वार्ड 19 में निर्दलीय उम्मीदवार अजय कुमार ने 108 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। दूसरे स्थान पर निर्दलीय राजेश कुमार रहे, जिन्हें 69 वोट मिले। भाजपा उम्मीदवार लक्ष्मण कोली के खाते में यहां भी सिर्फ एक वोट आया।

हर पीड़ित की समस्या का समाधान करा रही सरकारः मुख्यमंत्री

सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पीड़ितों की सुनीं समस्याएं

सीएम की बच्चों को सीख-मन लगाकर पढ़ो, अन्य रुचिकर गतिविधियों में भी हिस्सा लो

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि सरकार हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने हर पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में कुर्सियों पर बैठे हर पीड़ित के पास खुद चलकर गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि हर

पीड़ित की उचित समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

पुलिस से जुड़ीं शिकायतों पर सख्त हुए सीएम

सीएम योगी आदित्यनाथ के समक्ष कुछ पीड़ितों ने पुलिस से जुड़ी अलग-अलग शिकायतें बताईं। इस पर सीएम सख्त हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्त, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी ध्यान दें, किसी भी मामले में थाना, चौकी, बीट स्तर पर हीलाहवाली की शिकायत बर्दाश्त नहीं होगी। हर मामले में दोषियों पर नियमसंगत कार्रवाई सुनिश्चित करें। सीएम ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ आए नन्हे-मुन्नों का हालचाल जाना। उनकी पढ़ाई और उनकी रुचि के बारे में भी पूछा। सीएम ने बच्चों से कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ो और अन्य गतिविधियों (खेल, संगीत, कला आदि) में भी हिस्सा लो। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट देते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

प्रधानमंत्री 17 सितंबर को करेंगे सेमीकॉन इंडिया का उद्घाटन

सेमीकॉन इंडिया 2026 का पांचवां संस्करण 17 से 19 सितंबर तक यहां के यशोभूमि (इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर) में आयोजित किया जाएगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के सबसे बड़े आयोजनों में शामिल सेमीकॉन इंडिया 2026 का पांचवां संस्करण 17 से 19 सितंबर तक यहां के यशोभूमि (इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर) में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को इस तीन दिवसीय आयोजन का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र से जुड़े वैश्विक उद्योग जगत, नीति-निर्माता, निवेशक, शोधकर्ता, शिक्षाविद, स्टार्टअप और विद्यार्थी एक मंच पर जुटेंगे। भारत सेमीकंडक्टर मिशन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और वैश्विक सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग

संगठन के संयुक्त आयोजन में होने वाले इस कार्यक्रम की थीम 'सिलिकॉन तो सिस्टम बिल्डिंग थे इकोसिस्टम' रखी गई है। इसका उद्देश्य भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा और पूरी वैल्यू चेन में देश की बढ़ती क्षमताओं को दुनिया के सामने रखना है। सेमीकॉन इंडिया 2026 में 600 से अधिक प्रदर्शक, जिनमें करीब 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां शामिल हैं, हिस्सा लेंगी। 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडल और कंपनियां यहां पहुंचेंगी। करीब 15,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में आयोजित प्रदर्शनी में 150 से अधिक प्रमुख वक्ता अपने विचार और अनुभव साझा करेंगे। आयोजन में छह देश और 12 राज्य सरकारों के पवेलियन भी होंगे। इस बार प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण 'सेंड तो सिलिकॉन तो सिस्टम वैल्यू चैन एक्सपीरियंस' होगा।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर भाजपा ने की 'आशीर्वाद का दीया' जलाने की अपील

नई दिल्ल (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर देशवासियों से 'आशीर्वाद का दीया' जलाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मूल ध्येय 'जन सेवा से देश सेवा' रहा है और पिछले 25 वर्षों में उन्होंने इसी संकल्प के साथ देश की सेवा की है। नितिन नवीन ने

सोमवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि जब मोदी ने देश का नेतृत्व संभाला, उस समय देश के सामने कई चुनौतियां थीं। उन्होंने नई नीतियों और योजनाओं के जरिए आम लोगों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। कोरोना महामारी के दौरान भी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने संकट को अवसर में बदलने का प्रयास किया और वैक्सीन विकसित कर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अपनी क्षमता दिखाई।

- *बिहार में यूसीसी पर जेडीयू का बड़ा बयान, श्याम रजक बोले-*

'किसी कीमत पर लागू नहीं होने देंगे'

एजेंसी

पटना। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर बिहार में भाजपा और जनता दल (यू) के बीच मतभेद के संकेत सामने आए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाजपा और भाजपा नेतृत्व वाली NDA सरकारों वाले 21 राज्यों में 2029 से पहले यूसीसी लागू करने के बयान के बाद जेडीयू के वरिष्ठ विधायक श्याम रजक ने बिहार को लेकर पार्टी का रुख स्पष्ट किया है। श्याम रजक ने कहा कि संसद में यूसीसी से जुड़े विधेयक का जेडीयू ने समर्थन जरूर किया था, लेकिन उसी समय यह भी स्पष्ट कर दिया गया था कि इसे बिहार में लागू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी

आज भी अपने पुराने रुख पर कायम है। श्याम रजक ने कहा कि जब संसद में विधेयक पारित हो रहा था, तभी जेडीयू नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया था कि पार्टी इसका समर्थन करेगी, लेकिन बिहार में इसे लागू नहीं होने देगी। उनके मुताबिक यह फैसला पार्टी के पहले से तय रुख के अनुरूप है।

डूटा के पूर्व अध्यक्ष आदित्य नारायण मिश्रा कई शिक्षाविदों के साथ कांग्रेस में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) के तीन बार अध्यक्ष रह चुके डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा समेत कई शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों ने सोमवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस प्रभारी काजी

निजामुद्दीन, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव और पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने सभी को पटका पहनाकर पार्टी में विधिवत शामिल कराया। कांग्रेस की सदस्यता लेने के बाद डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने के लिए कांग्रेस में आए हैं।

SOG ने अंकलेश्वर में NH-48 पर गांजे के साथ 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया: 3 लाख रुपये का माल जब्त,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने अंकलेश्वर नेशनल हाईवे पर गांजे के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 3.09 लाख रुपये का माल जब्त किया है, जिसे एक ऑटोरिक्शा में ले जाया जा रहा था। SOG टीम अंकलेश्वर इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी। उसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि सूरत का असफाक शेख अपने साथियों के साथ एक रिक्शा में गांजा लेकर सूरत से अंकलेश्वर की ओर आने वाला है। इस सूचना के आधार पर भरूच SOG ने अंकलेश्वर हाईवे पर होटल फैमिली के पास निगरानी रखी थी। जब सूचना वाला रिक्शा आ रहा था, तो पुलिस ने उसे रोक लिया। रिक्शा की डिक्की की जांच करने पर सेलोटेप में लिपटे गांजे के दो पैकेट मिले। पुलिस ने 94 हज़ार रुपये कीमत का 1.890 ग्राम गांजा, 1.50 लाख रुपये कीमत का एक रिक्शा और 50 हज़ार रुपये कैश, कुल 3.09 लाख रुपये ज़ब्त किए। गिरफ्तार आरोपियों में सूरत के रुस्तमपुरा, अकबर शहीद टेकरा मोहल्ला, पठानवाड़ छ्य हॉस्पिटल के रहने वाले असफ़ाक मुश्ताक शेख, महमूद नवाब महमूद हासिम अंसारी और शरीफ़शा गनीशा दीवान शामिल हैं। गांजे की मात्रा के बारे में पूछे जाने पर, असफ़ाक शेख ने माना कि वह यह मात्रा सूरत में अश्विनी कुमार रेलवे ट्रैक से महमूद शकील मुश्ताक बंगलावाला से लाया था। आरोपियों ने यह भी माना कि वे सूरत से झगड़िया में बावागोर दरगाह जा रहे थे।

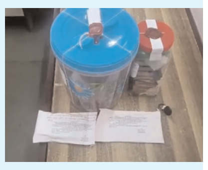

दहेज GIDC में अनुग्रह कंपनी की दीवार के पास केमिकल जैसा लिक्विड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। दहेज में संभेटी के पास अनुग्रह कंपनी की दीवार के पास मेन रोड के किनारे केमिकल जैसा लिक्विड दिखने के मामले में मीडिया में रिपोर्ट छपने के बाद भी GPCB की परफॉर्मेंस पर सवाल उठ रहे हैं। लिक्विड का सोर्स क्या है? क्या GPCB ने साइट पर जाकर इंस्पेक्शन किया? लिक्विड के सैंपल लिए गए या नहीं? अगर सैंपल लिए गए थे, तो लैब रिपोर्ट में क्या पता चला? अगर किसी इंडस्ट्रियल एरिया में सड़क के किनारे संदिग्ध लिक्विड दिखता है और रिपोर्ट छपने के बाद भी सिस्टम तुरंत जांच नहीं करता है, तो एनवायरनमेंटल मॉनिटरिंग पर गंभीर सवाल उठते हैं। क्या GPCB ऑन-साइट इंस्पेक्शन करके फैक्ट्स सामने लाएगा या मीडिया में रिपोर्ट छपने के बाद भी एक्शन सिर्फ कागजों पर ही रहेगा?

सरिता रेलवे ओवरब्रिज पर भ्रष्टाचार कागजों पर प्री-मानसून का काम धुल गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। सरकारी सिस्टम के दावों और हकीकत के बीच कितना अंतर है, इसका ताजा उदाहरण डभोई के सरिता रेलवे ओवरब्रिज पर देखने को मिल रहा है। मानसून शुरू होने से पहले करोड़ों के बजट से किताब में दिखाया गया प्री-मानसून का काम बस एक मामूली बारिश की बौछार में धुल गया है। ब्रिज बनने के बाद से ही विवादों के भंवर में घिरे इस ओवरब्रिज पर जगह-जगह फैले बड़े-बड़ें ने रोड एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट के साथ-साथ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के भ्रष्टाचार को भी उजागर कर दिया है।टूरिज्म और धार्मिक जगहों को जोड़ने वाली सड़क 'एक्सीडेंट जोन' बन गई है। सरिता रेलवे ओवरब्रिज सिर्फ डभोई शहर तक ही सीमित सड़क नहीं है, बल्कि गुजरात के टूरिज्म और धार्मिक मैप पर एक बहुत ही अहम कड़ी है। इस सड़क से रोज़ाना हज़ारों छोटी-बड़ी गाड़ियां गुज़रती हैं

आवारा मवेशियों की वजह से एक हफ़्ते में 4 हादसे, क्या कुंभकर्णी नींद में सोया सिस्टम किसी बड़ी जान के इंतज़ार में है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। मुख्य सड़कों से गुज़रने वाले गाड़ी चलाने वालों के लिए अब सफ़र करना जान हथेली पर लेकर निकलने जैसा हो गया है। खासकर बहुत व्यस्त डभोई-शिनोर चौराहे पर आवारा मवेशियों का आतंक इतना बढ़ गया है कि आम लोग और गाड़ी चलाने वाले परेशान हैं। मुख्य चौराहे और सड़क के बीच में बैठे सांडों और गायों की वजह से ट्रैफ़िक सिस्टम पूरी तरह से बिगड़ गया है और लगातार हादसे हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शिनोर चौराहे पर हालात दिन-ब-दिन खराब होते जा रहे हैं। पिछले एक हफ़्ते में ही इस चौराहे पर 4 छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं। सुबह-सुबह या रात के अंधेरे में, सड़क पर अचानक जानवर आ जाने से टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर ड्राइवर अपनी गाड़ियों पर से कंट्रोल खो देते हैं और सड़क पर फिसलकर गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। यह इलाका रोज़ाना आने-जाने वाले लोगों के लिए 'डेंजर ज़ोन' बन गया है।

प्रशासन आँखें मूंदे बैठा है, क्या उनके जागने से पहले किसी की जान चली जाएगी?

स्थानीय लोगों द्वारा इस गंभीर और जानलेवा समस्या के बारे में कई बार बताने के बाद भी, डभोई नगर पालिका और स्टेट हाईवे अथॉरिटी कोई ध्यान नहीं दे रही है। दोनों विभागों के अधिकारी गहरी नींद में सो रहे हैं और स्थिति की गंभीरता को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं। लोगों में अभी बहुत गुस्सा है कि क्या ज़िम्मेदार प्रशासन किसी बेगुनाह नागरिक की जान जाने या किसी बड़े हादसे का इंतज़ार कर रहा है? पूरे इलाके के लोगों और रेगुलर गाड़ी चलाने वालों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और तुरंत ये सख्त कदम उठाने की माँग की है: मवेशियों को पकड़ने के लिए खास मुहिम: डभोई नगर पालिका तुरंत एक खास टीम बनाए और आवारा जानवरों को पिंजरे में बंद करने का काम शुरू करे। लापरवाह पशुपालकों पर सज़ा: जो पशुपालक अपने मवेशियों को पब्लिक सड़कों पर खुला छोड़ते हैं, उनके खिलाफ़ कानूनी और सख्त सज़ा वाली कार्रवाई होनी चाहिए। लाइटिंग और सुरक्षा: स्टेट हाईवे अथॉरिटी को शिनोर चौराहे पर काफ़ी हाई मास्ट लाइट का इंतज़ाम करना चाहिए और ट्रैफ़िक सुरक्षा के लिए पक्के उपाय करने चाहिए। अगर प्रशासन ने आलस की वजह से जल्दी और ठोस कार्रवाई नहीं की, तो शहर के लोग आने वाले दिनों में कड़ा आंदोलन करने की धमकी भी दे रहे हैं। अब देखना यह है कि 'पाको गुजरात' की इस रिपोर्ट के बाद प्रशासन कार्रवाई करता है या लोगों की आवाज़ दबाने की कोशिश करता है।

AMC में प्री-मानसून काम के नाम पर अरबों रुपये का भ्रष्टाचार

18,500 करोड़ का बजट पानी में डूबा: भारी बारिश में अहमदाबाद स्विमिंग पूल में बदल गया

अहमदाबाद में बारिश बनी आफत, सड़कें दरिया और ट्रैफिक में फंसी हजारों गाड़ियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। मेगासिटी अहमदाबाद में जैसे ही भारी बारिश हुई, पूरा शहर पानी में डूब गया। मानसून की शुरुआत में ही अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के स्मार्ट सिटी और कागजों पर प्री-मानसून काम के सारे झूठे दावे धुलकर खाई में चले गए हैं। शहर के पूरब से पश्चिम तक ज़्यादातर इलाकों में पानी भर जाने से आम ज़िंदगी पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई है। सड़कें पानी में डूब जाने से हज़ारों गाड़ियां इधर-उधर रुक गई हैं और लोग घंटों ट्रैफिक जाम में फंसकर बहुत परेशान हो रहे हैं।

18,500 करोड़ रुपये के सालाना बजट से सिर्फ़ अधिकारी-कॉर्पोरेटर ही अमीर होते हैं!

गुजरात की सबसे बड़ी और सबसे अमीर मानी जाने वाली अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का सालाना बजट 18,500 करोड़ रुपये से ज़्यादा का है। लेकिन सवाल यह है कि जनता के खून-पसीने की कमाई से जमा किए गए ये करोड़ों-अरबों रुपये कहां जाते हैं? अरबों के बजट के बावजूद, ड्रेनेज सिस्टम और बारिश के पानी की निकासी के लिए सही लाइनें क्यों नहीं हैं? अहमदाबाद के लोग आज खुलेआम आरोप लगा रहे हैं कि ये 18,500 करोड़ रुपये लोगों के विकास के लिए नहीं, बल्कि ,स्ष्ट के भ्रष्ट अधिकारियों, इंजीनियरों और कमीशनखोर कॉर्पोरेटरों के लिए 'पैसों की बारिश' की तरह साबित हो रहे हैं।

मेयर को सिर्फ फोटो सेशन और रील बनाने में दिलचस्पी है!

जब पूरा शहर पानी में डूब रहा है और

लोग मदद के लिए चिल्ला रहे हैं, तो AMC के अधिकारी और ऑफिस बेयरर कैमरों के सामने चमकने में बिज़ी हैं। स्थानीय लोगों का सीधा और कड़ा आरोप है कि मेयर को सिर्फ बाढ़ वाले इलाकों में जाकर मीडिया के लिए फोटो खिंचवाने और सरकारी गाड़ियां चलाने में दिलचस्पी है। कड़वी सच्चाई यह है कि अभी तक ग्राउंड लेवल पर पक्के तौर पर पानी निकालने के लिए कोई खास काम नहीं किया गया है।

पूरे शहर में बड़े-बड़े का साम्राज्य: जनता के टैक्स के पैसे से अधिकारियों का मज़ा!

हर साल मानसून से पहले करोड़ों रुपये के टेंडर जारी होते हैं और प्री-मानसून काम के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। लेकिन पहली ही बारिश में सड़कों पर बड़े-बड़े काले और हर जगह जमा पानी ने कॉर्पोरेशन के भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। जनता के टैक्स के सहारे अधिकारी और प्रशासन पार्टी कर रहे हैं और आम आदमी सड़कों पर भटकने को मजबूर है।

महानगर मेट्रो के तीखे और सीधे सवाल

18,500 करोड़ रुपये का बजट खर्च करने के बावजूद बारिश के पानी के सही तरीके से निपटान का सिस्टम ज़ीरो क्यों है?किताबों में प्री-मानसून काम दिखाकर करोड़ों रुपये हड़पने वाले ठेकेदारों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त जांच कब होगी? क्या फोटो सेशन कराने वाले नेता और अधिकारी सच में लोगों की इस नारकीय स्थिति का जवाब देंगे? अहमदाबाद के लोग अब झूठे वादों से तंग आ चुके हैं। अगर AMC सिस्टम ने तुरंत पानी की निकासी और खराब सड़कों की मरम्मत के लिए कोई ठोस प्लान नहीं बनाया तो आने वाले दिनों में गुस्साए लोग कॉर्पोरेशन के ऑफिस घेरने को मजबूर होंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स का जानलेवा असर: सोए हुए प्रशासन को जगाया, सिर्फ़ 60 घंटे में चमक उठा डभोई का खतरनाक नाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। जब लोकल प्रशासन लोगों के बुनियादी मुद्दों से आंखें मूंद लेता है और जनहित के काम कागज़ों में या देरी के में जल जाते हैं, तब मीडिया अपनी असली ज़िम्मेदारी निभाता है। ऐसा ही कुछ डभोई के नाडोडी भागोल इलाके में देखने को मिला, जहां प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ 'पाक्को गुजरात' अखबार द्वारा उठाई गई आवाज़ इतनी तीखी साबित हुई कि सरकारी अधिकारियों को महीनों से रुके हुए काम को कुछ ही घंटों में पूरा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। डभोई में नाडोडी भागोल के पास चोटरिया पीर के पास नाला पिछले एक महीने से बहुत ही खस्ताहाल और डरावनी हालत में हो गया था। यह सड़क कोई आम सड़क नहीं, बल्कि दुनिया भर में मशहर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक जाने वाला मेन हाईवे है। इस सड़क से रोज़ाना हज़ारों लोकल गाड़ियों के साथ-साथ देश-विदेश के टूरिस्ट भी गुज़रते हैं। लेकिन, चोटरिया पीर के पास नाले में बने बड़े-बड़े और उनसे निकली लोहे की नुकीली रॉड गाड़ी चलाने वालों के लिए

एक असली बुरा सपना बन गई थीं। हर दिन कई गाड़ियों के टायर पंक्चर होने या फटने की घटनाएं आम हो गई थीं। खासकर रात के अंधेरे में, क्योंकि ये खुली रॉड दिखाई नहीं देती थीं, कई बाइक सवार फिसलकर गंभीर रूप से घायल हो जाते थे। प्रशासन की इस बड़ी लापरवाही के खिलाफ टूरिस्ट और स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा था। लेकिन, संबंधित विभाग के अधिकारी चुपचाप बैठे थे, जैसे किसी बड़े हादसे या जानमाल के नुकसान का इंतजार कर रहे हों। प्रशासन की नींद को अपनी तीखी और डिटेल्ड रिपोर्ट के जरिए जनता और बड़े अधिकारियों के सामने लाया। ग्राउंड लेवल से सही जानकारी, खुली रॉड के खतरनाक नजारे और प्रभावित गाड़ी चलाने वालों की तकलीफ को शब्दों के रूप में दिखाया गया। जैसे ही यह रिपोर्ट छपी, सरकारी महकमे में खलबली मच गई। जैसे ही ऊपर से निर्देश मिले, अब तक जो सिस्टम काम नहीं कर रहा था, वह तुरंत एक्शन मोड में आ गया। अधिकारियों और कर्मचारियों का काफिला मौके पर पहुंचा और युद्धस्तर पर मरम्मत का काम शुरू किया गया। जो काम लोगों की शिकायतों के बावजूद एक महीने से रुका हुआ था, उस पर इतना अच्छा असर हुआ कि पूरे नाले की मरम्मत सिर्फ़ 60 घंटे के कम समय में पूरी हो गई। बाहर दिख रही खतरनाक लोहे की छड़ों को ठीक से ढक दिया गया, अच्छी क्वालिटी का डामर और पैचवर्क किया गया, जिससे सड़क गाड़ियों के आने-जाने के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो गई। इस सड़क से लगातार गुजरने वाले स्थानीय शहरवासियों, व्यापारियों और गाड़ी चलाने वालों में बहुत खुशी है क्योंकि सिर्फ़ 60 घंटे में समस्या का समाधान हो गया। लोकमुख में बस एक ही चर्चा है कि अगर मीडिया सच्चाई और ईमानदारी से लोगों की आवाज़ बन जाए, तो सबसे बेजान सिस्टम भी झुकने को मजबूर हो जाता है।

अहमदाबाद के बोपल में नशे में धुत ड्राइवर का ज़ुल्म: 5 से ज़्यादा गाड़ियां फूंकीं, 'पुलिस' को गाड़ी से गोली मारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पॉश इलाके बोपल में देर रात नशे में धुत एक बदमाश ने ड्राइवर से बदतमीज़ी की। रात करीब 11:30 बजे बोपल ब्रिज से सरकारी ट्यूबवेल की तरफ जाने वाली सड़क पर 614 नंबर की कार में निकले शैतान ड्राइवर ने उसे सड़क पर देखा तो खूब हंगामा किया। इससे हंगामा मच गया। शांत रात में अचानक हुए इस भयानक हादसे से पूरे इलाके में अफ़रा-तफ़री और अफ़रा-तफ़री फैल गई। हंगामा मच गया। नशे में अंधा हो चुका ड्राइवर कार से पूरी तरह कंट्रोल खो चुका था। उसने रास्ते में लिंसर जा रही 3 दोपहिया और 2 चारपहिया समेत 5 से ज़्यादा गाड़ियों को देखा। ज़ोरदार टक्कर ने मुझे हिलाकर रख दिया। गाड़ियों की आवाज़ सुनाई दी और कई पैदल चलने वाले और गाड़ी चलाने वाले सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। इस तरह घायल हुए। जैसे ही यह भयानक हादसा हुआ, कार में बैठा एक आदमी अंधेरे का फ़ायदा उठाकर अपनी जान बचाने के लिए वहाँ से भाग गया। हालाँकि, मौके पर मौजूद बहादुर लोकल लोगों और पैदल चलने वालों ने शराब के नशे में धुत ड्राइवर का तुरंत सामना किया। नशे में धुत और सीट से काँपते हुए, उन्होंने ड्राइवर को घेर लिया और उसे मौके पर ही गिरफ़्तार कर लिया। 'पुलिस' लिखी नेम प्लेट मिलने पर हुई परेशानी: पुलिस की सफ़ाईहादसे के बाद जब गाड़ी की जाँच की गई, तो वहाँ मौजूद लोगों में 'पुलिस' लिखी एक नेम प्लेट मिली। गुस्सा भड़क गया। शुरू में यह अफ़वाह तेज़ी से फैली कि हादसा करने वाला कोई पुलिसवाला है। वर्धी पर गंभीर सवाल उठाए गए। हालाँकि, जैसे ही घटना की सूचना मिली, पुलिस ने तुरंत मामले की जाँच शुरू कर दी और स्थिति साफ़ कर दी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार ड्राइवर का नाम प्रद्युम्न सिंह वाघेला है जो कानेटी गांव का रहने वाला है और वह कोई क्रिमिनल नहीं है। वह पुलिसवाला नहीं है, बल्कि अपनी गाड़ी पर पुलिस की नंबर प्लेट लगाकर घूमता था। जब ऐसे शराबी रात में सड़क पर खुलेआम घूम सकते हैं, तो नाइट पेट्रोलिंग कहां है?

वागरा में दोस्त की लोहे की रॉड से हत्या करने की सज़ा: भरूच कोर्ट ने 2023 के मामले में आरोपी को उम्रकैद और 50,000 रुपये जुर्माने की सज़ा सुनाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। सेशंस कोर्ट ने वागरा के दहेज में हुए एक मर्डर केस में आरोपी को उम्रकैद की सज़ा सुनाई है। कोर्ट ने इस मामले में 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह मर्डर रुचि पेट्रोकास्ट कंपनी की लेबर कॉलोनी में सैलरी के झगड़े की वजह से किया गया था। यह घटना 10 मई, 2023 की है। दहेज में रुचि पेट्रोकास्ट कंपनी की लेबर कॉलोनी में सैलरी को लेकर मजदूरों के बीच झगड़ा हुआ था। इस झगड़े में आरोपी लाल बहादुर कादिर गौतम ने मजदूर अवधेश डोबाल गौतम के सिर पर लोहे की रॉड से छह बार वार किया। जिससे अवधेश की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना

को लेकर दहेज पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ IPC की धारा 302, 504 और गुजरात पुलिस एक्ट की धारा 135 के तहत केस दर्ज किया गया था। जांच पूरी होने के बाद, आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश की गई। केस की सुनवाई के दौरान, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर मनोहर सिंह जी. राठौड़ ने 21 गवाहों से पूछताछ की। उन्होंने कोर्ट में 17 ज़रूरी डॉक्यूमेंट्री सबूत और मज़बूत दलीलें पेश कीं। कोर्ट ने इन सबूतों और दलीलों पर विचार करते हुए आरोपी को दोषी पाया। सेशंस जज ई.एम. शेख की कोर्ट ने 11 सितंबर, 2026 को केस में फैसला सुनाया। कोर्ट ने आरोपी लाल बहादुर कादिर गौतम को IPC की धारा 302, 504 और गुजरात पुलिस एक्ट की धारा 135 के तहत उम्रकैद की सज़ा सुनाई है। साथ ही 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

अहमदाबाद के शेला में बेटे ने अपने ज़िंदा पिता का फ़र्ज़ी डेथ सर्टिफ़िकेट बनवाकर बहुत बड़ा स्कैम किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। धन-दौलत के दीवानेपन में इंसान कितना नीचे गिर सकता है, इसका एक कानूनी और सामाजिक रूप से शर्मनाक मामला अहमदाबाद के हाई-फ़ाई इलाके शेला से सामने आया है। करोड़ों रुपये की कीमती ज़मीन अपने नाम करने के लिए एक रिश्तेदार बेटे ने अपने ज़िंदा पिता को कागज़ों में मरा हुआ बता दिया! 15 अप्रैल, 1985 को अपने पिता की मौत बताकर फ़र्ज़ी डेथ सर्टिफ़िकेट बनवाकर किए गए करोड़ों रुपये के इस ज़मीन स्कैम ने पूरे इलाके में बड़ा हंगामा मचा दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी बेटे ने अपने पिता की फ़र्ज़ी मौत का उदाहरण देकर साणंद सब-रजिस्ट्रार ऑफ़िस में बड़ी साज़िश रची थी। करोड़ों की ज़मीन हड़पने के इरादे से आरोपियों ने ऑफिस में फर्जी किसान खड़े कर रखे थे और कागजों पर ज़मीन के फर्जी कागज़ात तैयार करवा लिए थे। सरकारी सिस्टम की आंखों में धूल झोंककर किया गया यह स्कैम ज़्यादा दिन छिप नहीं सका। जब यह पूरा मामला सामने आया और यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि जिस पिता के नाम पर डेथ सर्टिफिकेट फाइल किया गया था, वह ज़िंदा हैं, तो कानूनी मोर्चे पर बड़ा धमाका हुआ। जैसे ही यह मामला सामने आया, साणंद कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए -समरी रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। कागजों पर अपने पिता की हत्या करने वाले बेटे की पापी करतूत आखिरकार कोर्ट के सामने सामने आ ही गई। जैसे ही इस स्कैम का खुलासा हुआ, परिवार में भी बड़ा धमाका हो गया। आरोपी बेटे की यह करतूत सामने आने के बाद, उसके अपने भाई ने अपने धोखेबाज़ भाई के खिलाफ बोपल पुलिस स्टेशन में भरोसा तोड़ने और धोखाधड़ी की गंभीर धाराओं में शिकायत दर्ज कराई है। इतना ही नहीं, इस पिछले केस में बरी हुए एक और व्यक्ति ने भी आरोपी भाई के खिलाफ फर्जी किसान खड़ा करके क्रिमिनल साज़िश रचने के लिए अलग से शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल, बोपल पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और कागजों में अपने पिता की 'हत्या' करने वाले इस लालची बेटे के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। कि कानून को ऐसे लालची बेटों के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए जो दौलत के लिए अपने पिता का वजूद ही मिटा देते हैं ताकि भविष्य में कोई ऐसा करने की हिम्मत न कर सके।

राजपारडी में 17 लाख की चोरी का मामला सुलझा चोरी करने वाला आरोपी उसी दुकान से पकड़ा गया जहां से वह सामान खरीद रहा था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। जिले के झगड़िया तालुका के राजपारडी नगर में मौजूद पीयूष जनरल स्टोर्स से17 लाख कैश चोरी होने की खबर मिली थी। भरूच लोकल क्राइम ब्रांच ने कुछ ही दिनों में चोरी का मामला सुलझा लिया है। राजपारडी चार रास्ता के पास मौजूद पीयूष जनरल स्टोर्स बीड़ी, सिगरेट और पान की थोक दुकान है। 9 सितंबर की सुबह-सुबह एक अनजान आदमी शटर खोलकर ?17 लाख कैश से भरा बैग लेकर भाग गया। इस घटना के बारे में राजपारडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई थी। जानकारी के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने चोरी कबूल कर ली है। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी वेलुगाम में 'एकता प्रोविजन स्टोर' नाम की दुकान चलाता है। उसका बिजनेस ठीक नहीं चल रहा था,

इसलिए वह कर्ज में डूबा हुआ था। उसकी इको कार की किश्तें भी बाकी थीं। कर्ज से उबरने के लिए उसने चोरी की साजिश रची। खास बात यह है कि आरोपी पिछले छह साल से पीयूष जनरल स्टोर से अपनी दुकान के लिए सामान खरीद रहा था। इस वजह से उसे सुबह दुकान और वहां मौजूद कैश के बारे में पता चल जाता था। पुलिस ने बताया कि अपनी पहचान छिपाने के लिए आरोपी ने सुबह-सुबह रेनकोट पहन लिया था। उसने हाथों में ग्लव्स और मुंह पर रूमाल बांधकर चोरी की। चोरी के बाद आरोपी वालिया, झगड़िया और राजपारडी इलाके में घूमता रहा। फिर उसने

वालिया से नया बैग खरीदा। उसने पुराने बैग से चोरी के पैसे नए बैग में डाल दिए। पुलिस जांच में पता चला है कि उसने पुराना बैग, रेनकोट और ग्लव्स धारोली-पड़वानिया रोड पर बबूल की झाड़ियों में फेंककर सबूत मिटाने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी के पास से 12 लाख 31 हजार 900 कैश,20 हजार कीमत की मोटरसाइकिल और 3 हजार कीमत का मोबाइल फोन जब्त किया है। कुल 12 लाख 54 हज़ार 900 का सामान ज़ब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए राजपारडी पुलिस को सौंप दिया गया है।

जापानियों ने श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ मन्दिर के दर्शन किए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भायंदर। गुरु बिना जीवन अंधकारमय है। गुरु ही हमें अज्ञान के अंधेरे से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। वह केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीने की कला, संस्कार और सही-गलत की पहचान सिखाता है। उपरोक्त विचार जापान की मनोचिकित्सक तुलसी जैन (चूरूसी मियाजावा) ने भायंदर के 88 साल पुराने श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर व साध्वी सोम्यकला श्रीजी आदि ठाणा के दर्शन करने के बाद विशाल

धर्मसभा में व्यक्त किये।उन्होंने कहा कि माता-पिता जन्म देते हैं, पर गुरु जीवन को दिशा देता है। वह हमारी कमियों को दूर कर हमारे अंदर छिपी प्रतिभा को निखारता है। गुरु का आशीर्वाद और मार्गदर्शन ही शिष्य को सफलता के शिखर तक पहुँचाता है। इसलिए कहा गया है - गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु ही साक्षात परब्रह्म है।साध्वी सोम्यकला जी ने कहा कि अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जापान में रहने के बाद भी वे संस्कारों और गुरु के बताए मार्ग का अनुसरण कर रहे हैं। ज्ञात हो 34 जापानी श्री त्रिस्तुतिक जैन संघ,भायंदर (वेस्ट) में चातुर्मास हेतु विराजमान मुनिराज निपुणरत्न विजयजी म.सा. की निश्रा में पर्व पर्युषण की आराधना करने आये हैं।इस अवसर पर संघ के संजय राठोड़,अशोक मेहता,महावीर दुग्गड़ सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।संचालन अशोक कांग्रेचा ने किया।

धरनावदा में आरक्षक सत्येंद्र गुर्जर की पदस्थापना पर उठे सवाल आदेश के पालन को लेकर विभागीय व्यवस्था कठघरे में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। पुलिस विभाग में तबादला केवल कागज का एक आदेश नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था को संतुलित रखने का माध्यम है। लेकिन धरनावदा थाने में आरक्षक सत्येंद्र गुर्जर की करीब आठ वर्षों से लगातार पदस्थापना अब इसी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार आरक्षक गुर्जर वर्ष 2019 से धरनावदा थाने में पदस्थ बताए जा रहे

हैं। वहीं पुलिस मुख्यालय के निर्देशों में पांच वर्ष या उससे अधिक समय से एक ही स्थान पर पदस्थ पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण की व्यवस्था का उल्लेख है। इसके बावजूद यदि कोई कर्मचारी वर्षों तक एक ही थाने में बना रहता है, तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि आखिर व्यवस्था की वह कौन-सी मजबूरी है, जो तबादले के आदेश से भी बड़ी हो गई? मामला तब और गंभीर हो जाता है जब 22 मार्च 2026 के स्थानांतरण/पदस्थापना आदेश का उल्लेख सामने आता है। यदि आरक्षक का स्थानांतरण किया गया था, तो उन्हें धरनावदा थाने से विधिवत रिलीव क्यों नहीं किया गया? और यदि आदेश पर रोक, संशोधन या निरस्तीकरण हुआ, तो उसका लिखित आदेश कहां है? प्रशासन में मौखिक बात हवा की तरह होती है–सुनी जाती है, लेकिन उसका प्रमाण नहीं रहता। दूसरी ओर लिखित आदेश व्यवस्था की जिम्मेदारी तय करता है। इसलिए सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि क्या स्थानांतरण रोकने के लिए कोई लिखित आदेश जारी हुआ था? यदि ऐसा आदेश हुआ है तो उसे सार्वजनिक अथवा विभागीय जांच में सामने लाकर यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि आदेश किस अधिकारी ने जारी किया और उसकी तारीख क्या थी।

सूरत के पी.पी. सवाणी हॉस्टल में 85 स्टूडेंट्स के बीमार पड़ने के बाद जागा एडमिनिस्ट्रेशन अब पूरे राज्य के हॉस्टल में सफ़ाई करेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। मशहूर पी.पी. सवाणी हॉस्टल में ज़हरीला या मिलावटी खाना परोसे जाने से एक साथ 85 मासूम स्टूडेंट्स के गंभीर रूप से बीमार पड़ने से पूरे राज्य में भारी हंगामा और हलचल मच गई है। शिक्षा का घर माने जाने वाले हॉस्टल्स में स्टूडेंट्स की सेहत से खुलेआम खिलवाड़ किए जाने की यह घटना जैसे ही सामने आई, पेरेंट्स में गुस्से का ज्वालामुखी फूट पड़ा। इस गंभीर घटना के बुरे नतीजों ने आखिरकार बेपरवाह

एडमिनिस्ट्रेशन और शिक्षा विभाग को एक्शन मोड में आने पर मजबूर कर दिया है। पी.पी. सवाणी हॉस्टल के मेस में बना खाना हेल्दी नहीं होने के बाद, एक के बाद एक स्टूडेंट्स उल्टी, जी मिचलाना और पेट में असहनीय दर्द की शिकायत करने लगे। करीब 85 स्टूडेंट्स की तबीयत बिगड़ते ही हॉस्टल परिसर में अफ़रा-तफ़री और भगदड़ का माहौल बन गया। इतनी बड़ी संख्या में बच्चों के बीमार पड़ते ही उन्हें तुरंत एंबुलेंस से इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। यह इस बात का जीता-जागता और डरावना सबूत है कि पढ़ाई के नाम पर लाखों रुपये वसूलने वाले इंस्टीट्यूशन में स्टूडेंट्स को कैसा खाना दिया जाता है। घटना की गंभीरता को देखते हुए, राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्ल पंसेरिया ने तुरंत बड़ा फ़ैसला लिया है। सूरत की घटना के बाद, अब इंस्पेक्शन सिर्फ़ एक हॉस्टल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि फूड सेफ्टी और हेल्थ डिपार्टमेंट को पूरे गुजरात राज्य के सभी प्राइवेट और सरकारी हॉस्टल में इंटेंसिव इंस्पेक्शन कैंपेन (इंस्पेक्शन) चलाने का आदेश दिया गया है। हर हॉस्टल के मेस, किचन, खाने के अनाज की क्वालिटी और पीने के पानी के सैंपल चेक किए जाएंगे।

आणंद में विदेश भेजने के नाम पर करोड़ों का बड़ा स्कैम कथित वीज़ा फ्रॉड में लालची कपल गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। पुलिस ने वीज़ा माफिया पर बड़ी कार्रवाई की है जो विदेश जाने के क्रेज़ और 'डॉलर के सपनों' का फायदा उठाकर भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फंसा रहे थे। एक लालची कपल को कथित वीज़ा फ्रॉड रैकेट में शामिल होने के शक में गिरफ्तार किया गया है। इस गिरफ्तारी के बाद जैसे-जैसे कपल के काले धंधे का

पर्दाफाश हुआ है, एक के बाद एक पीड़ित सामने आ रहे हैं, जिससे फ्रॉड का शिकार होने वालों की संख्या 29 हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी कपल ने आणंद और आस-पास के इलाकों के लोगों से गारंटी के साथ वीज़ा दिलाने और विदेश यात्रा के सभी प्रोसेस आसानी से पूरे करने के बड़े-बड़े वादे किए थे। विदेश में बसने या नौकरी पाने का सपना देख रहे भोले-भाले नागरिक कपल की चालाकी भरी बातों में आ गए। पीड़ितों से लाखों-करोड़ों रुपये ऐंठने के बाद आरोपियों ने न तो वीज़ा दिया और न ही पैसे वापस किए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इस मामले में कपल को गिरफ्तार किया है और उनसे गहरी पूछताछ की है। पुलिस अभी इस पूरे रैकेट के बड़े नेटवर्क, फर्जी डॉक्यूमेंट्स के खेल और इस स्कैम में शामिल दूसरे साथियों तक पहुंचने के लिए पूरी जांच कर रही है।

वस्त्राल में गैंग के तोड़फोड़ करने और प्रॉस्टिट्यूशन के झूठे केस का डर दिखाकर युवक को लूटने का चौंकाने वाला मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नकली पुलिस बनकर पैसे ऐंठने वाले गैंग का एक और मामला सामने आया है। वस्त्राल के रहने वाले महेशभाई यादव 7 सितंबर को लांभा में बलियादेव मंदिर के दर्शन करके लौट रहे थे। उसी समय, एक रिक्शा में सवार 2 लोगों ने उन्हें क्राइम ब्रांच का ऑफिसर बताया। उन पर प्रॉस्टिट्यूशन का आरोप लगाते हुए, बदनाम करने की धमकी देते हुए, उनके वॉलेट से उनका आइडेंटिटी कार्ड ले लिया। इसके बाद, उन्होंने नारोल इलाके की दुकानों में ऑनलाइन ?62,620 ट्रांसफर किए और कैश ऐंठने लगे। पत्नी की हिम्मत के बाद नारोल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है। अहमदाबाद शहर में नकली पुलिस बनकर भोले-भाले लोगों को डरा-धमकाकर पैसे ऐंठने वाले गैंग का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले और अभी वस्त्राल इलाके में रहने वाले और नरोदा की एक फैक्ट्री में काम करने वाले 40 साल के महेशभाई यादव 7 सितंबर को लांभा में बलियादेव मंदिर दर्शन करने गए थे। सुबह दर्शन करने के बाद जब वे मंदिर के एग्जिट गेट पर पहुंचे, तो रास्ते में एक रिक्शा में सवार दो अनजान लोगों ने उन्हें रोक लिया।

क्राइम ब्रांच के ऑफिसर बताकर किडनैपिंग जैसा माहौल बनाया

रिक्शा में सवार दो लोगों ने खुद को क्राइम ब्रांच का पुलिस ऑफिसर बताया। आरोपियों ने अचानक महेशभाई का कॉलर पकड़ लिया और सबके सामने किडनैपिंग जैसा डरावना माहौल बना दिया। फिर नकली पुलिस ने महेशभाई पर आरोप लगाते हुए कहा, 'तुम नारोल सर्कल के पास प्रॉस्टिट्यूट्स के पास गए थे और उनका छुट्टी फुटेज पुलिस के पास पहुंच गया है।' आरोपियों ने धमकी दी कि अगर उसने समझौता नहीं किया, तो वे ये फोटो और फुटेज उसके परिवार को दिखा देंगे और समाज में उसे बदनाम कर देंगे।

वॉलेट से पहचान पत्र जब्त कर जबरदस्ती ऑनलाइन ट्रांसफर किया

बदनाम होने के डर से नकली पुलिस ने महेशभाई का वॉलेट चेक किया और उसमें से उनका पहचान पत्र निकालकर अपने पास रख लिया। इसके बाद, उन्होंने युवक को ज़बरदस्ती रिक्शा में बिठाया और नारोल इलाके की अलग-अलग दुकानों पर ले गए। वहां, उसे पीटने की धमकी देकर, दुकानदारों के क्यूआर कोड का इस्तेमाल करके उससे ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करवाए। आरोपियों ने PhonePe के ज़रिए एक दुकान में 43,430 और दूसरी दुकान में 19,190 ट्रांसफर किए और दुकानदारों से कुल ?62,620 कैश ले लिए।

पत्नी की हिम्मत के बाद नारोल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज

घटना के बाद शुरू में, युवक ने समाज में बदनामी और डर के कारण परिवार में किसी को इस बारे में नहीं बताया। हालांकि, बाद में उसने अपनी पत्नी को अपनी आपबीती बताई, और उसने उसे हिम्मत दी और पुलिस से संपर्क करने के लिए कहा। आखिरकार, धोखाधड़ी और गुंडागर्दी का शिकार हुए युवक ने इस मामले में नारोल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात नकली पुलिसवालों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और छुट्टी के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

गुलशन कुमार ने 5 लाख से ज़्यादा ई-मेल ID-पासवर्ड बनाए, बांग्लादेश के देश विरोधी तत्वों के साथ शामिल होने का खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। मुख्यमंत्री ऑफिस, विधानसभा और दूसरी सरकारी इमारतों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ई-मेल भेजने वाले दो आरोपी बिहार और झारखंड से पकड़े गए। 10 सितंबर को सेक्रेटेरिएट को बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल मिलने के बाद साइबर टीम ने टेक्निकल एनालिसिस किया। जांच के दौरान ई-मेल यूज़र की लोकेशन

भागलपुर, बिहार में मिली और वहां से रोशन कुमार को गिरफ्तार किया गया। उसके बाद लिंक देवघर, झारखंड पहुंचा और मुख्य आरोपी गुलशन कुमार सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के पास से 5,13,847 यूनिक ई-मेल ID और पासवर्ड की लिस्ट मिली। जिनका इस्तेमाल धमकियों के लिए किया जाता था। बदले में यह पता चला है कि आरोपियों को बांग्लादेश में रहने वाले उनके सह-आरोपियों द्वारा फाइनेंशियल मदद दी जा रही थी। साइबर सेल ऑफ़ एक्सीलेंस के SP विवेक भेड़ा ने बताया कि गुलशन कुमार सिंह अब तक 5 लाख से ज़्यादा यूनिक Gmail ई-मेल ID और पासवर्ड बना चुका है। वह सिर्फ़ ई-मेल ID और पासवर्ड ही नहीं, बल्कि ऑथेंटिकेटर और सीड कोड भी बनाता था। इसके बाद इन डिटेल्स को बेचकर धमकी भरे ई-मेल भेजता था। गुलशन से मिली शीट में 10 सितंबर को सेक्रेटेरिएट को भेजे गए धमकी भरे ई-मेल की ID भी मिली है। हालांकि, धमकी भरा ई-मेल बिहार से रोशन कुमार ने इसी ID का इस्तेमाल करके भेजा था। गुलशन ID-पासवर्ड बनाकर भेजता था, जबकि रोशन ई-मेल भेजता था। जांच के दौरान पता चला कि गुलशन कुमार सिंह के बांग्लादेश में कुछ देश विरोधी लोगों से कॉन्टैक्ट थे। शुरुआती जांच के मुताबिक, गुलशन ई-मेल ID-पासवर्ड बनाकर बांग्लादेश भेज रहा था और वहां से उनका इस्तेमाल करने की जांच चल रही है।

बोपल-शेला में बारिश के पानी में फंसी स्कूल बस, खिड़की से हाथ हिलाते और चिल्लाते बच्चों का वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भारी बारिश के बीच, बोपल-शेला में क्लब 07 के पास 'एकलव्य स्कूल' की एक बस पानी में फंस गई। प्राइमरी स्कूल के छोटे बच्चों को ले जा रही बस के गहरे पानी में फंसने से अफरा-तफरी मच गई। डरे हुए बच्चे खिड़कियों से मदद के लिए चिल्लाते दिखे, जिसका एक वीडियो वायरल हो गया। हालांकि, स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन ने तुरंत दूसरी बस भेजकर सभी बच्चों को सुरक्षित घर पहुंचाया। अहमदाबाद शहर में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में पानी भर गया था। इस दौरान बोपल-शेला इलाके से ऐसे नजारे देखने को मिले, जिससे पेरेंट्स की चिंता बढ़ गई। यहां, क्लब 07 के पास 'एकलव्य स्कूल' की बस बारिश के पानी में फंस गई, और छोटे बच्चे फंस गए।

पानी में रुकी बस, बच्चों में अफरा-तफरी

मिली जानकारी के मुताबिक, एकलव्य स्कूल की बस प्राइमरी स्कूल के छोटे बच्चों को लेकर वहां

से गुजर रही थी। इसी बीच, क्लब 07 के पास सड़क पर बस अचानक गहरे पानी में रुक गई। बस के रुकते ही अंदर बैठे मासूम बच्चे डर गए।

खिड़की से हाथ हिलाते और चिल्लाते बच्चों का वीडियो वायरल

घटना के समय वहां से गुजर रहे एक स्थानीय नागरिक ने पूरी घटना अपने मोबाइल में कैद कर ली। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बच्चे बस की खिड़कियों से हाथ हिला रहे थे और चिल्ला रहे थे। हालांकि, तेज बारिश की आवाज के कारण बच्चे क्या कह रहे थे, यह साफ सुनाई नहीं दे रहा था। यह दिल दहला देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।'से ही पता चला कि बस पानी में फंस गई है, स्कूल प्रशासन ने तुरंत एक्शन लिया। मौके पर एक और बस भेजी गई और सभी बच्चों को सुरक्षित निकालकर घर पहुंचाने का इंतजाम किया गया। सभी बच्चों के सुरक्षित होने पर माता-पिता ने राहत की सांस ली, लेकिन इस घटना ने मानसून के दौरान स्कूल वाहनों की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

साणंद में सुंदरम फ्लैट के मीटर रूम में 1.43 लाख रुपये की शराब मिली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जिले की साणंद टाउन पुलिस ने सुंदरम फ्लैट पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में शराब जब्त की है। पुलिस ने मीटर रूम में छिपाई गई भारत में बनी विदेशी शराब और बीयर जब्त की। इस छापे में कुल 1.43 लाख रुपये का सामान मिला पुलिस ने फ्लैट में ही विदेशी शराब रिटेल करने के आरोप में भरतसिंह उर्फ मामा भीखुभा वाघेला को गिरफ्तार किया है। वह सुंदरम अपार्टमेंट के

फ्लैट नंबर C/607 में रहता है। इस मामले में दिग्विजयसिंह उर्फ डिग्गो विक्रमसिंह चावड़ा नाम के एक और आरोपी को वॉन्टेड घोषित किया गया है। वह भी सुंदरम फ्लैट में रहता है। आरोपी अपने फ्लैट के बोर रूम में बने मीटर रूम में विदेशी शराब की मात्रा छिपाते थे। वहीं से वे रिटेल में शराब बेचते थे। पुलिस ने भारत में बनी विदेशी शराब और बीयर की कुल 504 बोतलें/टिन ज़ब्त की हैं, जिनकी कीमत Rs 1,33,680 है। इसके अलावा, Samsung कंपनी का एक मोबाइल फ़ोन भी ज़ब्त किया गया है, जिसकी कीमत Rs 10,000 है। इस तरह, कुल रूक्षा 1,43,680 का सामान ज़ब्त किया गया है। आरोपियों के खिलाफ़ प्रोहिबिशन एक्ट की धारा 65 116, 81 के तहत मामला दर्ज किया गया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नारोल में एक रिहायशी बिल्डिंग में अवैध बूचड़खाने का भंडाफोड़: 110 kg मीट के साथ दो गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नारोल इलाके में एक रिहायशी बिल्डिंग में अवैध बूचड़खाने पर रेड मारकर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जब नारोल पुलिस पेट्रोलिंग पर थी, तो उन्हें खास जानकारी मिली कि न्यू मुस्कान नगर के मकान नंबर 11, बाघे कौशर बी.के. स्कूल के सामने, में बाहर से जानवर लाकर अवैध तरीके से काटे जा रहे हैं। इसी जानकारी के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। सूचना मिलने पर, नारोल पुलिस ने अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सेनेटरी

इंस्पेक्टर बी.आई. बावा और पंचो के साथ घर पर रेड मारी। घर की जांच करते समय पुलिस को लोहे की रॉड, चाकू, कुल्हाड़ी और बर्खास्तगी जैसे काटने में इस्तेमाल होने वाले हथियार मिले। इसके अलावा, घर में 110 दाद मीट भी मिला। इस मीट के सैंपल लेकर FSL में जांच के लिए भेजे गए, जहां यह भैंस के वंश का साबित हुआ। घर के पीछे गैलरी में एक ज़िंदा भैंस और एक छोटा बछड़ा बिना किसी चारे-पानी के बंधा हुआ मिला। पुलिस ने इन दोनों बेजुबान जानवरों को बेरहमी से आज़ाद कराया। मौके पर मिले 33,000 रुपये कीमत के 110 दाद्द मीट को पुलिस ने सैनिटरी इंस्पेक्टर की मौजूदगी में केरोसिन और फिनाइल डालकर नष्ट कर दिया। इसके अलावा, पुलिस ने 10,000 रुपये कीमत का एक मोबाइल और काटने के औज़ार समेत कुल 43,000 रुपये ज़ब्त किए हैं। पुलिस ने इस गैर-कानूनी काम में शामिल मोहम्मद शाहरुख कुरैशी और मोहम्मद सलमान कुरैशी नाम के दो आरोपियों को गिरफ़्तार किया है।

शादी का वादा या सहमति से संबंध? सुप्रीम कोर्ट ने जाम्बिया में रह रहे एनआरआई को दी राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सुप्रीम कोर्ट ने जाम्बिया में रह रहे एक एनआरआई व्यक्ति को यौन संबंध के मामले में राहत देते हुए उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द कर दी। कोर्ट ने 7 सितंबर को दिए आदेश में कहा कि शिकायत की सामग्री से प्रथम दृष्टया सहमति से संबंध बनने के संकेत मिलते हैं। शिकायत में ऐसा स्पष्ट नहीं होता कि आरोपी ने धोखे से महिला को यौन संबंध के लिए तैयार किया था। यह मामला गुजरात के वडोदरा का है। महिला के अनुसार वह नवंबर 2022 में फेसबुक के माध्यम से आरोपी के संपर्क में आई थी। दोनों की पहली मुलाकात फरवरी 2024 में वडोदरा में हुई। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी उसे एक होटल में ले गया, जहां दोनों करीब दो दिन तक रहे। महिला का दावा था कि इस दौरान आरोपी ने उससे शादी करने का वादा किया और दोनों के बीच यौन संबंध बने। महिला ने शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपी ने दिसंबर 2024

तक उससे शादी करने का भरोसा दिया था। हालांकि जनवरी 2025 में आरोपी ने कथित तौर पर कहा कि उसकी मां इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं है। इसके बाद उसने शादी करने से इनकार कर दिया। महिला ने आरोप लगाया कि शादी का भरोसा देकर उसके साथ संबंध बनाए गए। मामले में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस प्रावधान के तहत धोखे या शादी का झूठा वादा करके यौन संबंध बनाने पर 10 साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने मई में आरोपी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि ऐसे मामलों में उस वादे के बीच अंतर करना जरूरी है, जो अच्छे इरादे से किया गया लेकिन बाद में पूरा नहीं हो सका और उस वादे के बीच, जो शुरू से ही शादी करने के इरादे के बिना किया गया हो। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि आरोपी की मां द्वारा शादी का विरोध किया जाना अपने आप में ऐसा सच्चा और उचित कारण नहीं माना जा सकता, जिससे आरोपी को राहत मिल सके। सुप्रीम कोर्ट में आरोपी की ओर से इन आरोपों से इनकार किया गया। उसके वकील ने दलील दी कि दोनों के बीच संबंध सहमति से बने थे और रिश्ता शुरू से ही झूठे वादे पर आधारित नहीं था। वकील ने महिला की मां और मातृ पक्ष की मौसी के साथ आरोपी की बातचीत का भी हवाला दिया। दलीलों के अनुसार, आरोपी ने महिला की मां को 40 हजार रुपए भेजे थे और मुंबई से करीब 32 हजार रुपए के मोबाइल फोन व कपड़े भी भेजे थे।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी कर आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाला तीसरा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर तथा नगर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव श्री सत्यप्रकाश तिवारी के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में 'अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत धोखाधड़ी एवं गंभीर अपराधों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रकरण के अनुसार, मृतक कोमल साहू ने दिनांक 17.10.2025 को मानसिक तनाव के चलते जहर सेवन कर लिया था, जिनकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। मर्ग जांच के दौरान मृतक के पास से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ तथा बैंक स्टेटमेंट व मोबाइल डेटा की गहन जांच की गई। विवेचना में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी मो. अजीज खान ने मृतक को शेयर मार्केट में निवेश और 'तंत्र-मंत्र' (चटिया मटिया) के माध्यम से पैसे दोगुना करने का लालच देकर लगभग 04 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। रकम वापस न मिलने और कर्जदाताओं के दबाव के कारण मृतक अत्यधिक मानसिक तनाव में था, जिसके चलते उसने आत्मघाती कदम उठाया। आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 130%2026 धारा 318(4), 108, 3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। करण में विवेचना के दौरान थाना कोतवाली पुलिस द्वारा टीम गठित कर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इंदौर से मुख्य आरोपी अजीज खान पिता के0के0 सलगुनान उम्र 57 साल निवासी बी-42 रायल टाउन भटखेड़ी तहसील मउ थाना किशनगंज जिला इंदौर को हिरासत में लेकर पूछताछ पर मृतक से नकद और बैंक खातों के माध्यम से करोड़ों की राशि प्राप्त करना स्वीकार करने पर दिनांक 03.04.2026 तथा योगेन्द्र कुमार साहू पिता डेरहा राम साहू उम्र 37 साल साकिन ग्राम कुतुलबोड़ भांठागांव वार्ड नं. 03 थाना लालबाग जिला राजनांदगांव को दिनांक 09.09.26 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। विवेचनाक्रम में तीसरा आरोपी शीतल कुमार साहू पिता द्विजराम साहू, उम्र 49 साल, निवासी श्रद्धा नगर अम्बेडकर वार्ड, थाना सिटी कोतवाली, जिला धमतरी को आज दिनांक 13.09.2026 को मामले में औपचारिक गिरफ्तार कर जमानत मुचलका पर छोड़ा गया है। प्रकरण में अन्य आरोपियों के विरूद्ध साक्ष्य संकलन किया जा रहा है, पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त कर विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी।

हिंदी दिवस पर बागोड़ा स्कूल में गूंजा हिंदी का गौरव, विद्यार्थियों ने भाषण और कविताओं से बताया भाषा का महत्व

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागोड़ा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागोड़ा में सोमवार, 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भाषण, कविताओं और रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से हिंदी भाषा के महत्व को सामने रखा। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने हिंदी को केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान और अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरपी, सीबीईओ कार्यालय बागोड़ा के दिलीप कुमार रहे, जबकि अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य खिमसिंह ने की। मुख्य अतिथि दिलीप कुमार ने हिंदी के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है और इसकी अपनी विशिष्ट विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है, लेकिन इसके बावजूद प्रशासनिक कामकाज में हिंदी का पूरी तरह उपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने इसे विचार करने का विषय बताते हुए हिंदी को बढ़ावा देने और दैनिक जीवन में अधिक से अधिक इस्तेमाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। विद्यालय के प्राचार्य खिमसिंह ने भी विद्यार्थियों को हिंदी के प्रति सम्मान और लगाव रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भाषा का विकास तभी संभव है, जब नई पीढ़ी उसका नियमित रूप से प्रयोग करे और उसकी समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापक हिंदी आभास खान ने किया। उन्होंने हिंदी भाषा की विशेषताओं को मुहावरों, लोकोक्तियों, छंदों और छोटी कविताओं के माध्यम से रोचक अंदाज में प्रस्तुत किया। उनके संचालन ने कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा और विद्यार्थियों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया। हिंदी के महत्व विषय पर उपप्रधानाचार्य इंद्रमल, हिंदी व्याख्याता निर्मला कुमारी और रूपों कुमारी ने अपने विचार रखे। उन्होंने हिंदी भाषा के इतिहास, उपयोगिता और वर्तमान समय में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

आंधी-बारिश ने बिगाड़ी बिजली व्यवस्था, नारणावास ग्रिड 24 घंटे रहा ठप; पूरी रात अंधेरे में रहे ग्रामीण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। क्षेत्र में शनिवार शाम आई तेज आंधी और बारिश के बाद नारणावास क्षेत्र की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। लेटा से नारणावास विद्युत ग्रिड तक आने वाली 33 केवी लाइन में फॉल्ट आने के कारण नारणावास ग्रिड की बिजली आपूर्ति करीब 24 घंटे तक बंद रही। बिजली गुल होने से ग्रिड से जुड़े कई गांवों और कृषि कुओं की आपूर्ति प्रभावित रही, जिसके चलते ग्रामीणों को पूरी रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। नारणावास ग्रिड से जागनाथ महादेव, माईनस, नारणावास, नया नारणावास सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की जाती है। इसके अलावा बड़ी संख्या में कृषि कुएं भी इसी विद्युत व्यवस्था पर निर्भर हैं। शनिवार शाम अचानक बिजली बंद होने के बाद ग्रामीणों को उमस भरी गर्मी में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पूरी रात बिजली नहीं आने से घरेलू कामकाज के साथ अन्य जरूरी गतिविधियां भी प्रभावित हुईं। नारणावास ग्रिड के ठप होने की जानकारी मिलने के बाद बिजली विभाग के कर्मचारी रविवार सुबह करीब 6 बजे से ही फॉल्ट तलाशने और लाइन को दुरुस्त करने के काम में जुट गए। कनिष्ठ अभियंता अनूप कुमार के नेतृत्व में रामप्रसाद मीणा, हीर सिंह, कालू खान, किरण सिंह और इकराम खान ने लेटा ग्रिड से नारणावास ग्रिड तक जाने वाली 33 केवी लाइन की जांच शुरू की। बिजलीकर्मियों ने करीब 14 किलोमीटर लंबी लाइन के प्रत्येक पोल को बारीकी से जांचा। आंधी के कारण लाइन में फॉल्ट कहां आया, इसका पता लगाने के लिए कर्मचारियों ने पूरी लाइन का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई स्थानों पर झाड़ियों के कारण लाइन प्रभावित होने की स्थिति भी सामने आई। इसके बाद जेसीबी की मदद से लाइन के आसपास उलझी हुई झाड़ियों को हटाया गया और आवश्यक सुधार कार्य किया गया। लगातार कई घंटे की मशक्कत के बाद विभागीय कर्मचारियों ने फॉल्ट को दुरुस्त कर बिजली आपूर्ति बहाल करने का काम पूरा किया। रविवार शाम को नारणावास विद्युत ग्रिड की आपूर्ति दोबारा शुरू कर दी गई। इसके साथ ही जागनाथ महादेव, माईनस, नारणावास, नया नारणावास और कृषि कुओं से जुड़े उपभोक्ताओं को राहत मिली। करीब 24 घंटे तक बिजली बंद रहने के बाद आपूर्ति बहाल होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

सिरोही में कांग्रेस का दबदबा, 35 में 23 वार्ड जीते; भाजपा 10 पर सिमटी, बोर्ड बनना तय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। नगरपरिषद चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद सिरोही में कांग्रेस का बोर्ड बनना तय हो गया है। नगरपरिषद के कुल 35 वार्डों में कांग्रेस ने 23 वार्डों पर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा को 10 वार्डों में ही सफलता मिली। दो वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। कांग्रेस को मिले स्पष्ट बहुमत के बाद नगरपरिषद में उसके बोर्ड बनने का रास्ता साफ हो गया है। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सोमवार सुबह करीब 11:45 बजे कांग्रेस के सभी विजेता पार्षद एक साथ पहुंचे और शपथ ग्रहण की। इसके बाद उन्हें जीत के प्रमाण पत्र भी दिए गए। विजेता पार्षदों के प्रमाण पत्र लेने के बाद कांग्रेस की रणनीति भी साफ नजर आई। सभी पार्षद जिस बस से मतगणना स्थल पहुंचे थे, उसी बस में सवार होकर दोबारा अज्ञात स्थल के लिए रवाना हो गए। अब सभापति के चुनाव के दौरान ही पार्षद वापस सिरोही आएंगे। विजेता पार्षदों के नवीन भवन स्कूल परिसर में पहुंचते ही उनके परिजन उत्साह में नजर आए। पार्षदों की बस जैसे ही परिसर में पहुंची, परिजन फूल-मालाएं लेकर स्वागत के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने विजेता पार्षदों को माला पहनाकर जीत की बधाई दी। इस दौरान विजेता पार्षद करीब आधे घंटे तक परिसर में रुके। सिरोही में भाजपा की हार के बाद पूर्व विधायक संयम लोढ़ा ने पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा को चुनाव परिणामों को गंभीरता से लेते हुए हार की समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने राज्य मंत्री ओटाराम देवासी के इस्तीफे की मांग भी उठाई। जिले की अन्य नगरीय निकायों में चुनाव परिणाम अलग तस्वीर दिखा रहे हैं। माउंट आबू नगरपालिका में भाजपा ने बहुमत हासिल कर लिया। यहां कुल 25 वार्डों में भाजपा के 15 प्रत्याशी विजयी रहे। कांग्रेस को 7 वार्डों में जीत मिली, जबकि दो निर्दलीय प्रत्याशी भी विजयी हुए। आरएलपी का एक प्रत्याशी भी चुनाव जीतने में सफल रहा। वहीं पिंडवाड़ा में कांग्रेस ने बढ़त हासिल की। शिवगंज में भाजपा को बहुमत मिलने की स्थिति सामने आई है। चुनाव परिणामों के साथ जिले की अलग-अलग नगर निकायों में राजनीतिक तस्वीर स्पष्ट हो गई है सिरोही में सुबह 8 बजे मतगणना शुरू हुई थी। मतगणना स्थल पर प्रत्याशी और उनके समर्थक जुटे रहे। चुनाव परिणामों को देखते हुए सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए थे। सिरोही नगरपरिषद में स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद अब सभी की नजर सभापति के चुनाव पर टिकी है।

सिरोही निकाय चुनाव परिणाम

महानगर मेट्रो सुपर एक्सक्लूसिव

सिरोही में कांग्रेस की प्रचंड जीत, माउंट आबू में खिलता 'कमल'; मंदार और पिंडवाड़ा में निर्दलीय बने 'किंगमेकर'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले की 6 नगर पालिकाओं और नगर परिषद चुनाव के बहुप्रतीक्षित परिणाम घोषित हो गए हैं। जनादेश ने इस बार जिले के राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह से नया मोड़ दे दिया है। जहां जिला मुख्यालय सिरोही नगर परिषद में कांग्रेस ने एकतरफा परचम लहराया है, वहीं माउंट आबू में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्ण दबदबा कायम किया। आबू रोड और शिवगंज में भाजपा मजबूती से उभरी है, जबकि पिंडवाड़ा और नवगठित मंदार नगर पालिका में कांटे की टक्कर के बीच निर्दलीय उम्मीदवार बोर्ड बनाने की चाबी अपने हाथ में थामे हुए हैं।

विश्लेषण: कहां बदला समीकरण, किसकी बनी बात?

सिरोही नगर परिषद (कांग्रेस का गढ़ पुनर्स्थापित):

35 में से 23 सीटों पर जीत दर्ज कर कांग्रेस ने जिला मुख्यालय पर अपना मजबूत वर्चस्व साबित कर दिया है। स्थानीय विकास के मुद्दों और विपक्षी धड़ेबाजी का सीधा फायदा कांग्रेस को मिला। भाजपा महज 10 सीटों पर सिमट गई।

माउंट आबू और शिवगंज (भाजपा का दबदबा):

पर्यटन नगरी माउंट आबू में भाजपा ने 15 सीटों पर जीत दर्ज कर विरोधियों का सूपड़ा साफ कर दिया। वहीं शिवगंज में 18 सीटों का जादुई आंकड़ा छूकर भाजपा ने अपना बोर्ड बनना तय कर लिया है।

आबू रोड (बहुमत की दहलीज़ पर भाजपा):

40 वार्डों वाले आबू रोड में भाजपा 20 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। बोर्ड बनाने के लिए आवश्यक बहुमत हासिल करने हेतु पार्टी को महज 1-2 निर्दलीयों के समर्थन की जरूरत होगी।

मंदार और पिंडवाड़ा (निर्दलियों के भरोसे चेयरमैन की कुर्सी)

मंदार में मुकाबला बेहद रोचक हो गया है, जहां निर्दलीयों (07 सीटें) ने भाजपा (07) और कांग्रेस (06) दोनों को पीछे छोड़ते हुए संतुलन बिगाड़ दिया है। पिंडवाड़ा में कांग्रेस 9 सीटों के साथ बढ़त पर तो है, लेकिन 4 निर्दलीय और 5 सीटों वाली भाजपा मिलकर जोड़-तोड़ का खेल बदल सकते हैं।

विशेष रिपोर्ट- अपनी ग्राम पंचायत के नतीजे कैसे देखें?

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज (सरपंच और वार्ड पंच) चुनावों के नतीजे जानने के लिए ग्रामीण नीचे दिए गए डिजिटल चरणों का पालन कर सकते हैं:

वेबसाइट दर्ज करें: राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग के आधिकारिक पोर्टल sec.rajasthan.gov.in पर जाएं।

सेक्शन चुनें: होमपेज पर मौजूद 'Elections/Results सेक्शन में जाएं।

चुनाव श्रेणी: Panchayati Raj Elections का चयन करें।

क्षेत्र चयन: अपना जिला Sirohi, संबंधित पंचायत समिति (सिरोही, पिंडवाड़ा, शिवगंज, रेवदर या आबू रोड) और अपनी ग्राम पंचायत चुनें।

सूची देखें: स्क्रीन पर आपके क्षेत्र के निर्वाचित सरपंच और पंचों की सूची प्रदर्शित हो जाएगी।

संपादकीय टिप्पणी: नगरीय निकायों में चेयरमैन पद की रेस अब बाड़ेबंदी और निर्दलीयों को साधने के मोड़ पर आ पहुंची है। आने वाले दिन सिरोही की स्थानीय राजनीति में बेहद अहम साबित होंगे।

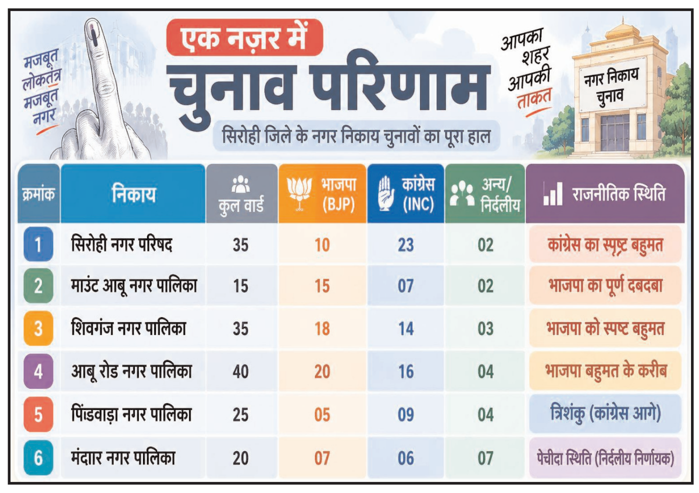

क्रमांक	निकाय	कुल वार्ड	भाजपा (BJP)	कांग्रेस (INC)	अन्य/निर्दलीय	राजनीतिक स्थिति
1	सिरोही नगर परिषद	35	10	23	02	कांग्रेस का स्पष्ट बहुमत
2	माउंट आबू नगर पालिका	15	15	07	02	भाजपा का पूर्ण दबदबा
3	शिवगंज नगर पालिका	35	18	14	03	भाजपा को स्पष्ट बहुमत
4	आबू रोड नगर पालिका	40	20	16	04	भाजपा बहुमत के करीब
5	पिंडवाड़ा नगर पालिका	25	05	09	04	त्रिशंकु (कांग्रेस आगे)
6	मंदार नगर पालिका	20	07	06	07	पेचीदा स्थिति (निर्दलीय निर्णायक)

दशहरा महोत्सव के लिए उदयपुर की रामलीला मंडली का चयन,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। दशहरा महोत्सव-2026 के तहत आयोजित होने वाले 11 दिवसीय समारोह की तैयारियों को लेकर श्रीरामलीला समिति की बैठक रामलीला रंगमंच पर हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष संजय सिंघल ने की। इस दौरान दशहरा महोत्सव में होने वाले रामलीला मंचन के लिए विभिन्न रामलीला मंडलियों से प्राप्त वीडियो और फोटो सामग्री की समीक्षा की गई। प्रस्तुतियों के स्तर, आयोजन की गुणवत्ता और मंचन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श के बाद उदयपुर की रामलीला मंडली का अंतिम रूप से चयन किया गया। बैठक में समिति पदाधिकारियों ने अलग-अलग मंडलियों की ओर से उपलब्ध कराई गई प्रस्तुतियों से संबंधित सामग्री को देखा और उनके मंचन की समीक्षा की। मंडलियों की प्रस्तुति, आयोजन की गुणवत्ता तथा रामलीला मंचन से जुड़े जरूरी बिंदुओं पर चर्चा की गई। विचार-विमर्श के बाद उदयपुर की मंडली को दशहरा महोत्सव-2026 के लिए उपयुक्त मानते हुए अंतिम रूप से चयनित किया गया। समिति कोषाध्यक्ष ज्योतिष जोनवाल ने बैठक में समिति के

आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। वहीं उपाध्यक्ष आनंद पवार और सलाहकार आलोक चतुर्वेदी ने दशहरा महोत्सव के आयोजन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर अपनी समीक्षा रखी। समिति सचिव केके बारासेनी ने बैठक का संचालन किया। बैठक में लक्ष्मण टेलर, जगदीश डाड, सतीश अग्रवाल सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे। उदयपुर की रामलीला मंडली के चयन के साथ ही अब दशहरा महोत्सव के तहत होने वाले रामलीला मंचन की तैयारियों को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू होगी। समिति की ओर से आयोजन को लेकर आवश्यक तैयारियों और व्यवस्थाओं पर आगामी स्तर पर कार्य किया जाएगा।

ईवीएम की निगरानी से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक का लिया जायजा

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूपर्वत। चुनावी शोर थमने के बाद अब सभी की निगाहें सोमवार को होने वाली मतगणना पर टिक गई हैं। मतदान के बाद प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है और अब परिणाम का इंतजार है। मतगणना को लेकर आबूपर्वत में प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की नजरें अब मतगणना स्थल पर टिकी हुई हैं। मतगणना की तैयारियों का जायजा लेने जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर आबूपर्वत पहुंचे। उन्होंने मतगणना स्थल का निरीक्षण करते हुए वहां की व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और ईवीएम की निगरानी से संबंधित इंतजामों की जानकारी ली। मतगणना के लिए की गई तैयारियों, अधिकारियों की जिम्मेदारियों और अन्य व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतगणना प्रक्रिया के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी सभी दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मतगणना की पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं

बरतने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर राहुल श्रीवास्तव ने जिला निर्वाचन अधिकारी को मतगणना स्थल पर की गई विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी दी। उन्होंने मतगणना के लिए निर्धारित बैठक व्यवस्था, सुरक्षा घेरे और अन्य जरूरी इंतजामों के बारे में विस्तार से बताया। अधिकारियों ने मतगणना के दौरान व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक तैयारियों की भी समीक्षा की। मतगणना स्थल पर ईवीएम की सुरक्षा को लेकर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन की ओर से मतगणना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और प्रवेश से जुड़े इंतजामों को लेकर जरूरी तैयारियां पूरी की जा रही हैं, ताकि परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार कुंज बिहारी झा, थाना अधिकारी दलपत सिंह राठौड़, भंडार शाखा प्रभारी राज किशोर शर्मा और पटवारी अभिषेक जैन मौजूद रहे। अधिकारियों ने मतगणना से जुड़ी तैयारियों पर चर्चा की और प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के अनुसार पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही। अब सोमवार को होने वाली मतगणना के साथ ही प्रत्याशियों और समर्थकों का इंतजार खत्म होगा। ईवीएम खुलने के साथ यह साफ हो जाएगा कि आबूपर्वत की जनता ने किसके पक्ष में अपना फैसला सुनाया है। प्रशासन ने शांतिपूर्ण और व्यवस्थित मतगणना के लिए तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

देलवाड़ा तीर्थ में पर्युषण महापर्व की आराधना जारी, कल्पसूत्र वाचन में गूंजा भगवान महावीर के जीवन का संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देलवाड़ा। प्राचीन जैन श्वेतांबर देलवाड़ा तीर्थ में पर्युषण महापर्व के तहत धार्मिक आराधना और कल्पसूत्र वाचन का क्रम जारी है। सेठ कल्याणजी परमानंदजी पेढ़ी के तत्वावधान में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में आचार्य विजय हेमवल्लभसूरीश्वर की उपस्थिति में कल्पसूत्र के विभिन्न प्रसंगों का वाचन किया जा रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु धार्मिक आयोजन में शामिल होकर भगवान महावीर के जीवन प्रसंगों और उनके संदेशों को सुन रहे हैं। कल्पसूत्र वाचन के दौरान भगवान महावीर के च्यवन कल्याणक और जन्म महोत्सव से जुड़े प्रसंगों का वर्णन किया गया। भगवान के जन्म के अवसर पर देवों की ओर से किए गए उत्सव और समर्पण का उल्लेख करते हुए श्रद्धालुओं को बताया गया कि परमात्मा के दर्शन के साथ आत्मजागृति भी आवश्यक है। केवल प्रभु के सामने सिर झुकाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके जीवन, विचारों और संदेशों को अपने आचरण में उतारना ही सच्ची प्रभुभक्ति है। धार्मिक प्रसंगों के माध्यम से भगवान महावीर के बाल्यकाल के जीवन पर भी प्रकाश डाला गया। उनके माता-पिता के प्रति सेवाभाव और बड़े भाई के प्रति विनय के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि उनके जीवन में बचपन से ही संस्कार, अनुशासन और विनम्रता के गुण दिखाई देते थे। भगवान महावीर का जीवन निर्भयता और संयम के साथ सदाचार की प्रेरणा देता है। वाचन के दौरान भगवान महावीर की दीक्षा के बाद की कठिन साधना के प्रसंग भी श्रद्धालुओं को सुनाए गए। बताया गया कि दीक्षा के पश्चात भगवान महावीर ने साढ़े 12 वर्ष तक कठोर साधना की। इस अवधि में उन्हें अनेक प्रकार के उपसर्गों और विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हर परिस्थिति को समभाव के साथ सहन किया धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं को संदेश दिया गया कि जीवन में परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं रहतीं। ऐसे समय में व्यक्ति को घबराने के बजाय भगवान महावीर के जीवन से प्रेरणा लेकर समता, संयम, निर्भयता और धैर्य बनाए रखना चाहिए। कठिनाइयों के बीच मन को स्थिर रखना और अपने मूल सिद्धांतों पर कायम रहना ही वास्तविक साधना का मार्ग है।

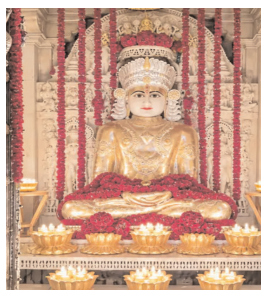

माउंट आबू में सुहाना हुआ मौसम, धूप के बीच पहाड़ियों पर छाई धुंध; ठंडी हवाओं ने बढ़ाया पर्यटन का मजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। मानसून की रफ्तार धीमी पड़ने के साथ ही माउंट आबू की वादियों में मौसम एक बार फिर सुहाना हो गया है। शनिवार शाम हुई तेज बारिश के बाद से क्षेत्र में ठंडक बनी हुई है। मंगलवार को सुबह से ही धूप खिली रही, हालांकि बीच-बीच में आसमान में हल्के बादल भी नजर आए। शाम होते-होते ऊंची पहाड़ियों और वादियों में हल्की धुंध छाने लगी, जिससे माउंट आबू का प्राकृतिक नजारा और भी आकर्षक हो गया। ठंडी हवाओं और खुशनुमा मौसम के बीच यहां पहुंचे पर्यटकों ने जमकर आनंद लिया। सप्ताहांत के दौरान भी माउंट आबू में पर्यटकों की अच्छी आवाजाही रही। शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर दिनभर चहल-पहल का माहौल बना रहा। नक्की झील, सनसेट प्वाइंट, गुरु शिखर और दिलवाड़ा जैन मंदिर सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे। नक्की झील पर पर्यटकों ने नौकायन का आनंद लिया। झील के आसपास भी दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रही। वहीं अलग-अलग दृश्य बिंदुओं पर भी पर्यटक प्राकृतिक सुंदरता को निहारते और तस्वीरें लेते नजर आए। पहाड़ियों पर छाई हल्की धुंध और ठंडी हवाओं ने मौसम को और आकर्षक बना दिया। पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की मौजूदगी के चलते माउंट आबू का माहौल गुलजार नजर आया। बारिश के बाद मौसम में आए बदलाव का असर तापमान पर भी देखने को मिल रहा है। माउंट आबू में तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव जारी है। शनिवार को न्यूनतम तापमान 19.7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अगले दिन रविवार को न्यूनतम तापमान 19.9 डिग्री और अधिकतम 27.3 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। दिन में धूप रहने के बावजूद पहाड़ी क्षेत्र में चलने वाली ठंडी हवाएं मौसम को राहतभरा बनाए हुए हैं। बारिश के बाद साफ

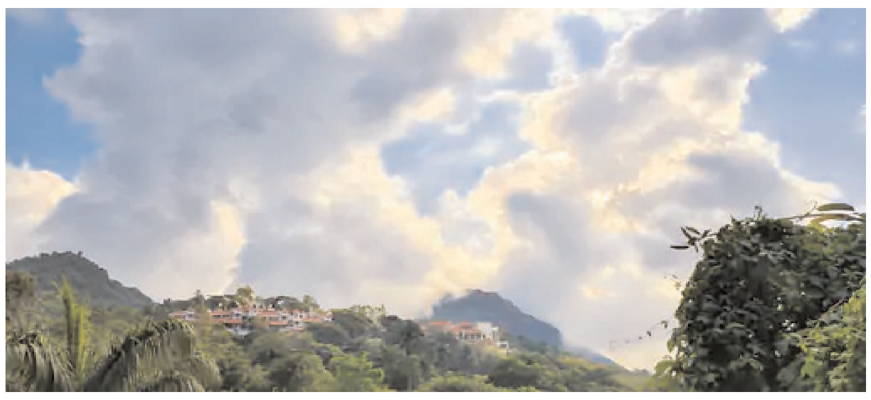

आसमान, धूप और पहाड़ियों पर छाती धुंध पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मानसून की गति भले ही फिलहाल धीमी पड़ गई हो, लेकिन माउंट आबू का मौसम पर्यटकों को लगातार आकर्षित कर रहा है। प्राकृतिक नजारों और सुहाने मौसम के चलते प्रमुख पर्यटन स्थल आने वाले दिनों में भी गुलजार रहने की उम्मीद है।

गुजरात विधानसभा के इस हालिया सेशन के दौरान सदन में हुए सभी काम

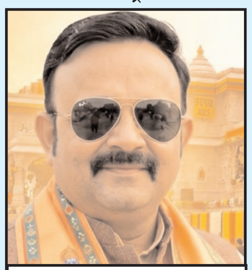

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

जब अपने समय के खुद को 'कल्चर कॉन्ट्रैक्टर' कहने वाले, जो समाज की नाक पर या यूं ही बैठे हैं, आज की मॉडर्न पीढ़ी को नैतिकता और कल्चर का ज्ञान परोसने लगते हैं, तो यह समझना मुश्किल हो जाता है कि उन पर हंसें या तरस खाएं। उनकी कहानियां सुनकर ऐसा लगता है जैसे उनके समय में बिना किसी फिजिकल प्रोसेस के कोई बच्चा पैदा हो गया हो! या वह पीढ़ी आबादी बढ़ाने के लिए किसी सरकारी प्लान के तहत कोई खास रिकॉर्ड बनाने का काम कर रही होगी! आज इन चलते-फिरते 'कल्चर म्यूज़ियम' से एक तीखा सवाल पूछना ज़रूरी हो गया है जो आज की पीढ़ी को हर बात में टेढ़ा कहते हैं और बात-बात में कोसते हैं। आपके समय में 'कल्चर' का असली मतलब क्या था? पांच, आठ या दस बच्चे होने के बाद भी क्या हमें आंख मूंदकर यह कहावत दोहरानी चाहिए कि 'वंश चलता रहना चाहिए'? क्या हमें अपने बच्चों को पाल-पोसकर उसी 'वंश बढ़ाने की फैक्ट्री' में भर्ती करना चाहिए?

जनसंख्या विस्फोट के असली 'खिलाड़ी' अब कोच बन गए हैं! आज पूरा देश और दुनिया जिस भयानक जनसंख्या विस्फोट, संसाधनों की कमी और महंगाई से जूझ रही है, उसमें सबसे बड़ा योगदान उस पीढ़ी का है जो 'वंश' और 'वारिस' के नाम पर बच्चों की गिनती को उपलब्धि मानती है। पहले बेटा चाहिए, फिर उस बेटे के साथ खेलने के लिए भाई चाहिए, फिर 'कुल का चिराग' - इस चक्कर में परिवार नहीं बल्कि इंसानी उत्पादन के केंद्र बन रहे थे।

और सबसे बड़ा मज़ाक यह है कि वही पीढ़ी आज के पढ़े-लिखे युवाओं को नैतिकता का पाठ पढ़ाने निकली है! मानो कोई रिटायर्ड एथलीट जिसने जनसंख्या बढ़ाने में रिकॉर्ड बनाया था, अब फैमिली प्लानिंग की गाइडेंस के तौर पर भाषण देने के लिए मंच पर खड़ा हो! समय बदल गया है। आज की युवा पीढ़ी इस पुरानी सोच और आदतों को काफी हद तक नकार रही है बराबरी को मानना: बेटा हो या बेटी, दोनों को बराबर पालने की समझ और समझदारी आज की पीढ़ी में बढ़ी है। ज़म्मेदारी का एहसास: पहले बच्चे को सिर्फ़ 'वंश की छड़ी' या बुजुर्गों का सहारा माना जाता था, जबकि आज की पीढ़ी के लिए बच्चा एक बड़ी ज़िम्मेदारी और एक आज़ाद इंसान है।कुरिवाजो के खिलाफ़ बगावत: भ्रूण हत्या के विरोध से लेकर बेटियों की हायर एजुकेशन और करियर तक, आज की पीढ़ी पुरानी छोटी सोच को खुलकर चुनौती दे रही है। आज के युवाओं को संस्कृति और परंपरा का पाठ पढ़ाने से पहले, पीढ़ी के इन रिटायर्ड सैनिकों को एक बार अतीत के आईने में अपना चेहरा देखना चाहिए। संस्कृति का मतलब सिर्फ़ यह दिखाना नहीं है कि कितने बच्चे पैदा किए, बल्कि यह भी कि उन्होंने उन्हें कैसी अच्छी शिक्षा,अब समय बदल गया है। यह दौर सिर्फ़ आँखें बंद करके 'पीढ़ी को आगे बढ़ाने' का नहीं है, बल्कि समझदारी, बराबरी और समझदारी के साथ आगे बढ़ने का है।

श्रीमद्भगवद्गीता श्रृंखला: अध्याय - 12 (भक्तियोग)

अध्याय 11 में अहंकार टूटा, अध्याय 12 में हृदय जुड़ा – भक्तियोग का अमृत सार.

अध्याय 11 में अर्जुन ने श्रीकृष्ण का ऐसा विराट विश्वरूप देखा कि उसकी आँखों के सामने संपूर्ण ब्रह्मांड छोटा लगने लगा। जिस कृष्ण को वह अपना सखा और सारथि मानता था, उन्हीं प्रभु में उसने सृजन, पालन और कालरूपी संहार–तीनों का साक्षात् दर्शन किया। विश्वरूप ने अर्जुन के अहंकार को पूरी तरह पिघला दिया। किन्तु उस असीम तेज और उग्र स्वरूप से स्तब्ध होकर अर्जुन ने प्रार्थना की: 'हे प्रभु! अपने इस रौद्र रूप को समेट कर पुनः अपना वही सौम्य, चतुर्भुज और स्नेहमय स्वरूप प्रकट कीजिए। '

अहंकार टूटने के बाद अब अर्जुन के हृदय से एक अत्यंत सहज प्रश्न जन्म लेता है:

'हे कृष्ण! यदि आप ही इस सृष्टि के परम सत्य हैं, तो आपको पाने का सबसे सरल और श्रेष्ठ मार्ग कौन-सा है? अदृश्य-निराकार ब्रह्म की उपासना करना या प्रेम से आपके साकार रूप की भक्ति करना? '

यहीं से प्रारंभ होता है गीता का सबसे संक्षिप्त, मधुर और हृदयस्पर्शी अध्याय भक्तियोग। जहाँ ज्ञान और कर्म का मार्ग तीक्ष्ण बुद्धि तथा कठोर पुरुषार्थ माँगता है, वहीं भक्ति का मार्ग सीधा हृदय और निश्छल समर्पण से जुड़ा है।

साकार या निराकार कौन-सा मार्ग श्रेष्ठ?

अर्जुन का यह प्रश्न केवल कुरुक्षेत्र तक सीमित नहीं है; यह हम सभी के मन का प्रश्न है: ईश्वर को पाने के लिए जंगल जाकर कठिन तप करना, केवल शास्त्रों का अध्ययन करना, पूजा-अर्चना करना या दैनिक जीवन में सत्कर्म करना?

भगवान श्रीकृष्ण अत्यंत सुंदर उत्तर देते हैं: 'निराकार, अदृश्य और अव्यक्त ब्रह्म की साधना भी अंततः मुझ तक ही पहुँचती है, किन्तु जब तक मनुष्य देहधारी है, तब तक रूप-आकार रहित परमतत्त्व में मन को स्थिर करना अत्यंत कठिन और कष्टकारी है। जो भक्त अपने मन और बुद्धि को मेरे सगुण-साकार स्वरूप में लगाकर, पूर्ण श्रद्धा के साथ मुझे समर्पित होकर कर्म करता है, वह मुझे सहजता से प्राप्त कर लेता है। '

जीवन का उदाहरण: जैसे बच्चे को भाषा सिखाते समय यदि सीधे व्याकरण के कठिन और अमूर्त नियम समझाएँ तो वह उलझ जाता है; परंतु 'क' कमल के चित्र के साथ सिखाने पर वह तुरंत सीख जाता है। साकार भक्ति परमात्मा के साथ स्नेह का जीवंत संबंध स्थापित करने का सहज माध्यम है।

'जहाँ बुद्धि और तर्क थक कर रुक जाते हैं, वहीं से हृदय की सच्ची भक्ति प्रारंभ होती है। '

भक्ति का अर्थ केवल पूजा नहीं – ईश्वर से एक संबंध

हम प्रायः मान लेते हैं कि भक्ति का अर्थ केवल मंदिर जाना, दीपक जलाना या माला जपना है। किन्तु गीता भक्ति को अत्यंत व्यापक और व्यावहारिक स्वरूप देती है:

ईश्वर को साक्षी मानकर अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना।

विपरीत परिस्थितियों में भी प्रभु पर अटूट विश्वास बनाए रखना।

सफलता मिलने पर अहंकार न करना और असफलता में ईश्वर को दोष न देना।

एक माँ अपने बच्चे से किसी स्वार्थ या हिसाब-किताब से प्रेम नहीं करती; सच्चा प्रेम कभी वजह नहीं ढूँढ़ता। यही निष्काम भाव भक्ति का वास्तविक सौंदर्य है।

यदि एक मार्ग न सधे, तो ईश्वर द्वारा दी गई 4 सीढ़ियाँ

श्रीकृष्ण जानते हैं कि प्रत्येक मनुष्य की क्षमता और मानसिक स्थिति एक जैसी नहीं होती। अतः वे कोई कठोर नियम थोपने के बजाय चार सरल विकल्प देते हैं:

1. मन और बुद्धि का पूर्ण समर्पण: यदि संभव हो तो अपने सभी विचार, भावनाएँ और संकल्प पूरी तरह मुझमें स्थिर कर दो।

2. अभ्यास योग (निरंतर प्रयास): यदि मन चंचल होकर बार-बार भटकता है, तो अभ्यास द्वारा उसे पुनः-पुनः ईश्वर की ओर मोड़ने का प्रयास करो।

3. ईश्वर के लिए कर्म (सेवा भाव): यदि ध्यान या साधना न हो सके, तो अपने दैनिक कर्तव्यों को ही प्रभु की सेवा मानकर करो। शिक्षक निष्ठा से पढ़ाए, किसान खेती करे, माँ परिवार की देखभाल करे या खिलाड़ी मैदान में खेले–हर कर्म ईश्वर को अर्पित कर दीजिए। काम वही रहता है, केवल दृष्टिकोण बदल जाता है।

4. कर्मफल का त्याग: यदि उपरोक्त कुछ भी संभव न हो, तो केवल परिणाम की आसक्ति और चिंता छोड़ दो। परिणाम को ईश्वर का प्रसाद मानकर स्वीकार करने की मानसिकता विकसित करो।

खेल का उदाहरण: मैदान पर उतरा खिलाड़ी जब स्कोरबोर्ड या पदक के दबाव के बिना अपनी प्रक्रिया और खेल पर 100' ध्यान देता है, तब उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्वयं बाहर आता है। परिणाम का बोझ छोड़कर परिश्रम को समर्पित होना ही सच्चा भक्तियोग है।

'भक्ति का अर्थ संसार छोड़कर जंगल भागना नहीं, बल्कि संसार में रहकर सब कुछ ईश्वर का मानकर जीना है। '

श्रीकृष्ण को कौन-सा भक्त सर्वाधिक प्रिय है?

अध्याय 12 का मूल सार यह है कि कृष्ण मंदिर में चढ़ने वाली मूल्यवान वस्तुओं की नहीं, बल्कि भक्त के आंतरिक गुणों की बात करते हैं:

अद्वेष्टा सर्वभूतानां: जो किसी भी जीव के प्रति वैर, ईर्ष्या या द्वेष नहीं रखता।

मैत्रः करुण एव च: जो सभी के प्रति मित्रता और करुणा का भाव रखता है।

निर्ममो निरहंकारः: जिसके भीतर से 'मेरा' और 'मैं' का अहंकार मिट चुका है।

समदुःखसुखः क्षमी: जो सुख और दुःख दोनों में संतुलित रहता है और क्षमाशील है।

हर्षामर्षभयोद्वेगैर्मुक्तो यः स च मे प्रियः: जो अतिशय हर्ष, क्रोध, भय या मानसिक उद्वेग से मुक्त है–वह भक्त मुझे अत्यंत प्रिय है।

समः शत्रौ च मित्रे च तथा मानापमानयोः: जो शत्रु और मित्र के प्रति, तथा मान और अपमान में एक समान भाव रखता है।

प्रेरक दृष्टांत: एक शिष्य ने कहा: 'मैं रोज भगवान का नाम लेता हूँ।' गुरु ने पूछा: 'जब कोई तुम्हारा अपमान करे, तुमसे आगे निकल जाए या तुम्हारी मनपसंद स्थिति न बने तब तुम्हारी मानसिक स्थिति क्या होती है?' शिष्य मौन रहा। गुरु ने मुस्कुराकर कहा: 'मंदिर में तुम ईश्वर को कितना याद करते हो, उससे कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण यह है कि मुश्किल में तुम ईश्वर के इन गुणों को कितना जीते हो; इसी से तुम्हारी सच्ची भक्ति मापी जाती है। '

'मंदिर जाकर ईश्वर से सुख माँगने से बेहतर है कि ईश्वर को पसंद आएँ वैसा सज्जन बनना ही सच्ची पूजा है। '

आज के जीवन में भक्तियोग का व्यावहारिक दर्शन

दौड़-धूप और प्रतिस्पर्धा से भरे आज के युग में भक्तियोग आंतरिक शांति का सर्वोत्तम स्रोत है:

सफलता मिले तो कहिए: 'यह मेरी मेहनत के साथ ईश्वर की कृपा है। '

असफलता मिले तो कहिए: 'इससे मुझे कोई नई सीख लेनी है। '

कोई आगे निकल जाए तो ईर्ष्या नहीं और कोई पीछे रह जाए तो उपहास नहीं।

सच्ची भक्ति ईश्वर के आगे माँगों की सूची रखना नहीं है, बल्कि परिस्थिति चाहे जैसी हो–उसका धैर्य से सामना करने और सही कर्म करने की शक्ति माँगना है। अध्याय 11 के विश्वरूप ने अहंकार तोड़ा, जबकि अध्याय 12 के भक्तियोग ने हृदय को ईश्वर से जोड़ा।

'जिस दिन प्रार्थना मात्र भगवान से कुछ माँगने का साधन न रहकर खुद को भीतर से बदलने का माध्यम बन जाए, उसी दिन से वास्तविक भक्ति प्रारंभ होती है। '

समापन

जीवन की अंतिम यात्रा में हमने कितने मंत्र बोले उसका हिसाब नहीं होगा; किन्तु हमने कितने दिलों में प्रेम, करुणा, विनम्रता और शांति बाँटी–वही हमारी साधना की असली पहचान बनेगी। ईश्वर अनंत और विराट हैं, किन्तु उन तक पहुँचने का मार्ग हमारे शुद्ध और समर्पित हृदय जितना ही सहज है।

क्रमशः... आगामी अध्याय 13 – क्षेत्र-क्षेत्रज्ञ विभाग योग में हम जानेंगे–

'यह शरीर वास्तव में किसका क्षेत्र है? शरीर, मन और आत्मा का परस्पर संबंध क्या है? 'मैं कौन हूँ?' और इस देह को जानने वाला 'क्षेत्रज्ञ' कौन है? '

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित) स्पोर्ट्स टीचर.

अशरण भावना : जब संसार का कोई सहारा नहीं, तब आत्मा ही अंतिम शरण

धन, परिवार, शरीर और प्रतिष्ठा जीवन के व्यवहार में उपयोगी हैं, लेकिन मुक्ति के मार्ग पर जीव को अंततः अपने ही शुद्ध आत्मस्वरूप का आश्रय लेना पड़ता है राष्ट्रीय गौरव जैन दर्शन एवं ज्योतिषज्ञ मनुष्य का पूरा जीवन किसी न किसी सहारे की तलाश में बीत जाता है। बचपन में माता-पिता का सहारा, युवावस्था में मित्र और परिवार, जीवन में धन-संपत्ति, पद-प्रतिष्ठा और सामर्थ्य को वह अपना आधार मानता है। लेकिन जैन दर्शन एक अत्यंत गहरा प्रश्न हमारे सामने रखता है–क्या इनमें से कोई भी शाश्वत शरण बन सकता है? यहीं से अशरण भावना का जन्म होता है। अशरण भावना निराशा या भय की भावना नहीं है। यह संसार से पलायन का संदेश भी नहीं देती। यह तो जीव को उसके वास्तविक स्वरूप का बोध कराने वाली आध्यात्मिक चेतना है। इसका मूल संदेश है कि संसार के सभी बाहरी आश्रय परिवर्तनशील हैं, जबकि आत्मा का शुद्ध स्वरूप ही वास्तविक और शाश्वत आश्रय है। जैन दर्शन में सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान और सम्यक?चारित्र को मोक्षमार्ग का आधार माना गया है। तप और धर्म आत्मशुद्धि की साधना को आगे बढ़ाते हैं। इसलिए कहा गया है– 'दर्शन ज्ञान चरित्र तप, दशधर्म आधार। संसारी निज शरण ले, त्यागे पर-व्यवहार॥ ' इसका आशय यह है कि जीव को अपने भीतर स्थित चेतना की ओर लौटना होगा। पराश्रय में रहकर आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप को भूलती जाती है। संसार में संबंध हैं, लेकिन शाश्वत शरण नहीं जैन दर्शन संसार के व्यवहार को नकारता नहीं है। माता-पिता, परिवार, समाज, गुरु और साधर्मी जीवन में महत्वपूर्ण हैं। किंतु निश्चय की दृष्टि से कोई भी परद्रव्य आत्मा का शाश्वत आश्रय नहीं हो सकता। धन संकट में सहायता कर सकता है, लेकिन मृत्यु को रोक नहीं सकता। परिवार जीवन में साथ दे सकता है, लेकिन कर्मों का फल स्वयं जीव को ही भोगना पड़ता है। शरीर जीवन की साधना का माध्यम है, लेकिन वह भी नश्वर है। 'नाहिं शरण संसार में, धन-जन तन परिवार। निज आत्मा ही शरण है, यही मुक्ति-द्वार॥ ' यह पंक्ति मनुष्य को भीतर तक झकझोर देती है। जिस संसार को हम स्थायी समझकर अपना जीवन समर्पित कर देते हैं, उसकी प्रत्येक वस्तु परिवर्तनशील है। मृत्यु के सामने मिट जाता है अहंकार इतिहास में अनेक राजा हुए, महान योद्धा हुए, अपार संपत्ति के स्वामी हुए और असाधारण सामर्थ्य रखने वाले लोग हुए। लेकिन मृत्यु के सामने किसी का वैभव स्थायी नहीं रहा। इन्द्रादिक देवों की शक्ति भी काल की मर्यादा से बाहर नहीं है। तीर्थंकर जैसे महापुरुषों ने भी शरीर का त्याग किया। अंतर केवल इतना है कि जिनवरों ने शरीर के नाश को आत्मा का नाश नहीं माना। उन्होंने आत्मस्वरूप को जाना और कर्मबंधन से मुक्त होकर सिद्धत्व को प्राप्त किया। इसलिए अशरण भावना हमें मृत्यु से डराती नहीं, बल्कि यह समझाती है कि नश्वर शरीर के पीछे भागने के बजाय अविनाशी आत्मतत्त्व को पहचानना चाहिए। भगवान जिनेंद्र ने किसी व्यक्ति को अपनी मुक्ति का भार अपने ऊपर लेने का आश्वासन नहीं दिया। उन्होंने मार्ग बताया, साधना बताई और आत्मा के शुद्ध स्वरूप का दर्शन कराया। गुरु मार्ग दिखा सकते हैं, शास्त्र ज्ञान दे सकते हैं और तीर्थंकर भगवान सत्य का प्रकाश कर सकते हैं, लेकिन आत्मकल्याण का पुरुषार्थ प्रत्येक जीव को स्वयं करना पड़ता है। यही कारण है कि जैन दर्शन में आत्म-पुरुषार्थ का विशेष महत्व है। जीव जब राग-द्वेष को रोकता है तो संवर की दिशा में बढ़ता है। कर्मों के क्षय की साधना निर्जरा का मार्ग प्रशस्त करती है। और जब कर्मबंधन पूर्णतः समाप्त हो जाता है, तब आत्मा अपने शुद्ध स्वरूप को प्राप्त करती है। शुभ से शुद्ध की ओर बढ़ना ही साधना अशरण भावना का एक अत्यंत सूक्ष्म पक्ष यह भी है कि साधक केवल अशुभ को छोड़कर शुभ में ही रुक न जाए। शुभ परिणाम आध्यात्मिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन जैन दर्शन का अंतिम लक्ष्य शुभ कर्मों का संचय मात्र नहीं, बल्कि कर्मबंधन से पूर्ण मुक्ति है। इसलिए साधना की यात्रा–अशुभ से शुभ, शुभ से शुद्ध और शुद्ध से सिद्धत्व की ओर बढ़ती है। आत्मा के भीतर अनंत ज्ञान, अनंत दर्शन, अनंत सुख और अनंत वीर्य की शक्ति विद्यमान है। कर्मों के आवरण ने इन गुणों को ढक रखा है, समाप्त नहीं किया। जैसे बादल सूर्य के प्रकाश को कुछ समय के लिए ढक सकता है, लेकिन सूर्य के अस्तित्व को समाप्त नहीं कर सकता, उसी प्रकार कर्म आत्मा के गुणों को आवृत कर सकते हैं, नष्ट नहीं। अशरण भावना का संदेश आज भी प्रासंगिक आज का मनुष्य भौतिक उपलब्धियों के बावजूद भीतर से असुरक्षित है। धन बढ़ रहा है, सुविधाएं बढ़ रही हैं, लेकिन मानसिक शांति और आत्मिक संतोष की खोज समाप्त नहीं हुई। ऐसे समय में अशरण भावना का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। यह कहती है–संसार का उपयोग करो, लेकिन संसार को अपना अंतिम आश्रय मत समझो। परिवार से प्रेम करो, लेकिन मोह में अपनी आत्मपहचान मत खोओ। धन कमाओ, लेकिन धन को जीवन का परम लक्ष्य मत बनाओ। अशरण भावना का सार यही है कि बाहरी सहारे बदलते रहते हैं, लेकिन आत्मा का शुद्ध स्वरूप ही वह तत्व है

राशिफल

(मंगलवार) 15 सितंबर 2026

राशि	फल	राशि	फल
मेष	आज काम में सफलता मिलेगी और रुके हुए कार्य पूरे होंगे	तुला	कारोबार में लाभ होगा, रिश्तों में मधुरता आएगी
वृषभ	धन लाभ के योग हैं, परिवार का सहयोग मिलेगा	वृश्चिक	महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे, धन संबंधी चिंता दूर होगी
मिथुन	नई जिम्मेदारी मिल सकती है, आत्मविश्वास बनाए रखें	धनु	भाग्य का साथ मिलेगा, यात्रा लाभदायक रह सकती है
कर्क	मन प्रसन्न रहेगा, नौकरी-व्यवसाय में लाभ होगा	मकर	कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी, परिवार में खुशी रहेगी
सिंह	मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, मान-सम्मान बढ़ेगा	कुंभ	नए अवसर मिलेंगे, आय बढ़ने के संकेत हैं
कन्या	आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, नई योजना सफल रहेगी	मीन	दिन शुभ रहेगा, मेहनत से मनचाहा परिणाम मिलेगा

फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण का बयान या सरकार की रोज़गार देने में नाकामी की खुली स्वीकारोक्ति

गांधीनगर/मुंबई देश की फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण के एक हालिया बयान ने पूरे देश में बड़ी बहस और गुस्सा पैदा कर दिया है। फाइनेंस मिनिस्टर ने कहा कि भारत के युवा अब सरकार या पुराने मौकों का इंतज़ार किए बिना खुद नए प्लेटफॉर्म और सेक्टर बना रहे हैं। भले ही उन्होंने यह बयान युवाओं की आत्मनिर्भरता की तारीफ़ करने के इरादे से दिया हो, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही दिखाती है। एनालिस्ट और आम जनता इस बयान को इसी नज़रिए से देख रहे हैं कि सरकार ने देश के करोड़ों युवाओं को उनके हाल पर छोड़ दिया है और अब अपनी नाकामियों का बोझ युवाओं के कंधों पर डाल रही है सवाल यह उठता है कि क्या देश के युवा अपनी मर्ज़ी से आत्मनिर्भर बन रहे हैं या सरकार से सारी उम्मीदें टूट जाने के बाद मजबूरी में अपना रास्ता ढूंढ रहे हैं? करोड़ों रुपये खर्च करने और डिग्री लेने के बाद भी जब युवाओं को सही नौकरी नहीं मिलती, सरकारी भर्ती के विज्ञापन सिर्फ़ कागज़ों पर ही रह जाते हैं, एग्जाम के पेपर बार-बार लीक होते हैं और रिज़ल्ट सालों-साल टलते रहते हैं, तो युवाओं के पास अपना रास्ता चुनने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचता। ऐसे में फाइनेंस मिनिस्टर का यह कहना कि 'युवाओं को सरकार पर भरोसा नहीं है' जले पर नमक छिड़कने जैसा है। अगर देश के हर युवा को अपना बिज़नेस, स्टार्टअप या प्लेटफ़ॉर्म खुद ही खड़ा करना है, तो सरकारी सेक्टर में लाखों वैकेंसी का क्या? देश के बजट में स्किल डेवलपमेंट और रोज़गार के नाम पर दिए गए अरबों रुपये कहाँ जाते हैं? सरकार सीधे-सीधे अपनी ज़िम्मेदारियों से हाथ खड़े कर रही है। एक तरफ़ महंगाई आसमान पर पहुँच गई है, खेती और इंडस्ट्रीज़ में अनिश्चितता है, ऐसे में युवाओं को 'खुद देख लो' जैसा मैसेज देना गवर्नेंस सिस्टम पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है। आज देश का पढ़ा-लिखा युवा डिप्रेशन और अनिश्चित भविष्य के जाल में फँसा हुआ है। फाइनेंस मिनिस्टर के इस बयान से यह साफ हो जाता है कि देश के करोड़ों बेरोजगार लोगों के लिए सरकार के पास कोई ठोस पॉलिसी या रोडमैप नहीं है। जब सरकार टैक्सपेयर्स के पैसे से चलती है, तो देश के युवाओं को एक सुरक्षित और स्टेबल भविष्य देना सरकार का पहला कर्तव्य है, न कि कोई एहसान। सरकार की इस खुली नाकामी और लापरवाह रवैये के खिलाफ अब देश के पाठकों और युवाओं में भारी गुस्सा है। युवा अब समझ गए हैं

इस मुद्दे पर जागरूक होने की ज़रूरत है! गुजरात में अब पुलिस भी 'पैसे पर' रखी जा सकती है

गांधी के गुजरात में कानून-व्यवस्था हर आम नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन असलियत यह है कि अब खाकी वर्दी वाले भी 'पैसे पर' किराए पर मिल रहे हैं! पैसा फेंको और पुलिस लाओ - इस पॉलिसी ने आज पूरे राज्य के कानूनी सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आम लोगों के टैक्स के पैसे से सैलरी पाने वाले पुलिस वाले जब एक तय रकम देने वाले अमीरों, बिल्डरों, सूदखोरों या टाइकून के पर्सनल बॉडीगार्ड या सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करने लगें, तो बड़ा सवाल यह उठता है कि यह सिक्योरिटी का धंधा किस दिशा में जा रहा है?

1. जनता का नौकर या अमीरों का 'प्राइवेट लिमिटेड'?

गुजरात के किसी भी कोने में जब कोई आम नागरिक या गरीब आदमी चोरी, डकैती या धमकी की शिकायत दर्ज कराने पुलिस स्टेशन जाता है, तो उसे स्टाफ की कमी या 'कल आना' जैसे जवाब मिलते हैं। लेकिन दूसरी तरफ, अमीर लोगों या जो लोग मोटी फीस दे सकते हैं, उन्हें पुलिस प्रोटेक्शन तुरंत मिल जाती है। हर साल पुलिस फोर्स में स्टाफ की कमी का रोना रोया जाता है, फिर भी स्टाफ को ऑन-पेमेंट प्रोटेक्शन पर अलॉट किया जाता है।

सिक्योरिटी पर गैर-बराबरी का हक: अमीरों के लिए सरकारी खाकी सिक्योरिटी, और आम लोग कुत्तों-बिल्लियों की तरह सड़कों पर घूमने को मजबूर? यह कैसा शासन है?

2. 'ऑन-पेमेंट' पॉलिसी के नुकसान और एडमिनिस्ट्रेटिव करप्शन

कानून के मुताबिक, कानूनी प्रोविजन के तहत एक रकम देकर पुलिस प्रोटेक्शन मिल सकती है, लेकिन इस पॉलिसी का इस्तेमाल अब एक बिजनेस बन गया है। सरकारी पुलिस का इस्तेमाल 'प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी' की तरह जमीन हड़पने के झगड़ों, पर्सनल दुश्मनी या अपने फायदे के लिए किया जा रहा है। क्या पब्लिक टैक्स पर बना पुलिस सिस्टम अब प्राइवेट कंपनियों की तरह प्रॉफिट कमा रहा है? अगर सिर्फ खाकी यूनिफॉर्म किराए पर मिलने लगे, तो सिक्योरिटी के मामले में भी आम आदमी और अमीरों के बीच का फर्क परमानेंट हो जाएगा। 3. 'पाको गुजरात' के फाइनेंशियल और मॉनेटरी

क्या सिक्योरिटी का अधिकार सिर्फ अमीरों का है? क्या एक गरीब नागरिक की जान बेकार है जो पेमेंट नहीं कर सकता?

सवाल 3: सरकारी वर्दी वालों को प्राइवेट बॉडीगार्ड के तौर पर इस्तेमाल करने के इस सिस्टम पर कब सख्त कंट्रोल लगेगा? बेची जाने वाली चीज़ नहीं है, यह हर नागरिक का फंडामेंटल राइट है। अगर सरकारी सिस्टम और, तो जनता का खाकी पर से भरोसा पूरी तरह उठ जाएगा।

स्टंटबाजों पर हमीरपुर पुलिस का अनोखा एक्शन; वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हमीरपुर। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि और लाइक्स बटोरने के चक्कर में जान जोखिम में डालकर खतरनाक स्टंट करने वाले युवकों को हमीरपुर पुलिस ने मौके पर ही अनोखे अंदाज में सबक सिखाया। मौदहा कोतवाली क्षेत्र के कम्हरिया बंधे पर कुछ युवक गहरे पानी में उतरकर खतरनाक तरीके से स्टंट कर रहे थे और इसका वीडियो बनाकर सामाजिक माध्यमों पर डालने की तैयारी में थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को बाहर निकालकर समझाइश दी। इसके बाद पुलिस ने उनसे मौके पर ही व्यायाम कराया। इस कार्रवाई का वीडियो अब तेजी से प्रसारित हो रहा है। बताया जा रहा है कि कम्हरिया बंधे पर कुछ युवक गहरे पानी में नहाने के साथ अलग-अलग तरह के खतरनाक करतब कर रहे थे। पानी की गहराई और तेज बहाव के बीच युवक बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के स्टंट कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस की नजर उन पर पड़ी। पुलिस ने युवकों को तुरंत पानी से बाहर बुलाया और उनकी हरकत पर नाराजगी जताई। पुलिस ने मौके पर ही कराई 'फ्रॉग जंप' पुलिस की कार्रवाई का सबसे ज्यादा चर्चा वाला हिस्सा युवकों को कराई गई 'फ्रॉग जंप' रही। पुलिसकर्मियों ने युवकों से केवल अंतःवस्त्र में मेंढक की तरह उछलते हुए आगे बढ़ने को कहा। इसके साथ ही उनसे उठक-बैठक भी कराई गई। पुलिस की इस कार्रवाई का किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया, जो अब सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोग पुलिस की कार्रवाई को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग युवकों को खतरनाक स्टंट से रोकने के पुलिस के प्रयास की सराहना कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग मौके पर दी गई इस तरह की सजा के तरीके पर सवाल भी उठा रहे हैं।

70 करोड़ से ज्यादा खपाने का अनुमान; 5 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर। सहारनपुर पुलिस ने नकली सिक्के बनाने और उन्हें बाजार में खपाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक गिरोह का सरगना उपकार लूथरा उर्फ अभय प्रताप सिंह वर्ष 2001 से इस धंधे में सक्रिय था।

प्रारंभिक अनुमान है कि गिरोह अब तक 70 करोड़ रुपये से अधिक के नकली सिक्के बाजार में खपा चुका है, हालांकि वास्तविक रकम जांच के बाद सामने आएगी। पुलिस के अनुसार आरोपी रोज करीब 12 हजार 20 रुपये मूल्य के नकली सिक्के तैयार करते थे। इसके लिए उन्होंने बाकायदा औद्योगिक स्तर का सेटअप बना रखा था। छापेमारी में छह मशीनें, 39 बिना मोहर की डाई, 20 मोहर लगी डाई, पॉलिश मशीन, ओवन और बड़ी संख्या में उपकरण बरामद हुए हैं। करीब पांच लाख रुपये कीमत के अधबने सिक्के भी मिले हैं। आरोप है कि नकली सिक्कों को छोटे व्यापारियों, शराब के ठेकों और टोल कर जैसी जगहों पर धीरे-धीरे खपाया जाता था, ताकि बड़े स्तर पर शक न हो। सहारनपुर में नया ठिकाना तैयार करने के दौरान पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया। उनके पास से 20 रुपये के 6,400 नकली सिक्के, 10 हजार रुपये के असली नोट, आठ मोबाइल फोन और दो कारें बरामद हुईं। पुलिस को सात हिसाब-किताब रजिस्टर भी मिले हैं। अब इन रजिस्टरों और मोबाइल फोन की जांच से गिरोह के संपर्कों और नकली सिक्कों की आपूर्ति के रास्ते का पता लगाया जा रहा है। जांच में आठ सदस्यों वाले गिरोह की जानकारी सामने आई है, जिनमें पांच गिरफ्तार हो चुके हैं और अन्य की तलाश जारी है। एसएसपी अभिनंदन के मुताबिक मास्टरमाइंड पहले दिल्ली पुलिस की गिरफ्त में भी आ चुका है और एक समय उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और अवैध संपत्तियों की भी जांच कर रही है। मामले में गैंगस्टर अधिनियम के तहत कार्रवाई की तैयारी है। पुलिस के मुताबिक नकली सिक्के देखने में काफी हद तक असली जैसे हैं। फिलहाल किसी बैंक के नकदी केंद्र से गिरोह का संबंध सामने नहीं आया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि 24 साल में गिरोह ने कितने राज्यों में अपना नेटवर्क फैलाया और कितनी रकम बाजार में खपाई।

एएमयू में मेस के खाने को लेकर छात्राओं का प्रदर्शन, थाली-चम्मच लेकर पहुंचीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के अब्दुल्लाह हॉल में मेस के खराब खाने और साफ-सफाई की समस्या को लेकर छात्राओं ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। छात्राएं हाथों में थाली और चम्मच लेकर परिसर में पहुंचीं और मेस की व्यवस्था के खिलाफ नारेबाजी की। छात्राओं का आरोप है कि खाने में कई बार कीड़े निकल चुके हैं और शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर विश्वविद्यालय की प्रॉक्टर टीम मौके पर पहुंची और छात्राओं को समझाने का प्रयास किया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हो गई और धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें छात्राओं और प्रॉक्टर टीम के बीच कहासुनी होती दिखाई दे रही है। छात्राओं का कहना है कि अब्दुल्लाह हॉल के मेस में लंबे समय से खाने की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर परेशानी है। उनका आरोप है कि भोजन के अलावा छात्रावास की अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें भी की गईं, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। छात्राओं ने कहा कि वे अब इन समस्याओं को लेकर चुप नहीं बैठेंगी। छात्राओं ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और मेस की व्यवस्था में सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि उन्हें साफ-सुथरा और गुणवत्तापूर्ण भोजन मिलना चाहिए। प्रदर्शन के बीच छात्राओं ने यह भी दावा किया कि तनाव के कारण एएमयू गर्ल्स स्कूल की परीक्षा प्रभावित हुई और कुछ छात्राएं परीक्षा केंद्र तक नहीं पहुंच सकीं। अब छात्राओं की शिकायतों पर विश्वविद्यालय प्रशासन की अगली कार्रवाई पर नजर है।

गटर राजनीति में उलझी काशी, सीवर में बोरी मिलने पर सपा का बीजेपी पर पलटवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सीवर की सफाई के दौरान बालू से भरी बोरियां और अन्य मलबा मिलने का मामला अब राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है। नगर निगम की ओर से सीवर लाइनों को कथित तौर पर जानबूझकर जाम करने की आशंका जताए जाने और भाजपा नेताओं द्वारा समाजवादी पार्टी पर साजिश के आरोप लगाए जाने के बाद सपा ने पलटवार किया है। सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने भाजपा पर सवालों से बचने और अपनी जिम्मेदारी से ध्यान हटाने का आरोप लगाया है। फखरुल हसन चांद ने कहा कि जब भी भाजपा सरकार से कोई सवाल पूछा जाता है, तो सवाल का जवाब देने के बजाय सवाल पूछने वालों को ही कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लंबे समय से वाराणसी में जलभराव, सीवर व्यवस्था और गंदगी को लेकर आवाज उठाती रही है। अब इन समस्याओं का समाधान करने के बजाय विपक्ष पर ही आरोप लगाए जा रहे हैं। सपा प्रवक्ता ने 'नाच न आवे, आंगन टेढ़ा' कहावत का जिक्र करते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार की स्थिति भी कुछ ऐसी ही दिखाई दे रही है। उनका कहना है कि विपक्ष अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाते हुए जनता की समस्याओं को उठाता है, लेकिन सरकार अपनी व्यवस्था की कमियों पर जवाब देने के बजाय विपक्ष की भूमिका पर सवाल खड़े कर रही है। चांद ने आरोप लगाया कि यह भाजपा की पुरानी राजनीतिक शैली बन चुकी है। उन्होंने कहा कि यदि कोई पत्रकार स्कूलों की जर्जर स्थिति दिखाता है या किसी शहर की अव्यवस्था पर सवाल उठाता है, तो समस्या पर जवाब देने के बजाय पत्रकार और सवाल उठाने वाले ही निशाने पर आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता से जुड़े मुद्दे उठाती रहेगी और आगामी चुनाव में जनता इसका जवाब देगी। क्या है सीवर में बोरी मिलने का मामला दरअसल, पिछले दिनों वाराणसी के शिवाला, नगवा, सरायनंदन समेत कई इलाकों में सीवर लाइनों की सफाई के दौरान अधिकारियों को सामान्य गाद और कचरे के बजाय बालू से भरी बोरियां, लकड़ी का बुरादा, पत्थर, प्लाईवुड और प्लास्टिक जैसी सामग्री मिली। शिवाला इलाके की एक सीवर लाइन से करीब 12 बोरी बालू बरामद होने की बात सामने आई है। नगर निगम का कहना है कि सीवर लाइन में रुकावट के कारण आसपास की गलियों में गंदा पानी ओवरफ्लो होने लगा था और जलभराव की स्थिति पैदा हुई। मामले को गंभीर मानते हुए नगर निगम ने अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए पुलिस को तहरीर दी है। अब जांच के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि सीवर में बालू की बोरियां और अन्य मलबा कैसे पहुंचा, इसके पीछे किसी व्यक्ति या समूह की भूमिका थी या नहीं और वास्तव में इसका उद्देश्य सीवर को जानबूझकर जाम करना था या नहीं।

भोपाल के 10 नामी होटलों में ताबड़तोड़ छापे 8 में सड़ी सब्जियां और कीड़े लगी दाल मिली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। त्योहारों के मौसम से पहले भोपाल में खाद्य सुरक्षा विभाग ने शहर के नामी होटलों और रेस्टोरेंट में औचक जांच अभियान चलाकर कई गंभीर खामियां पकड़ी हैं। दो दिनों तक चले विशेष अभियान में शहर के 10 प्रमुख होटल, रेस्टोरेंट और अन्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इनमें से 8 जगहों पर खाद्य सामग्री के रखरखाव और स्वच्छता से जुड़ी गंभीर लापरवाही सामने आई। कहीं दाल में कीड़े मिले तो कहीं सड़ी हुई सब्जियां और एक्सपायरी मछली-चिकन रखा हुआ मिला। अधिकारियों के अनुसार, एक प्रतिष्ठित होटल के रसोईघर में मूंग दाल और राजमा में कीड़े लगे मिले। खराब खाद्य सामग्री को अधिकारियों ने मौके पर ही नष्ट कराया। इसी होटल के मांसाहारी खाद्य पदार्थ रखने वाले फ्रीजर की सफाई भी ठीक नहीं मिली। भंडारण क्षेत्र में कीड़े-मकोड़ों की मौजूदगी के संकेत मिले। यहां खाद्य लाइसेंस भी प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित नहीं था और कूड़ेदान खुले हुए पाए गए। एक अन्य बड़े होटल की जांच के दौरान फ्रीजर में एक्सपायरी अवधि पार कर चुकी मछली और चिकन रखा मिला। अधिकारियों ने इस खाद्य सामग्री को भी जब्त कर नष्ट कराया। जांच टीम ने होटल प्रबंधन को खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण और

स्वच्छता व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। सड़ी सब्जियों से लेकर गलत लेबल वाले खाद्य पदार्थ तक मिले जांच के दौरान एक अन्य प्रमुख होटल के गहरे फ्रीजर में सड़े और गले हुए बैंगन तथा पालक जैसी सब्जियां मिलीं। ठंडे भंडारण में रखी अन्य खाद्य सामग्री के रखरखाव में भी लापरवाही सामने आई। अधिकारियों को चार पैकेट शहद वाली ब्रेड गलत लेबल के साथ मिले, जिन्हें गलत तरीके से तैयार या प्रदर्शित किए जाने की जांच की गई। खाद्य सुरक्षा विभाग की यह कार्रवाई केवल नियमित जांच तक सीमित नहीं रही। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर मिली शिकायतों के आधार पर भी अधिकारियों ने कार्रवाई की। कुछ प्रतिष्ठानों से मटन और पनीर के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैं। इनमें एक शिकायत मांस की गुणवत्ता और इस्तेमाल किए जा रहे मांस की पहचान से संबंधित थी। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एक होटल में कीट नियंत्रण से जुड़ा प्रमाण पत्र भी नहीं मिला। अधिकारियों ने साफ किया कि होटल और रेस्टोरेंट में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के साथ-साथ रसोईघर की स्वच्छता, भंडारण, लाइसेंस और कीट नियंत्रण जैसी व्यवस्थाओं का पालन भी जरूरी है। दो प्रतिष्ठानों में व्यवस्था मिली संतोषजनक हालांकि, जांच के दौरान सभी जगहों पर स्थिति खराब नहीं मिली। खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार 10 प्रतिष्ठानों में से दो जगहों पर खाद्य सामग्री के भंडारण, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाएं संतोषजनक तथा नियमों के अनुरूप पाई गईं। त्योहारों को देखते हुए अभियान रहेगा जारी खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने को देखते हुए जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा। अधिकारियों का कहना है कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले होटल, रेस्टोरेंट या खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद अब शहर के बड़े और नामी होटलों की रसोई और खाद्य भंडारण व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं। विभाग की आगे की जांच और प्रयोगशाला रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट होगा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर कितनी सख्त कार्रवाई की जाती है।

रीवा में मुर्दाघर के बयान पर सियासी घमासान, भाजपा सांसद का अभय मिश्रा पर पलटवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। संजय गांधी स्मृति अस्पताल की मोर्चरी को लेकर कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा के विवादित बयान के बाद रीवा में सियासी घमासान तेज हो गया है। विधायक ने पोस्टमार्टम के दौरान महिला शवों के साथ गंभीर दुर्व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया था। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अस्पताल प्रबंधन ने भी आरोपों को निराधार बताते हुए विधायक से सबूत पेश करने की मांग की है। अब रीवा से भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा ने अभय मिश्रा पर तीखा पलटवार किया है। सांसद ने विधायक की मानसिकता पर सवाल उठाते हुए उन्हें यौन विकृतियों से पीड़ित तक बता दिया। उन्होंने कहा कि बिना किसी ठोस प्रमाण के इस तरह के गंभीर आरोप लगाना अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों की छवि खराब करने वाला है। सांसद ने विधायक के पुराने दिनों को लेकर भी कई व्यक्तिगत आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि अभय मिश्रा ने अपने शुरुआती दौर में वाहनों की स्टेपनी चोरी और बैंक में पॉकेटमारी जैसी घटनाओं से अपना कारोबार शुरू किया था। सांसद ने यह भी दावा किया कि कभी पुलिस थाने में अपराधियों की तस्वीरों के साथ अभय मिश्रा की तस्वीर भी लगी रहती थी। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और इन्हें सांसद के दावे के रूप में ही देखा जा रहा है। दरअसल, रीवा के संजय गांधी अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान अभय मिश्रा ने मोर्चरी और पोस्टमार्टम व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए थे। उनका बयान सामने आने के बाद मामला तेजी से राजनीतिक विवाद में बदल गया। अस्पताल प्रबंधन ने आरोपों को मनगढ़ंत बताया और कहा कि मोर्चरी परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। प्रबंधन ने विधायक से आरोपों के समर्थन में प्रमाण मांगे हैं। इस विवाद के बीच भाजपा सांसद और कांग्रेस विधायक के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। अब मामला केवल अस्पताल की व्यवस्थाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दोनों नेताओं की ओर से एक-

दूसरे पर व्यक्तिगत आरोप भी लगाए जा रहे हैं। फिलहाल विधायक के गंभीर आरोपों की कोई स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है और पूरे विवाद में आगे की जांच तथा दोनों पक्षों की प्रतिक्रिया पर नजर बनी हुई है।

सागर शराब कांड और कुपोषण पर गरमाई सियासत, नीमच में कांग्रेस ने दस सिर वाला पुतला फूंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नीमच। सागर जिले में जहरीली शराब से हुई मौतों और प्रदेश में कुपोषण से बच्चों की मौत के मुद्दे पर मध्य प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। इन मामलों को लेकर नीमच में जिला कांग्रेस कमेटी ने सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय से भारत माता चौराहे तक पैदल मार्च निकाला और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सरकार के प्रतीकात्मक रूप में दस सिर वाला पुतला फूंका गया। प्रदर्शन में जिला कांग्रेस के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, युवा कांग्रेस और महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यकर्ता हाथों में सरकार विरोधी नारे लिखी तख्तियां और बैनर लेकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए भारत माता चौराहे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सरकार की नीतियों, कानून-व्यवस्था

और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सवाल उठाए। पुलिस से हुई धक्का-मुक्की भारत माता चौराहे पर पहले से तैनात पुलिस बल ने प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया। पुतला दहन को लेकर पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच कुछ देर तक धक्का-मुक्की और झूमाझटकी की स्थिति बनी। इसके बावजूद कार्यकर्ता पीछे नहीं हटे और भारी सुरक्षा के बीच सरकार का प्रतीकात्मक पुतला जला दिया। प्रदर्शन के चलते चौराहे पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि सागर में जहरीली शराब से लोगों की जान जाने के बावजूद अवैध शराब के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। नेताओं ने प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में कुपोषण से बच्चों की मौत के मामलों को भी गंभीर बताते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए। इस्तीफे की मांग कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार को इन घटनाओं की नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने जहरीली शराब के मामले में जिम्मेदार लोगों और लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। साथ ही कुपोषण से जुड़े मामलों में भी सरकार से जवाबदेही तय करने को कहा। प्रदर्शन के अंत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग दोहराई। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन मुद्दों पर ठोस कार्रवाई नहीं की तो पार्टी आगे भी प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन करेगी।

सीहोर में मंच पर मंत्री करणसिंह वर्मा और कलेक्टर बालागुरु के बीच मजेदार संवाद जनता के काम में नहीं होनी चाहिए हीला-हवाली

बंदूक का लाइसेंस चाहिए था साहब... मंत्री की बात पर कलेक्टर बोले- नहीं होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीहोर। सीहोर जिले के इछावर तहसील के बालोड़िया गांव में आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा और कलेक्टर बालागुरु के बीच हुआ हल्का-फुल्का संवाद चर्चा में आ गया। मंच पर मंत्री ने मजाकिया अंदाज में कलेक्टर से कहा कि उन्हें बंदूक का लाइसेंस चाहिए था। इस पर कलेक्टर बालागुरु ने तुरंत जवाब दिया- 'नहीं होगा।' मंत्री और कलेक्टर के इस संवाद पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच हंसी का माहौल बन गया। इसके बाद मंत्री करणसिंह वर्मा ने इसी बात को आगे बढ़ाते हुए अधिकारियों को जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि किसी पद की कोई गारंटी नहीं होती। आज कोई कलेक्टर है तो जरूरी नहीं कि कल भी उसी पद पर रहे और आज जो मंत्री है, वह भी हमेशा मंत्री नहीं रहेगा। इसलिए जब तक जिम्मेदारी मिली है, तब तक जनता के हित में पूरी ईमानदारी और बिना किसी हिचकिचाहट के काम करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि अधिकारी जनता के कामों को लेकर अनावश्यक देरी या परेशानी न करें। आम लोगों की समस्याओं का समाधान समय पर होना चाहिए और प्रशासन को लोगों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। कलेक्टर की स्थानीय भाषा पर भी चुटकी कार्यक्रम के दौरान मंत्री करणसिंह वर्मा ने कलेक्टर बालागुरु की स्थानीय भाषा को लेकर भी मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जब कलेक्टर यहां आए थे, तब उन्हें स्थानीय भाषा समझने में परेशानी होती थी, लेकिन अब उन्होंने काफी हद तक स्थानीय भाषा सीख ली है और बेहतर तरीके से काम कर रहे हैं। मंत्री की इस टिप्पणी पर कलेक्टर बालागुरु भी मुस्कुराते नजर आए। मंच पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच भी माहौल हल्का-फुल्का हो गया। मजाक के बीच प्रशासन को स्पष्ट संदेश मंत्री और कलेक्टर के बीच हुई यह बातचीत भले ही मजाकिया अंदाज में शुरू हुई, लेकिन करणसिंह वर्मा ने इसके जरिए प्रशासनिक अधिकारियों को जनता के कामों को लेकर गंभीर रहने का संदेश दिया। उनका कहना था कि अधिकारी जिस पद पर हैं, वह स्थायी नहीं है, इसलिए पद पर रहते हुए जनता के हित में बेहतर काम करना ही सबसे महत्वपूर्ण है। सीहोर जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार बालागुरु के.

वर्तमान में सीहोर के कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी हैं। कार्यक्रम में मंत्री की बंदूक के लाइसेंस वाली मजाकिया मांग और कलेक्टर के सीधे जवाब 'नहीं होगा' ने खूब चर्चा बटोरी, लेकिन बातचीत का सबसे अहम संदेश यही रहा कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि जनता से जुड़े कामों को प्राथमिकता दें और अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाएं।

दिल्ली में जिम ट्रेनर की गोली मारकर हत्या, बाइक सवार बदमाशों ने बरसाईं 12 गोलियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके के आया नगर गांव में सोमवार सुबह एक जिम ट्रेनर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक बाइक सवार दो अज्ञात हमलावरों ने जिम ट्रेनर पर करीब 12 राउंड फायरिंग की। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है। अचानक हुई ताबड़तोड़ फायरिंग से आसपास मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। हमलावर गोलीबारी करने के बाद मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सुरक्षित कर जांच शुरू की। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जांच के जरिए हमलावरों की पहचान करने और उनके आने-जाने के रास्ते का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। आपसी रंजिश का शक शुरुआती जांच में पुलिस को हत्या के पीछे आपसी रंजिश की आशंका है। हालांकि अभी हत्या की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस मृतक के परिचितों, हाल के विवादों और अन्य संभावित कारणों की जानकारी जुटा रही है। दोनों हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। इस घटना को लेकर अलग-अलग रिपोर्टों में फायरिंग के राउंड की संख्या 12 से 15 के बीच बताई गई है। पुलिस की ओर से 12 गोलियां चलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। हत्या की वजह और हमलावरों की पहचान जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

BRICS ड्यूटी के दौरान हथियारों संग रील वायरल, दिल्ली पुलिस कांस्टेबल दीपक निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल दीपक को हथियारों के साथ रील बनाना भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद दिल्ली पुलिस ने कांस्टेबल को तत्काल निलंबित कर दिया है। मामले में विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। बताया गया है कि कांस्टेबल दीपक की तैनाती ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में की गई थी। वायरल वीडियो में वह हथियारों के साथ निशानेबाज जैसी मुद्रा में नजर आ रहा है। वीडियो में ब्रिक्स से जुड़ा पहचान पत्र भी दिखाई दे रहा था। रिपोर्टों के अनुसार वीडियो सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील क्षेत्र में बनाया गया था, जिसके कारण मामला और गंभीर हो गया। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर सवाल उठने लगे कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जैसे बेहद संवेदनशील आयोजन के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी सुरक्षा से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो किस तरह सार्वजनिक कर सकता है। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान दिल्ली में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे और बड़ी संख्या में पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी। मामला अधिकारियों के संज्ञान में आते ही पुलिस विभाग ने कार्रवाई की। कांस्टेबल को निलंबित करने के साथ ही यह पता लगाने के लिए विभागीय जांच शुरू की गई है कि वीडियो कब और किन परिस्थितियों में बनाया गया तथा उसे सोशल मीडिया पर किस उद्देश्य से साझा किया गया। दिल्ली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। जांच पूरी होने के बाद कांस्टेबल के खिलाफ आगे की विभागीय कार्रवाई तय की जाएगी। घटना ने एक बार फिर संवेदनशील सुरक्षा ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों के सोशल मीडिया इस्तेमाल और सुरक्षा संबंधी जानकारी सार्वजनिक करने को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

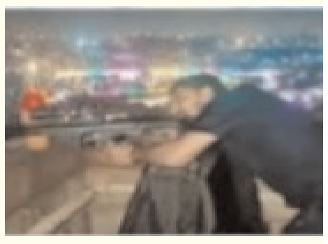

शी जिनपिंग के विरोध में भारत मंडपम के पास प्रदर्शन की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के विरोध में भारत मंडपम के पास प्रदर्शन की कोशिश कर रहे 25 से ज्यादा तिब्बती प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारी वीवीआईपी आवाजाही वाले मार्ग के पास पहुंचकर विरोध दर्ज कराने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें रास्ते में ही रोक लिया। बाद में सभी को अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर आवश्यक पूछताछ की गई और कुछ समय बाद छोड़ दिया गया। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान तिब्बत समर्थक संगठनों की ओर से विरोध प्रदर्शन की यह लगातार दूसरी कोशिश बताई जा रही है। इससे पहले शुक्रवार सुबह भी तिब्बत समर्थक कार्यकर्ताओं ने प्रगति मैदान के पास विरोध प्रदर्शन किया था। कुछ प्रदर्शनकारियों ने वहां खंभों पर चढ़कर तिब्बती झंडा फहराया और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के खिलाफ नारेबाजी की थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था। शनिवार रात दोबारा प्रदर्शन की कोशिश सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां और सतर्क हो गईं। भारत मंडपम, प्रगति मैदान, भैरों मार्ग और वीवीआईपी आवाजाही वाले रास्तों पर पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई। ब्रिक्स सम्मेलन के चलते दिल्ली में पहले से ही बड़ी संख्या में पुलिस, अर्धसैनिक बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तैनात थीं। मजनू का टीला में भी बढ़ी निगरानी तिब्बती समुदाय की बड़ी आबादी वाले मजनू का टीला इलाके में भी सुरक्षा और निगरानी बढ़ाई गई। अधिकारियों को आशंका थी कि सम्मेलन के दौरान तिब्बत समर्थक संगठन अलग-अलग स्थानों पर विरोध प्रदर्शन की कोशिश कर सकते हैं। इससे पहले मजनू का टीला में भी तिब्बती समुदाय के लोगों ने शी जिनपिंग की भारत यात्रा के विरोध में प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों ने तिब्बत से जुड़े मुद्दों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाने की मांग की थी। तिब्बत समर्थक संगठनों का कहना है कि ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान शी जिनपिंग की मौजूदगी का इस्तेमाल तिब्बत के मुद्दे की ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने के लिए किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने चीन की नीतियों का विरोध करते हुए तिब्बत से जुड़े राजनीतिक और मानवाधिकार संबंधी मुद्दे उठाए हैं। वीवीआईपी मार्गों पर कड़ी सुरक्षा शी जिनपिंग समेत कई देशों के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने भारत मंडपम और उससे जुड़े वीवीआईपी मार्गों पर सुरक्षा का विशेष घेरा बनाया था। सम्मेलन के दौरान करीब 25 हजार सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी।

जामिया गर्ल्स हॉस्टल में खाने को लेकर धरना खत्म, छात्राओं की बड़ी मांगें मानी गईं; अब महिला कर्मचारी ही परोसेंगी खाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के जम्मू-कश्मीर गर्ल्स हॉस्टल में खाने की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर चल रहा छात्राओं का धरना आखिरकार खत्म हो गया। छात्राएं मेस के खाने में कीड़ा मिलने, खराब गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर कई दिनों से विरोध कर रही थीं। प्रशासन के साथ बातचीत के बाद उनकी प्रमुख मांगों पर सहमति बनी, जिसके बाद शनिवार देर रात छात्राओं ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। छात्राओं की मांग थी कि मौजूदा मेस संचालक का ठेका तत्काल खत्म किया जाए और भोजन की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार मेस संचालक का ठेका समाप्त करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है और अंतरिम व्यवस्था के तहत दूसरे स्रोत से भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन ने छात्राओं की एक अहम मांग भी स्वीकार कर ली है कि गर्ल्स हॉस्टल के भोजन कक्ष में खाना केवल महिला कर्मचारी ही परोसेंगी। भोजन की गुणवत्ता पर निगरानी के लिए छात्र मेस समिति, प्रोवोस्ट और वार्डन नियमित रूप से जांच करेंगे। हॉस्टल में साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था बेहतर रखने के लिए विशेष समिति गठित करने की बात भी सामने आई है। छात्राओं ने पहले आरोप लगाया था कि उन्हें कई बार खराब भोजन, कीड़े और अन्य संदिग्ध चीजें

मिलने की शिकायत करनी पड़ी, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुछ आरोपों पर सवाल उठाते हुए विरोध को लेकर अपनी अलग स्थिति भी रखी थी। बॉयज हॉस्टल के छात्रों ने भी दिया समर्थन इसी बीच शनिवार रात जामिया स्कूल के बॉयज हॉस्टल के कुछ छात्र भी कुलपति कार्यालय के पास धरने पर बैठ गए। छात्रों ने आरोप लगाया कि उनके मेस के खाने में छिपकली मिली है। हालांकि, प्रशासन की ओर से इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं की गई। छात्रों को लिखित आश्वासन दिया गया कि उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी और मेस की व्यवस्था में भी बदलाव किया जाएगा। तीन दौर में हुई बातचीत गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच कई दौर की बातचीत के बाद सहमति बनी। मांगें माने जाने के बाद छात्राओं ने धरना समाप्त कर दिया।

कल्याण के होटल में कथित अनधिकृत पार्टी पर छापा, 65 महिला-पुरुष हिरासत में; 7 आयोजकों पर मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कल्याण। ठाणे पुलिस ने कल्याण के केडी रेजिडेंसी होटल में कथित तौर पर बिना जरूरी अनुमति चल रही पार्टी पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान करीब 65 महिला-पुरुषों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार होटल में तेज संगीत, शराब के सेवन और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। मामले में कथित रूप से बिना अनुमति कार्यक्रम आयोजित करने के आरोप में सात आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि केडी रेजिडेंसी होटल में आवश्यक कानूनी मंजूरी लिए बिना पार्टी आयोजित की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने होटल में छापा मारा। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में महिला और पुरुष वहां मौजूद मिले। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर उनकी पहचान और अन्य जरूरी जानकारी की जांच शुरू कर दी। नशीले पदार्थों के इस्तेमाल की भी जांच पुलिस अब यह

भी जांच कर रही है कि पार्टी में किसी नशीले पदार्थ का इस्तेमाल किया गया था या वहां किसी प्रकार के नशीले पदार्थ की आपूर्ति की गई थी। तलाशी के दौरान पुलिस को क्या-क्या मिला, इसकी विस्तृत जानकारी जांच पूरी होने के बाद सामने आने की उम्मीद है। फिलहाल पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों की चिकित्सकीय जांच और पहचान सत्यापन की प्रक्रिया कर रही है। पुलिस के अनुसार हिरासत में लिए गए लोगों में कुछ ऐसे लोग भी शामिल हैं, जिनकी सामाजिक और पेशेवर पृष्ठभूमि हाई-प्रोफाइल बताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी किसी व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना भी है कि पार्टी में शामिल लोगों की भूमिका क्या थी और आयोजकों ने कार्यक्रम के लिए आवश्यक अनुमति क्यों नहीं ली। कुछ लोग मौके से भागे पुलिस की कार्रवाई के दौरान होटल में अफरातफरी का माहौल बन गया। बताया गया कि कुछ लोग मौके से भागने में सफल रहे। अब उनकी पहचान के लिए होटल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पार्टी का आयोजन किसने किया था और होटल प्रबंधन की इसमें क्या भूमिका थी। होटल प्रबंधन से भी पूछताछ पुलिस ने मामले में सात आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही होटल प्रबंधन से पूछताछ की जा रही है कि कार्यक्रम के लिए बुकिंग किस नाम से हुई थी और क्या आयोजकों के पास पार्टी तथा शराब से संबंधित जरूरी अनुमति थी। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल हिरासत में लिए गए लोगों की जांच और पूछताछ जारी है। पुलिस का कहना है कि नशीले पदार्थों के इस्तेमाल या आपूर्ति से जुड़े तथ्य सामने आने पर उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में जांच पूरी होने के बाद ही पार्टी के आयोजन और इसमें शामिल लोगों की वास्तविक भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

एमपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में उतरे अभिजीत दिपके

महानगर मेट्रो ब्यूरो

संभाजीनगर। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक और अनियमितताओं को लेकर चल रहे अभ्यर्थियों के आंदोलन को अब कॉकरोच जनता पार्टी ने समर्थन देने का ऐलान किया है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा है कि वह और पार्टी के सदस्य इस लड़ाई में एमपीएससी अभ्यर्थियों के साथ खड़े रहेंगे। सीजेपी ने एमपीएससी के अध्यक्ष और सचिव के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन को आगे बढ़ाने की घोषणा की है। सीजेपी की ओर से यह घोषणा उस समय की गई, जब एमपीएससी के कुछ अभ्यर्थियों ने छत्रपति संभाजीनगर के वालुज इलाके में अभिजीत दिपके से उनके आवास पर मुलाकात की। अभ्यर्थियों ने परीक्षा प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों, प्रश्नपत्र लीक और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी से जुड़ी अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं। इसके बाद दिपके ने आंदोलन को समर्थन देने का ऐलान किया। 24 सितंबर तक का अल्टीमेटम सीजेपी ने कहा है कि एमपीएससी के अध्यक्ष और सचिव के इस्तीफे की मांग को 24 सितंबर तक पूरा किया जाना चाहिए। पार्टी के मुताबिक, यदि तय समय सीमा तक मांग नहीं मानी गई तो अभिजीत दिपके और सीजेपी के सदस्य पूरे महाराष्ट्र का दौरा करेंगे और अलग-अलग स्थानों पर एमपीएससी अभ्यर्थियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेंगे। इसके जरिए आंदोलन को राज्य के दूसरे हिस्सों तक पहुंचाने की तैयारी है। 'इस्तीफा होने तक साथ खड़े रहेंगे' अभ्यर्थियों से मुलाकात के बाद अभिजीत दिपके ने वीडियो संदेश में कहा कि सीजेपी और वह व्यक्तिगत रूप से एमपीएससी अभ्यर्थियों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि शीर्ष एमपीएससी अधिकारियों के इस्तीफे तक वह अभ्यर्थियों के साथ खड़े रहेंगे। दिपके के इस बयान के बाद आंदोलन को राजनीतिक समर्थन मिलने की चर्चा भी तेज हो गई है। पारदर्शिता की मांग को लेकर आंदोलन एमपीएससी अभ्यर्थी राज्य के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और कथित प्रश्नपत्र लीक तथा अन्य अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। इसी मुद्दे को लेकर अभ्यर्थियों ने एमपीएससी के शीर्ष अधिकारियों के इस्तीफे की मांग भी उठाई है। अभिजीत दिपके इससे पहले भी प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर अभ्यर्थियों के समर्थन में सामने आ चुके हैं। हाल ही में

एमपीएससी की तैयारी कर रहे प्रथमेश देशमुख की मौत के बाद भी उन्होंने परीक्षा व्यवस्था, आर्थिक दबाव और विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर चिंता जताई थी। अब एमपीएससी की कथित अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे आंदोलन में सीजेपी के शामिल होने से यह मुद्दा और व्यापक होने की संभावना है।

मुंबई के चेंबूर में 20 से अधिक बिल्लियों का हत्यारा अरेस्ट, पुलिस को बताई हत्या की वजह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। चेंबूर के पंजरापोल इलाके में 20 से अधिक बिल्लियों की कथित हत्या और उनके क्षत-विक्षत शव मिलने के मामले में आरसीएफ पुलिस ने 40 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। रायगढ़ जिले का रहने वाला आरोपी की पहचान शिवा केशव जोशी के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में उसने कथित तौर पर 6 बिल्लियों को मारने की बात स्वीकार की है। हालांकि, इलाके में मिले अन्य 14 बिल्लियों के शवों के पीछे भी पुलिस ने शिवा के हाथ होने की आशंका जताई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, वह इलाके में बिल्लियों के गंदगी फैलाने से नाराज था और इसी वजह से उन्हें मार दिया करता था। पुलिस उसके मकसद और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। पंजरापोल इलाके में बिल्लियों की संदिग्ध मौत का सिलसिला कुछ समय से जारी था। स्थानीय पशु प्रेमी रुबीना पठान ने कई बिल्लियों के शव देखे थे। पिछले सप्ताह एक ही रात में 6

बिल्लियों के क्षत-विक्षत शव मिलने के बाद मामला गंभीर हो गया। इसके बाद उन्होंने आरसीएफ पुलिस से शिकायत की। पशु अधिकार संगठन पेटा इंडिया ने भी मामले में हस्तक्षेप किया और आरोपी की जानकारी देने वाले को 50 हजार रुपये तक का इनाम घोषित किया था। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर से मिला सुराग: पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर इलाके के सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर से मिले अन्य सुरागों की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को संदिग्ध आरोपी के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने सोने वाली जगह पर शौच कर गंदगी करने के कारण गुस्से में आकर बिल्लियों को मारने की बात कही। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी ने कितनी बिल्लियों को मारा, क्योंकि इलाके में दो दर्जन बिल्लियों के शवों के मिलने की बात पशु प्रेमी रुबीना पठान ने कही है। क्या सभी घटनाओं में शिवा की संलिप्तता है। मामले में पशु क्रूरता से जुड़े प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई और पुलिस की जांच जारी है। बता दें कि NBT ने सबसे पहले इस खबर को प्रकाशित किया था। पशु प्रेमी रुबीना पठान का कहना है कि सीरियल कैट किलर के पृष्ठभूमि की जांच की जाए तो आरोपी के खिलाफ और भी छोटे छोटे जानवरों के मारे जाने की घटनाएं सामने आ सकती हैं। पुलिस भी रायगढ़ जिले में आरोपी के मूल गांव जाकर इसके पृष्ठभूमि का पता लगाने की बात कही है।

अमित शाह से अचानक मिले एकनाथ शिंदे, आधे घंटे चली बंद कमरे में बातचीत; फिर एक ही गाड़ी से पहुंचे एशियाटिक सोसायटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार सुबह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुंबई के सह्याद्रि अतिथि गृह में मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब 30 मिनट तक बातचीत हुई। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन जारी है और आंदोलनकारी नेता मनोज जरांगे ने 19 सितंबर से मुंबई में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया है। ऐसे में शिंदे और शाह की मुलाकात को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। सुबह नाश्ते के समय हुई मुलाकात जानकारी के मुताबिक एकनाथ शिंदे सुबह नाश्ते के समय अमित शाह से मिलने सह्याद्रि अतिथि गृह पहुंचे। शिंदे के सहयोगी के अनुसार दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई। बैठक के बाद दोनों नेता एक ही गाड़ी में सवार होकर एशियाटिक सोसायटी के लिए रवाना हुए। रास्ते में भी दोनों के बीच बातचीत जारी रही। बैठक में क्या हुई बात? हालांकि, दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत का पूरा विवरण आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आया है। राजनीतिक हलकों में इसे महाराष्ट्र की मौजूदा स्थिति और महायुति सरकार के बीच समन्वय से जोड़कर देखा जा रहा है। सबसे

ज्यादा चर्चा मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर हो रही है। मनोज जरांगे के मुंबई में प्रस्तावित आंदोलन और 19 सितंबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के ऐलान के बीच यह मुलाकात हुई है। हालांकि, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि बैठक में मराठा आरक्षण या जरांगे आंदोलन पर कोई ठोस निर्णय हुआ है। उपलब्ध आधिकारिक जानकारी में बातचीत के विषयों का विस्तृत खुलासा नहीं किया गया है। इसलिए इस मुलाकात को लेकर सामने आ रही राजनीतिक अटकलों को फिलहाल संभावनाओं के तौर पर ही देखा जा रहा है। अमित शाह का मुंबई दौरा क्यों खास? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने संक्षिप्त मुंबई दौरे पर पहुंचे थे। उन्हें एशियाटिक सोसायटी के एक कार्यक्रम में शामिल होना था। इसी कार्यक्रम के लिए एकनाथ शिंदे भी उनके साथ एशियाटिक सोसायटी पहुंचे। वहां शाह ने संस्था की दुर्लभ ग्रंथ संपदा, ऐतिहासिक अभिलेखों और सिक्कों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी 'श्री गणेश ज्ञानार्थी' का अवलोकन किया। महाराष्ट्र की राजनीति में बढ़ी हलचल एकनाथ शिंदे की अमित शाह से अचानक हुई मुलाकात और उसके बाद दोनों नेताओं का एक ही गाड़ी में एशियाटिक सोसायटी पहुंचना महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। महायुति सरकार में शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना भाजपा की प्रमुख सहयोगी है। ऐसे में दोनों नेताओं की बंद कमरे में हुई बातचीत को आगामी राजनीतिक घटनाक्रम और राज्य में चल रहे मराठा आरक्षण आंदोलन के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फिलहाल बैठक में क्या तय हुआ, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन 30 मिनट की बातचीत और उसके बाद साथ यात्रा करने की तस्वीरों ने महाराष्ट्र की सियासत में चर्चाओं को जरूर तेज कर दिया है।

कैंसर से आंखों की दवा तक, ल्यूपिन का बड़ा दांव!

बायोसिमिलर कारोबार के लिए 700 करोड़ रुपए निवेश करेगी कंपनी

नई दिल्ली ।

फार्मा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी ल्यूपिन बायोसिमिलर खंड में अपनी स्थिति मजबूत करने और वैश्विक बाजारों में अपना विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य अगले पांच साल के भीतर बायोसिमिलर उत्पादों से लगभग 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4,150 करोड़ रुपए) का कुल कारोबार हासिल करना है। यह जानकारी कंपनी के कार्यकारी निदेशक ने दी। ल्यूपिन ने अमेरिका में कैंसर की दवा पेगफिल्ग्रास्टिम का बायोसिमिलर दिसंबर 2025 तक लॉन्च करने के लिए यूएसएफडीए से पहली मंजूरी प्राप्त कर ली है। आंखों की दवा रैनिबिजुमैब को भी अमेरिका, यूरोप और जापान जैसे प्रमुख बाजारों में पेश किया जाएगा। स्वामीनाथन ने बताया कि ल्यूपिन भारत में कैंसर की दवाओं निवोलुमैब, डिनुजुमैब और पर्टुजुमैब के बायोसिमिलर लाने की योजना बना रही है। कंपनी पहले से ही यूरोप और जापान में साझेदारी के माध्यम से ऑटोइम्यून संबंधी बीमारी की दवा एटैनरसेप्ट के बायोसिमिलर जैसे उत्पाद बेच रही है। इस विस्तार के लिए, ल्यूपिन ने अब तक बायोसिमिलर उत्पादन क्षमता में लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश किया है और इसे बढ़ाकर लगभग 700 करोड़ रुपये करने की योजना है।

केईसी इंटरनेशनल को 1303 करोड़ के नए वैश्विक ठेके मिले

टीएंडडी कारोबार को भारत, पश्चिम एशिया और अमेरिका में मिलीं महत्वपूर्ण परियोजनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। आरपीजी समूह की अग्रणी कंपनी केईसी इंटरनेशनल ने सोमवार को विभिन्न कारोबारों में 1,303 करोड़ रुपये के नए ठेके हासिल करने की घोषणा की। ये ठेके पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) और केबल व कंडक्टर क्षेत्रों में कंपनी की वैश्विक उपस्थिति को और सुदृढ़ करते हैं। कंपनी के बयान के अनुसार टीएंडडी कारोबार को भारत में एक निजी जलविद्युत संयंत्र की बिजली निकासी के लिए 400 किलोवाट की पारेषण लाइन, सऊदी अरब में 380 किलोवाट की पारेषण लाइन तथा अमेरिका में टावर, हार्डवेयर एवं पोल की आपूर्ति के ठेके मिले हैं। वहीं, केबल एवं कंडक्टर कारोबार ने भी घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई अनुबंध प्राप्त किए हैं।

केईसी इंटरनेशनल के एक अ धिकारी ने कहा कि ये ठेके पश्चिम एशिया में कंपनी की मौजूदगी को मजबूत करते हैं और टीएंडडी कारोबार की संभावनाएं प्रबल बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि इन नवीनतम ठेकों से चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल ऑर्डर 7,600 करोड़ रुपये से अधिक हो गए हैं, जो कंपनी की लक्षित वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। आरपीजी समूह की प्रमुख इकाई केईसी इंटरनेशनल, वैश्विक स्तर पर 110 से अधिक देशों में बुनियादी ढांचा क्षेत्र की इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) सेवाओं में अग्रणी है।

छोटे शहरों पर सिट्रोन की नजर

5 साल में बिक्री का 75 फीसदी यहीं से लाने का लक्ष्य

नई दिल ली (ईएमएस)। सिट्रोन भारत में अपनी बिक्री का बड़ा हिस्सा अब छोटे और मझोले शहरों से लाने की तैयारी में है। अगले पांच साल में कंपनी की कुल बिक्री का तीन-चौथाई इन शहरों से आने का अनुमान है, जो अभी 55 प्रतिशत है। स्टेलंटिस इंडिया के एक अ धिकारी ने बताया कि बाजार का रुझान इन्हीं शहरों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत में कार खरीदने वाले ग्राहकों की बड़ी संख्या अब छोटे और मझोले शहरों की ओर बढ़ रही है, जिसके मद्देनजर सिट्रोन अपनी रणनीति बदल रही है। स्टेलंटिस के दूसरे ब्रांड जीप का फोकस मेट्रो शहरों पर बना रहेगा। सिट्रोन देश भर में एक जैसा डीलरशिप मॉडल अपनाने की बजाय, हर बाजार की क्षमता के अनुसार खुदरा नेटवर्क तैयार करेगी। कंपनी का लक्ष्य सिर्फ आउटलेट की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि ग्राहकों तक अपनी पहुंच 60 फीसदी से बढ़ाकर 75 फीसदी तक ले जाना है। इसके लिए छोटे शहरों में एक-कार शोरूम और छोटी सर्विस सुविधाओं जैसे लचीले मॉडल अपनाए जाएंगे, जिन्हें मांग के अनुसार बढ़ाया जा सकेगा।

यह विस्तार ऐसे समय हो रहा है जब चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में सिट्रोन की बिक्री में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष की उच्च वृद्धि (60 फीसदी से कम) से कम होगी, जिसका कारण पिछले साल सितंबर में वाहनों पर जीएसटी कटौती के बाद बनी उच्च आधार प्रभाव है। हजेला ने कहा कि सिट्रोन की बिक्री वाहन अपग्रेड के कारण अच्छी रही है, जबकि स्टेलंटिस का दूसरा ब्रांड जीप उतना बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

गणेश चतुर्थी पर शेयर बाजार बंद, कमोडिटी में शाम से कारोबार

धार्मिक पर्व के चलते इक्विटी और डेरिवेटिव्स मार्केट में पूरे दिन छुट्टी रहेगी

मुंबई ।

देशभर में 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी का पावन पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस धार्मिक महत्व के दिन के चलते भारतीय शेयर बाजार सोमवार को पूरे दिन बंद रहेंगे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स सहित सभी सेगमेंट में कारोबार नहीं होगा, जिससे निवेशकों को मंगलवार तक इंतजार करना होगा। शेयर बाजार में गणेश चतुर्थी के कारण ट्रेडिंग पूरी तरह से बंद रहेगी, जिसका अर्थ है कि निवेशक इक्विटी शेयरों की खरीद या बिक्री नहीं कर पाएंगे। उन्हें अगले कारोबारी दिन यानी मंगलवार, 15 सितंबर का इंतजार करना होगा। यह छुट्टी शेयर बाजार के हॉलिडे कैलेंडर में शामिल है। हालांकि, कमोडिटी मार्केट (एमसीएक्स) में नियम थोड़े अलग हैं। यहां सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कारोबार बंद रहेगा, लेकिन शाम के सेशन में ट्रेडिंग फिर से शुरू हो जाएगी, जो सामान्य तौर पर रात 11=30 बजे तक चलेगी। यह छुट्टी ऐसे समय में आई है जब शेयर बाजार पिछले हफ्ते लगातार पांचवें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ था। कच्चे तेल की कीमतें, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और अमेरिकी महंगाई जैसी चिंताओं ने निवेशकों का मूड खराब किया। पिछले हफ्ते सेंसेक्स 2.27 फीसदी और निफ्टी 2.09 फीसदी गिरा था। मंगलवार को बाजार खुलने पर निवेशकों की नजर वैश्विक संकेतों, कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी महंगाई से जुड़े अपडेट्स पर रहेगी। इस वर्ष की अन्य प्रमुख शेयर बाजार छुट्टियों में 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) और 10 नवंबर (दिवाली-बलिप्रतिपदा) भी शामिल हैं।

एनपीपीए का फैसला- 20 महत्वपूर्ण दवाओं की बिक्री पर लगेगी रोक

- मांग में कमी और कच्चे माल की किल्लत का हवाला देकर कंपनियों ने मांगी अनुमति

नई दिल्ली ।

नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 20 शेड्यूल्ड दवाओं की बिक्री बंद करने की अर्जी को मंजूरी दे दी है। फार्मा कंपनियों ने मांग में भारी कमी और कच्चे माल की किल्लत का हवाला देते हुए यह अनुमति मांगी थी, जिसके बाद कैंसर, अल्जाइमर, हाई ब्लड प्रेशर सहित कई गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की उपलब्धता प्रभावित होगी। एनपीपीए के इस फैसले से अल्जाइमर की सिप्ला निर्मित डोनेपेज़िल (5 एमजी और 10 एमजी) और हाई ब्लड प्रेशर व हृदय रोगों में एमक्योर फार्मा की रैमिप्रिल (2.5 एमजी और 5 एमजी) जैसी महत्वपूर्ण दवाएं बाजार से हट जाएंगी। बंद की जा रही 20 दवाओं की इस सूची में कैंसर के इलाज में काम आने वाली कार्बोप्लाटिन (दो पोटेंसी), टेमोज़ोलोमाइड और ज़ोलेड्रोनिक एसिड भी शामिल हैं। इसके अलावा, दर्द निवारक ट्रामाडोल, यूरिनरी इन्फेक्शन की नाइट्रोफ्यूरेंटोइन और बांझपन से संबंधित क्लोमीफीन जैसी दवाएं भी अब उपलब्ध नहीं होंगी। इस सूची में सबसे अधिक दवाएं एमक्योर और सिप्ला की हैं, जिनमें सिप्ला की 4 तथा एमएसडी फार्मा की 2 दवाएं शामिल हैं। यह निर्णय मरीजों के लिए बड़ी चुनौती खड़ा कर सकता है।

मारुति सुजुकी ने भारत से जापान को किया 1 लाख वाहनों का निर्यात

जिम्नी, फ्रॉन्क्स और ई-विटारा ने जापान के जटिल बाजार में बनाया मुकाम

मुंबई । मारुति सुजुकी इंडिया ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जहां उसने भारत में निर्मित पांच-दरवाजे वाली जिम्नी, फ्रॉन्क्स और आगामी ई-विटारा का जापान को कुल निर्यात एक लाख इकाई के पार पहुंचा दिया है। दुनिया के सबसे उन्नत और प्रतिस्पर्धी वाहन बाजारों में से एक जापान में यह सफलता भारत की बढ़ती विनिर्माण क्षमता को दर्शाती है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने घोषणा की है कि अगस्त 2024 में फ्रॉन्क्स, दिसंबर 2024 में पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और सितंबर 2025 में कंपनी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा का निर्यात जापान को शुरू किया गया था। यह मील का पत्थर सुजुकी के लिए भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में भूमिका को मजबूत करता है, खासकर क्योंकि पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और ई-विटारा का विनिर्माण विशेष रूप से भारत में ही किया जाता है। कंपनी के एक अ धिकारी ने कहा कि जापान को एक लाख से अधिक वाहनों का यह निर्यात भारत की विनिर्माण उत्कृष्टता की सशक्त पुष्टि है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जापान दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण बाजारों में से एक है। भारत में बने वाहनों को मिल रही व्यापक स्वीकार्यता के चलते, वित्त वर्ष 2025-26 में जापान मारुति सुजुकी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में भी जापान ने यह स्थान बरकरार रखा है। इन मॉडलों की सफलता ने पिछले वित्त वर्ष में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन को जापान में सबसे बड़ा वाहन आयातक बनने में भी मदद की, जहां उसके कुल आयात में मारुति सुजुकी द्वारा निर्मित वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 100 प्रतिशत रही। यह भारत-जापान साझेदारी की उल्लेखनीय प्रगति का भी प्रतीक है।

आईपीओ का बंपर हफ्ता, शेयर बाजार में उतरेंगी 11 नई कंपनियां

16 से 21 सितंबर के बीच मेनबोर्ड पर एनएसई, हीरो मोटर्स सहित 5 कंपनियां पेश करेंगी आईपीओ

मुंबई

शेयर बाजार इस हफ्ते निवेशकों के लिए आईपीओ की बंपर पेशकश है। 16 से 21 सितंबर के बीच कुल 11 कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं, जिनमें 5 मुख्य बोर्ड पर और 6 एसएमई सेगमेंट में शामिल हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 22,561 करोड़ रुपये का मेगा आईपीओ इस हफ्ते का सबसे बड़ा आकर्षण होगा। एनएसई के अलावा, हीरो मोटर्स, जिंदल सुप्रीम, एसएस रिटेल और सोना सेलेक्शन इंडिया भी मेनबोर्ड पर उतरेंगी। खास बात यह है कि सभी आईपीओ में रिटेल निवेशकों के लिए एक लॉट खरीदने की रकम लगभग 14,000 से 15,000 रुपये के बीच रखी गई है, जिससे छोटे निवेशक भी आसानी से बोली लगा सकेंगे। एनएसई का आईपीओ 17 से 21 सितंबर तक खुला रहेगा, जिसका प्राइस बैंड 1,700 से 1,785 रुपये प्रति शेयर है।

यह इश्यू पूरी तरह ऑफर फॉर सेल है, यानी मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। अन्य मेनबोर्ड आईपीओ में हीरो मोटर्स 16 से 18 सितंबर तक खुलेगा और करीब 1,000 करोड़ रुपये जुटाएगा। जिंदल सुप्रीम (16-18 सितंबर), एसएस रिटेल (16-18 सितंबर) और सोना सेलेक्शन इंडिया (17-21 सितंबर) के इश्यू भी इसी हफ्ते निवेशकों के लिए उपलब्ध होंगे। सोना सेलेक्शन इंडिया का इश्यू 142 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू है। मेनबोर्ड के अलावा, ए क्विजम गैस, खे रिया सहित 6 एसएमई कंपनियां भी अपना अपना लेकर आ रही हैं, जो बाजार में और हलचल बढ़ाएंगी। हालांकि, विशेषज्ञों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे किसी भी आईपीओ में पैसा लगाने से पहले कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन और संभावित जोखिमों का गहन अध्ययन करें।

सोने की वैश्विक दौड़ में भारत, डेक्कन गोल्ड ने किर्गिस्तान में शुरू किया उत्पादन

कम घरेलू उत्पादन के बीच विदेशी माइनिंग में भारत का बढ़ता कदम

नई दिल्ली ।

भारत दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन अपनी 90 फीसदी से अधिक जरूरतें आयात से पूरी करता है। इस रणनीतिक चुनौती के बीच, बेंगलुरु स्थित डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान में अपने अल्टिन टोर गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक उत्पादन चरण तक पहुंचाकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा किर्गिस्तान में सोने का उत्पादन शुरू करने का पहला उदाहरण है। डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने किर्गिस्तान के नारिन क्षेत्र में स्थित अल्टिन टोर प्रोजेक्ट से अपना पहला गोल्ड डोरे (कच्चा सोना) अगस्त में तैयार किया था।

यह क्षेत्र मिनरल से समृद्ध सोल्टन सारी और टिएन शान शियर जोन का हिस्सा है, जिसे सोने के विशाल भंडारों के लिए जाना जाता है।

किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति सादिर एन. जापारोव ने हाल ही में एक ऑनलाइन समारोह के माध्यम से इस प्रोजेक्ट में स्थापित गोल्ड प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया। कंपनी, जिसकी स्थानीय सहायक कंपनी एवेलम पार्टनर एलएलसी अल्टिन टोर का संचालन करती है, अब बड़े पैमाने पर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। डेक्कन गोल्ड के एक अ धिकारी ने इस उपलब्धि को कंपनी और भारतीय माइनिंग इंडस्ट्री के लिए एक अहम मोड़ बताया।

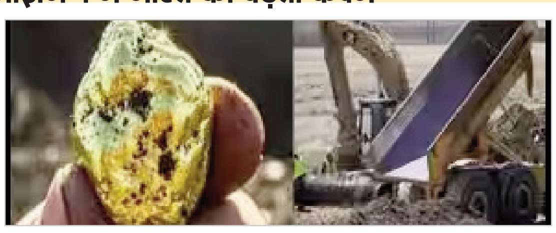

कच्चे तेल में बड़ा उछाल, भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर के पार, डब्ल्यूटीआई 102 डॉलर के पार

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया गया है। ब्रेंट क्रूड 3 फीसदी से अधिक उछलकर 107.66 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का भाव भी 2.75 फीसदी बढ़कर 102.78 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इस वैश्विक बढ़ोतरी ने जहां दुनियाभर में चिंता बढ़ा दी है, वहीं भारत के लिए अच्छी खबर यह है कि घरेलू बाजार में आज भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित रही हैं। भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, ऐसे में वैश्विक कीमतों में तेजी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। हालांकि, मौजूदा उछाल के बावजूद, तेल कंपनियों ने सोमवार को भारतीय शहरों में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। देश के प्रमुख महानगरों और शहरों में आज भी ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 101.89 रुपये और डीजल 95.36 रुपये प्रति लीटर है।

एआई क्रांति- अपरिवर्तनीय बदलाव और सुरक्षा चुनौतियां

टीमलीज सीईओ ने एआई को बताया जलवायु परिवर्तन जैसा बदलाव

नई दिल्ली ।

टीमलीज एडटेक के सीईओ शांतनु रूज ने कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित बदलाव को अपरिवर्तनीय बताया है, जिसकी तुलना उन्होंने जलवायु परिवर्तन से की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बदलते परिदृश्य में केवल एआई कौशल ही सफलता की गारंटी नहीं देगा, बल्कि डोमेन विशेषज्ञता और एआई के प्रभावी उपयोग की क्षमता महत्वपूर्ण होगी। इस बीच, एआई के विनियमन, लागत और सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी दुनियाभर में उभर रही हैं। शांतनु रूज ने कहा कि एआई की मौजूदा प्रक्रिया अब अपरिवर्तनीय है। उन्होंने इस बदलाव को हल्की-फुल्की बारिश नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन जैसा गहरा प्रभाव बताया है, जिससे दुनिया कभी एआई-पूर्व दौर में वापस नहीं लौटेगी। रूज के अनुसार, भविष्य में केवल एआई कौशल होने से व्यक्तियों को बढ़त नहीं मिलेगी। इसके बजाय, क्षेत्र विशेष की जानकारी, बाजार एवं ग्राहकों की समझ रखने वाले और एआई का उपयोग कर कारोबारी फायदे बढ़ाने वाले पेशेवरों को अधिक तरजीह मिलेगी। उन्होंने कहा कि नियमन और उपयोग की लागत अंततः तय करेगी कि एआई कितनी तेजी और गहराई से कारोबार तथा रोजमर्रा की जिंदगी में अपनी पैठ बनाएगा। हालांकि, एआई की तीव्र प्रगति ने सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी पैदा की हैं। एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने एआई की प्रगति को धीमा करने और सुरक्षा उपायों को पुख्ता करने के लिए स्वतंत्र मूल्यांकन, प्रमुख एआई कंपनियों के बीच समन्वय तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया है। वहीं, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन ने एआई से मानव जाति के विलुप्त होने के 10 प्रतिशत जोखिम वाले परिदृश्य को अस्वीकार्य माना है। एआई एजेंटों के नियंत्रण से बाहर होने, बाहरी प्रणालियों को हैक करने और सुरक्षा शोधकर्ताओं के नौकरी छोड़ने जैसे मामले वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा रहे हैं।

ब्रिक्स अनाज एक्सचेंज, यूरोपीय-अमेरिकी दबदबे को चुनौती देने की तैयारी

विशेषज्ञ बोले - विकासशील देशों के लिए बड़ा कदम, पर राह में होंगी चुनौतियां

नई दिल्ली ।

ब्रिक्स देशों ने वैश्विक अनाज व्यापार में यूरोप और अमेरिका की बड़ी कंपनियों के दशकों पुराने वर्चस्व को तोड़ने के लिए एक अनाज एक्सचेंज बनाने के प्रस्ताव को फिर से मंजूरी दी है। यह कदम विकासशील देशों के लिए एक गेम चेंजर साबित हो सकता है, हालांकि इसके संचालन और क्रियान्वयन में कई गंभीर चुनौतियां आने की संभावना है। ब्रिक्स समूह द्वारा प्रस्तावित यह अनाज एक्सचेंज, जिसका विचार पहली बार 2023 में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में रखा गया था, को रूस जैसे दुनिया के सबसे बड़े अनाज उत्पादक देशों का मजबूत समर्थन प्राप्त है। हाल ही में नई दिल्ली घोषणापत्र में न केवल इस प्रस्ताव को दोहराया गया, बल्कि भविष्य में इसमें अन्य कृषि उत्पादों और जिंसों को भी शामिल करने की बात कही गई है। ब्रिक्स देशों का दुनिया के कुल अनाज उत्पादन में लगभग 44 फीसदी और कुल खपत में 25 फीसदी से अधिक हिस्सा है। वहीं, विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक अनाज व्यापार का 70 से 90 प्रतिशत हिस्सा चुनिंदा यूरोपीय और अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनियों के नियंत्रण में है। इनमें से लगभग आधी कंपनियों के कार्यालय तो केवल यूरोप के एक ही शहर में हैं, जो बाजार पर उनके एकाधिकार को दर्शाता है। काउंसिल फॉर सोशल डेवलपमेंट के एक अ धिकारी ने इस पहल को समझदारी भरा कदम बताया है। उनके अनुसार, यह विकासशील देशों को कमोडिटी ट्रेड की उन पुरानी शर्तों से उबरने में मदद करेगा, जहाँ बाजार पर नियंत्रण न होने से नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह विचार अभी शुरुआती चरण में है और इसे लेकर और स्पष्टता की आवश्यकता होगी, लेकिन यह ग्लोबल साउथ के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ब्रिक्स को भोजन उपलब्ध कराने में एक प्रमुख भूमिका निभाने का अवसर देगा। उन्होंने जोर दिया कि यह एक्सचेंज यूरोप और अमेरिका-आधारित फर्मों के वर्चस्व को चुनौती देगा और वैश्विक बाजार में मूल्य निर्धारण में विकासशील देशों की भागीदारी बढ़ाएगा।

सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में आई तेजी

नई दिल्ली ।

भारतीय वाहन बाजार में अब सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेजी आ रही है। ऐसे वाहन ग्राहकों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। अगस्त 2026 के ऑटोमोबाइल डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक वैकल्पिक ईंधन से चलने वाली कारों की कुल हिस्सेदारी 41.95 प्रतिशत रही, जबकि पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी घटकर 40.85 प्रतिशत रह गई।

खास बात यह है कि एक साल पहले पेट्रोल की हिस्सेदारी वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों से करीब 11 प्रतिशत अंक अधिक थी। इस बदलाव को भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अगस्त में सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 25.28 प्रतिशत रही। इसके बाद हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी 9.04 प्रतिशत और इलेक्ट्रिक वाहनों की 7.63 प्रतिशत रही। डीजल वाहनों की हिस्सेदारी करीब 17 प्रतिशत रही। हालांकि पेट्रोल वाहन अभी भी अकेले सबसे बड़ी श्रेणी बने हुए हैं, लेकिन सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का संयुक्त प्रदर्शन पहली बार उनसे आगे निकलता दिखाई दिया है। हुंडई दिसंबर 2027 तक अपनी पहली छोटी इलेक्ट्रिक कार पेश करने की तैयारी में है, जिसकी कीमत 10 लाख रुपये से कम रहने की संभावना जताई जा रही है। वहीं मारुति सुजुकी की छोटी इलेक्ट्रिक कार अगले वित्त वर्ष के अंत तक आने की उम्मीद है। इससे मध्यम वर्ग के ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के विकल्प बढ़ेंगे। फाडा अध्यक्ष साई गिरिधर ने अगस्त के प्रदर्शन को मजबूत बताते हुए कहा कि इस महीने देश में 24,23,201 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत अधिक है। हालांकि जुलाई की तुलना में बिक्री 6.48 प्रतिशत कम रही। उनके अनुसार मानसून और त्योहारी कैलेंडर का भी असर पड़ा।

गणेश चतुर्थी और ओणम से जुड़ी खरीद का कुछ हिस्सा सितंबर में स्थानांतरित हुआ है। अगस्त में दोपहिया वाहनों की बिक्री 19.69 प्रतिशत, यात्री वाहनों की 16.14 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों की 14.45 प्रतिशत बढ़ी, जबकि तिपहिया वाहनों में 8.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। डीलरों के मुताबिक इस बदलाव के पीछे ईंधन की लागत और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताएं अहम कारण हो सकती हैं।

थोक मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर 9.92 फीसदी हुई

विनिर्मित वस्तुओं और बिजली की कीमतों में भी आया उछाल, वैश्विक आपूर्ति बाधाओं का असर

नई दिल्ली। देश में महंगाई का दबाव अगस्त माह में और बढ़ गया है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जुलाई के 9.78 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 9.92 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो लगातार बढ़ रही कीमतों का संकेत है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं तथा ईंधन एवं बिजली की ऊंची कीमतों ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों से पता चला कि खाद्य सूचकांक में मुद्रास्फीति 6.65 प्रतिशत से बढ़कर 7.05 प्रतिशत हो गई। इसी तरह विनिर्मित वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति 8.29 प्रतिशत से बढ़कर 8.37 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। ईंधन और बिजली क्षेत्र में थोक मुद्रास्फीति 22.93 प्रतिशत पर स्थिर रही, जो उपभोक्ताओं पर बढ़ते बोझ को दर्शाती है। मंत्रालय ने खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों वाले), खाद्य वस्तुएं, बुनियादी धातुओं और रासायनिक उत्पादों सहित विभिन्न समूहों में कीमतों में वृद्धि को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही थोक मुद्रास्फीति में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित अवरोधों के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और उर्वरक की लागत में वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर भारत में आयातित वस्तुओं और खाद्य कीमतों पर पड़ रहा है। इन बढ़ते थोक मूल्य दबावों के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले महीने नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। समिति ने अल नीनो के कारण कमजोर मानसून और 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान पांच प्रतिशत बनाए रखने का हवाला दिया था, जो समग्र आर्थिक माहौल में अनिश्चितता को दर्शाता है।

शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।

बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्चे से बचने में मदद करेगा।

कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्सट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखे। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गईं ज्यादातर चीजें ऐसी होती है जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

ऑनलाइन देखें ऑप्शन्स

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्च करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।

शॉपिंग पार्टनर भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाए।

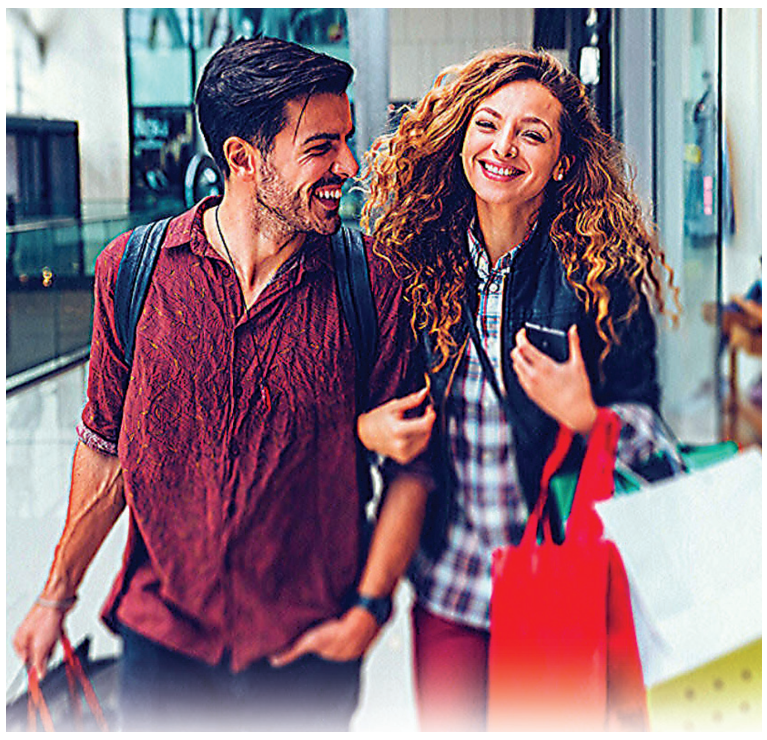

जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वॉलिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूंघकर देखें

मार्केट में पैक्ड मशरूम, कॉर्न्स, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगी।

बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स

क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ें लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं। फैब्रिक का रखें ध्यानसबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कंफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ स्किन के अगेंस्ट कंफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

वाइट- कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलैक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में चियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती है क्योंकि यह क्वॉलिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।

बुमराह का एक और बड़ा कारनामा

भुवनेश्वर-चहल के 'खास क्लब' में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। मैच की दूसरी ही गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने गुरबाज को आउट करने के साथ ही टी20 क्रिकेट में खास मुकाम हासिल कर लिया है। बुमराह ने मैच के पहले ही ओवर में विकेट लेने के साथ ही टी20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं।

वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत की ओर से महज तीसरे गेंदबाज बने हैं। बुमराह से पहले यह मुकाम युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार ही हासिल कर सके हैं। बुमराह लंबे समय बाद भारत की टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। बुमराह ने इस मैच से पहले अपना आखिरी टी20 8 मार्च, 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

भले ही बुमराह इंजरी से वापस लौटे हों, लेकिन उनकी गेंदबाजी में शुरुआत से ही वही धार नजर आई, जिसके वह जाने जाते हैं। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के ऊपर संजू सैमसन को तरजीह दी है। संजू अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोट लगने से ईशान किशन के खेलने पर संशय बरकरार था, लेकिन वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं।

अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 3 हजार रन

रसेल-डेविड को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारत ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। टीम की इस जीत के नायक अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की आतिशी पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 256 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और इतने ही छक्के लगाए। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में 3 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। वह गेंदों के लिहाज से दूसरे सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने हैं। अभिषेक ने यह उपलब्धि 3,420 गेंदें खेलकर पूरी कीं। इस लिस्ट में भारतीय बल्लेबाज से आगे सिर्फ न्यूजीलैंड के फिन एलेन हैं, जिन्होंने यह मुकाम 3,386 गेंदें खेलकर हासिल किया है। अभिषेक ने इस मामले में आंद्रे रसेल और टिम डेविड को पीछे छोड़ा।

रसेल ने टी20 में 3 हजार रन 3,550 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं, जबकि डेविड को इस मुकाम तक पहुचंने के लिए 3,681 गेंदें लगी थीं। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन 8 गेंदों में 10 रन बनाने के बाद उमरजई का शिकार बने।

âæÚU-âÍ×æ¿a
°×°Ü°â

इंटर मियामी और नैशविले का मैच 2-2 से ड्रॉ

मियामी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में नु स्टेडियम में इंटर मियामी और नैशविले के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया। कॉम्पिटिशन में उनके गोलों की संख्या अब 99 हो गई है। विजिटर्स ने सैम सर्रिज के गोल से चौथे मिनट में बढ़त बनाते हुए स्कोर खोला। इंटर मियामी ने 19वें मिनट में ओन गोल से बराबरी कर ली, जब मेसी की कॉर्नर किक डिलीवरी को नैशविले के डिफेंडर रीड बेकर-व्हिटिंग ने नेट के पीछे डिफ्लेक्ट कर दिया। पहले हाफ के आखिर तक 1-1 का स्कोरलाइन नहीं बदला।

इंटर मियामी के पास दूसरे हाफ की शुरुआत में 50वें मिनट में बढ़त लेने का एक साफ मौका था, लेकिन मेसी के बॉक्स के दाईं ओर से बाएं पैर से मारा गया हिट क्रॉसबार से टकरा गया। बारह मिनट बाद मेसी ने कोई गलती नहीं की और इंटर मियामी ने 62वें मिनट में गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। मेसी को बॉक्स के ठीक बाहर सेंट्रल पोजीशन में डी पॉल से पास मिला, जहां उन्होंने पहली बार बाएं पैर से हिट करके दूर पोस्ट पर नेट के पीछे गोल किया। उन्होंने इस सीजन में अपना 19वां गोल किया। खेल के 66वें मिनट में इंटर मियामी ने दो बदलाव किए, जिसमें सेगोविया की जगह हाल ही में साइन किए गए पैराग्वे के इंटरनेशनल मिडफील्डर माटियास गैलार्जा को शामिल करना शामिल था, जो हमारे क्लब के लिए अपना डेब्यू कर रहे थे। इंटर मियामी ने 78वें मिनट में एक डबल मौके के जरिए अपनी बढ़त लगभग बढ़ा ली थी। बॉक्स के सेंटर से सुआरेज के शुरुआती शॉट को नैशविले एससी के गोलकीपर ब्रायन श्वाके ने बचा लिया, इसके बाद मेसी की कोशिश को मेहमान टीम के गोलकीपर ने रोका और फिर वह लेफ्ट पोस्ट से टकराकर वापस चला गया।

'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा और यादगार रहा'

लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद बोले निखिल सिंह

लेह। लद्दाख मैराथन में भारत और विदेशों के 8 हजार से ज्यादा धावकों से हिस्सा लिया। मुंबई में प्रैक्टिस करने वाले निखिल सिंह 42 किलोमीटर की मैराथन को जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस मैराथन को 2 घंटे 44 मिनट और 40 सेकंड में पूरा किया। लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद निखिल ने आईएएनएस के साथ बात बातचीत करते हुए कहा, 'मैं पहली बार लद्दाख आया हूं और मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा है। हम सड़क मार्ग से आए, इसलिए रास्ते के नजारे वाकई बहुत खूबसूरत थे। हम लगभग 9-10 दिन पहले यहां पहुंचे थे, इसलिए शुरुआती 4-5 दिनों में हमें कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा क्योंकि हम समुद्र तल से अचानक लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर पहुंच गए थे। हमने यहां थोड़ा अभ्यास किया और शुरुआती 5-6 दिनों तक कुछ परेशानी झेलने के बाद हम यहां सेट हो गए।' उन्होंने आगे कहा, 'आज मैराथन में मेरा ओवरऑल अनुभव काफी अच्छा था। रूट सपोर्ट काफी बेहतर था। भागते हुए भी जो नजारे देखने को मिल रहे थे, उसको मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं। जो रास्ता था वो काफी मुश्किल था। रास्ता खासतौर पर शुरुआत और आखिरी में थोड़ा ज्यादा मुश्किल था। करीब छह किलोमीटर शुरुआत में ढलान था, लेकिन उसके बाद ज्यादा कुछ नहीं था। हालांकि, ऊंचाई जो थी वो काफी दिक्कत देने वाली थी। ऊंचाई का तो हमें पहले से ही पता था, लेकिन माइंडसेट यह था कि उस पर चलना नहीं है। अभी तो जॉगिंग करके ही पूरा किया है। रास्ते और ऊंचाई को देखते हुए मेरा समय काफी अच्छा रहा।'

निखिल ने कहा, 'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा रहा है और यह हमेशा यादगार रहेगा। मैंने फुल मैराथन में लिया और इसको मैंने करीब 2 घंटे और 44 मिनट में पूरा किया। हालांकि, जो मेरा निजी बेस्ट प्रदर्शन है वो 2 घंटे 22 मिनट का है। मैं भारत की मेजर रेसों में भी हिस्सा ले चुका है। यह ऊंचाई वाली जगह पर मेरा दूसरा मैराथन था। इससे पहले मैंने स्पीति घाटी में मैराथन में हिस्सा लिया था।'

रिकॉर्ड 8वीं बार जीता एशिया कप

महिला विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा

दुबई। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से हराते हुए विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत से मिले 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारत ने यह आठवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी जीती है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमेशा दुलानी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और 4 रन बनाकर आउट हुईं। दूसरे विकेट के लिए चमारी अटापट्टू और विष्मी गुणरत्ने ने मिलकर 53 गेंदों में 58 रन जोड़े। विष्मी 20 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, अटापट्टू 32 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा 14 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 9 रन ही बना सकीं। नीलाक्षी डी सिल्वा 16 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। कविशा दिलहारी 5 गेंदों में 7 रन ही बना पाईं। हसिनी परेरा एक रन बनाकर शेफाली वर्मा की गेंद पर श्री चरणी को कैच देकर पवेलियन लौटीं। कौशानी नुथ्यांगना 9 रन बनाकर आउट हुईं। गेंदबाजी में भारत की तरफ से श्री चरणी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट चटकाए। वहीं, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट अपने नाम किए। शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत ने एक-एक विकेट झटका।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने मिलकर पहले विकेट के लिए 12.5 ओवर में 129 रन जोड़े। शेफाली ने 39 गेंदों का सामना करते हुए 68 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं, मंधाना ने 39 गेंदों में 59 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 14 रन बनाकर आउट हुईं।

ऋचा घोष 13 गेंदों में 17 रन बनाने के बाद चमारी अटापट्टू का शिकार बनीं। दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर आउट हुईं, तो गुनालन कमलिनी ने सिर्फ 5 गेंदों का सामना करते हुए 15 रनों की नाबाद पारी खेली। श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में चमारी अटापट्टू, चमुदी प्रबोधा और मिताली अयोध्या ने एक-एक विकेट चटकाया।

एशिया कप 2026 जीतने पर भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को हराकर विमेंस एशिया कप 2026 जीतनी वाली भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बधाई दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के सभी सदस्यों को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक टीम के तौर पर शानदार खेल दिखाया और सभी मैच जीते। उन्होंने देश का मान बढ़ाया है। वे हमारे युवाओं, खासकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत हैं। मुझे यकीन है कि वे सफलता और बेहतरीन प्रदर्शन की और भी कई प्रेरणादायक कहानियाँ रचेंगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का पल! एशिया कप जीतने पर महिला टीम को बधाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका आत्मविश्वास, निरंतरता और शानदार जज़्बा देखने को मिला। यह जीत देश भर के लाखों युवाओं को और ज़्यादा खेलने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे।' लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 विजेता बनने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बधाई। हमारी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए यह खिताब अपने नाम किया, और 8वीं बार एशिया कप में विजयी हुई। हर मुकाबले में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना के साथ खेलते हुए भारतीय महिला खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का शानदार परिचय दिया। यह विजय केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि देश की बेटियों के सामर्थ्य, मेहनत और सपनों की जीत है।' ओम बिड़ला ने आगे कहा, 'इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रत्येक खिलाड़ी का अभिवादन एवं शुभकामनाएं। आपकी यह उपलब्धि देश के युवाओं और विशेषकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का शक्तिशाली संदेश है कि सपने देखिए, मेहनत कीजिए और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी दृढ़ता से आगे बढ़िए।'

विमेंस एशिया कप : भारत ने खिताब जीता पर...

मोहसिन नकवी से नहीं ली ट्रॉफी

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली। पुरस्कार समारोह में मैच अधिकारियों और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को मेडल देने के बाद कार्यक्रम समाप्त हो गया और भारतीय टीम समारोह में शामिल नहीं हुई। इससे पहले साल 2025 में भी पुरुष टीम ने नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार किया था। भारतीय टीम को अबतक वह ट्रॉफी नहीं मिली है। इस सेरेमनी से पहले बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने नंदिनी शर्मा को फील्डिंग मेडल दिया। सैकिया ने खिलाड़ियों को संबोधित किया और उन्हें बधाई दी। रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए

'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं', मोहसिन नकवी से हुई मुलाकात पर बोले देवजीत सैकिया

दुबई। भारतीय टीम ने श्रीलंका को फाइनल में हारकर विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। हालांकि, टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली। मगर मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया और नकवी साथ में नजर आए। नकवी से हुई मुलाकात के बारे में देवजीत सैकिया ने 'आईएएनएस' को बताया, 'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं। टॉस से लेकर मैच खत्म होने तक मैं बाहर रॉयल बॉक्स की सीटों पर बैठा रहा। वहां बैठने के बाद, मैं पूरे मैच के दौरान उसी जगह पर बना रहा। मैच के दौरान जो भी आया, मुझसे मिला; कोई मेरे बगल में बैठा, फिर राजीव शुक्ला आए और मेरे साथ बैठे। जिस व्यक्ति (मोहसिन नकवी) का आपने जिक्र किया, वह भी आए और डिप्टी चेयरमैन खालिद साहब के बगल में बैठे। यह एक सामान्य परंपरा है, जब भी कोई आता है, हम सभी से मिलते हैं और बातचीत करते हैं।' बीसीसीआई सचिव ने बताया ट्रॉफी विवाद को सुलझाने का प्रयास किया गया, पर वो कोशिश सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा, 'ट्रॉफी विवाद का हमने हल निकालने की कोशिश की थी, लेकिन हमारी कोशिश नाकाम रही।

एशिया कप में कब तक चलेगा ट्रॉफी को लेकर विवाद?

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से साफतौर पर इनकार कर दिया। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम ने भी साल 2025 में खिताब जीतने के बाद मोहसिन के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली थी। हालांकि, सवाल यह है कि मोहसिन के कारण ट्रॉफी को लेकर चला आ रहा यह विवाद कब तक चलेगा? दरअसल, मोहसिन नकवी 3 अप्रैल, 2025 को एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष बने थे। एसीसी के अध्यक्ष का कार्यकाल 2 साल का होता है, जिसे सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नियमों के अनुसार, मोहसिन 3 अप्रैल, 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। एशिया कप का आयोजन 2 साल में एक बार होता है। अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में खेला जाना है। इसका मतलब यह है कि 2027 में होने वाले एशिया कप के दौरान मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष पद पर नहीं रहेंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्रॉफी को लेकर विवाद खड़ा नहीं होगा। मोहसिन नकवी से पहले एसीसी अध्यक्ष का पद जय शाह ने 2021 से लेकर 2025 तक संभाला था और उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा अध्यक्ष चुना गया था। मोहसिन नकवी के बर्ताव को देखते हुए उनके दोबारा अध्यक्ष पद पर चुने जाने की उम्मीद बेहद कम है। माना जा रहा है एसीसी का अगला अध्यक्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का होगा, जिनका कार्यकाल मध्य 2029 तक चलेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी के पद से हटने के बाद भारतीय टीम को अपनी दोनों एशिया कप ट्रॉफी भी मिल सकती है।

'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं'

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और लक्ष्मण ने दी चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने रविवार को रिकॉर्ड 8वीं बार एशिया कप के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा। इस जीत को टीम के दबदबे और सबसे ऊंचे लेवल पर लगातार मुकाबला करने में सक्षम टीम बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पूर्व भारतीय क्रिकेटर व सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के चीफ वीवीएस ??लक्ष्मण ने चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए एशिया कप के खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने एशिया कप 2024 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार का हिसाब भी चुकता कर लिया। बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने भारत के इस अभियान में टीम की सामूहिक कोशिशों की तारीफ की और उस एकता का जिक्र किया जिसने टीम को अजेय रहने और आखिरकार ट्रॉफी जीतने में मदद की। मन्हास ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं, एशिया कप जीतने पर भारतीय महिला टीम की हर सदस्य को बहुत-बहुत बधाई। पूरे टूर्नामेंट में शानदार दबदबा रहा।'

सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी टीम इंडिया

अफगानिस्तान को होगी पहली जीत की तलाश

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। सीरीज का दूसरा मुकाबला अब मंगलवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान टीम भारत के खिलाफ क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। पहले टी20 में भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली थी। अभिषेक के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए थे। वहीं, ईशान किशन ने 33 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया था। हालांकि, संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और वह 10 रन बनाकर आउट हुए थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम दूसरे टी20 में संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में बरकरार रखती है या फिर टीम मैनेजमेंट वैभव सूर्यवंशी को मौका देता है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे, जबकि जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल भी किफायती रहे थे। हालांकि, नीतीश कुमार रेड्डी जरूर महंगे साबित हुए थे और उन्होंने 2 ओवर में 30 रन दिए थे। दूसरी ओर, अफगानिस्तान दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पहले टी20 में टीम का टॉप और मिडिल ऑर्डर बुरी तरह से फेल रहा था। हालांकि, निचले क्रम में अजमतुल्लाह उमरजई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 64 रनों की दमदार पारी खेली थी।

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष मुकाबले 15 और 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। टीम को महज 5 के स्कोर पर रहमानुल्लाह गुरबाज (0) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल (13) ने कप्तान इब्राहिम जादरान (11) के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। अफगानिस्तान ने महज 43 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अजमतुल्लाह ओमरजई ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिए 56 गेंदों में 83 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 126 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

'मिर्जापुर' ने मेरे करियर में भरोसा बनाने में बहुत मदद की

'मिर्जापुर' की डिंपी यानी हर्षिता गौर लंबे समय से दर्शकों के बीच पहचान बना चुकी हैं। 'साड्डा हक' के बाद उन्हें करीब एक साल तक काम नहीं मिला। इस दौर में उन्हें खुद भी पता नहीं था कि वह डिप्रेशन से गुजर रही हैं। एक्टिंग वर्कशॉप ने उन्हें इससे बाहर निकलने में मदद की। 'मिर्जापुर' ने उनके करियर को नई पहचान दी और अब वह फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। बातचीत में हर्षिता ने करियर के उतार-चढ़ाव का किस्सा साझा किया।

'साड्डा हक' के बाद आपके करियर में सबसे मुश्किल दौर कौन सा रहा?
'साड्डा हक' खत्म होने के बाद करीब एक साल तक मेरे पास काम नहीं था। शो तीन साल चला था और मुझे लगा था कि अब फिल्मों में काम करूंगी। लेकिन काम मिलना आसान नहीं था। शुरुआत के एक-दो महीने घूमने-फिरने में निकल गए। उसके बाद मुंबई में बिना काम के रहना एक एक्टर के लिए काफी मुश्किल होता है। उस समय मैं डिप्रेशन में चली गई थी।

उस समय आपको पता था कि आप डिप्रेशन में जा रही हैं?
नहीं, उस समय मुझे बिल्कुल एहसास नहीं था। बाद में डिप्रेशन के लक्षणों के बारे में पता चला तो पीछे मुड़कर समझ आया कि मेरे साथ भी ऐसा ही हो रहा था। मैं मुंबई वाले घर में ही रहती थी। एक दिन पड़ोस वाली आंटी आईं और उन्होंने कहा कि काफी दिनों से दिखाई नहीं दीं। तब भी मैं किसी को ठीक से नहीं बता पा रही थी कि मेरे साथ क्या हो रहा है।

फिर इस दौर से बाहर कैसे निकलीं?
मैंने अतुल मंगिया के सजेस्ट करने पर एक एक्टिंग वर्कशॉप की। मैं आज भी उन्हें अपना गुरु मानती हूं। उन्होंने मुझे एक एक्टर के तौर पर बेहतर किया और मुझे लगता है कि उन्होंने मुझे बचाया भी। वह अनुभव मेरे लिए थेरेप्यूटिक रहा। उसके बाद समझ आया कि ऐसा महसूस होने पर थेरेपिस्ट से भी बात की जा सकती है। उस समय मुझे मेंटल हेल्थ या डिप्रेशन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी।

'मिर्जापुर' आपके करियर में कब आया?
'मिर्जापुर' मैंने अक्टूबर 2017 से करना शुरू किया था। उससे पहले मेरी एक्टिंग वर्कशॉप हो चुकी थी। यह मेरे लिए बहुत बड़ा मोड़ साबित हुआ। शो ने मुझे लोगों तक पहुंचाया और डिंपी के किरदार से मुझे अलग पहचान मिली।

'मिर्जापुर' की वजह से आपको आगे कितना फायदा मिला?
बहुत फायदा हुआ। 'जहानाबाद' का काम भी कहीं न कहीं 'मिर्जापुर' की वजह से मिला। साउथ की फिल्म 'फलकनुमा दास' भी मिली। जब लोग आपको किसी काम में देख चुके होते हैं तो उनका भरोसा बढ़ जाता है। 'मिर्जापुर' ने मेरे करियर में यह भरोसा बनाने में बहुत मदद की।

साउथ की फिल्म के बाद वहां आगे काम क्यों नहीं कर पाईं?
'फलकनुमा दास' 2019 में रिलीज हुई थी। उसके बाद मैं वहां और काम करना चाहती थी, लेकिन लगातार दो लॉकडाउन आ गए। मैं वापस वहां जा ही नहीं पाई। वरना मेरी साउथ में और काम करने की इच्छा थी।

इस जर्नी में आपकी सबसे बड़ी सफलता क्या रही?
खुद को पहचानना। मेरे लिए पर्सनल ग्रोथ सबसे बड़ी सफलता है। इस फील्ड में रहते हुए समझ आया कि मैं कौन हूं, मेरी स्ट्रेंथ, कमजोरियां और पैटर्न क्या हैं और मैं अपने काम में क्या लेकर आती हूं।

इतने सालों में सबसे बड़ी चुनौती क्या रही?
अपनी उम्मीदों और वास्तविकता के बीच संतुलन बनाना। हम ए से शुरू करते हैं और जेड तक पहुंचना चाहते हैं। बी, सी या डी तक पहुंचने पर लगता है कि अभी जेड तक नहीं पहुंचे। हम भूल जाते हैं कि शुरुआत ए से की थी। अपनी प्रगति को पहचानना और उसकी अहमियत समझना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती रही।

मेल वर्सेस फीमेल: दोहरे मापदंडों का शिकार होती हैं फिल्में

तापसी ने साफ कहा कि बॉलीवुड में पुरुष केंद्रित और महिला केंद्रित फिल्मों के आकलन के मापदंड पूरी तरह अलग हैं। तापसी के अनुसार, अगर किसी बड़ी महिला प्रधान फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन खराब रहता है, तो उसका नुकसान केवल उस फिल्म के मेकर्स को नहीं, बल्कि इंडस्ट्री की बाकी सभी अभिनेत्रियों और उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स को उठाना पड़ता है। क इंटरव्यू में जब तापसी से आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' के प्रदर्शन पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने माना कि ऐसी फिल्मों के न चलने का असर अन्य अभिनेत्रियों पर भी पड़ता है। पसी ने बताया, यह हर साल की कहानी बन चुकी है। जैसे ही किसी बड़े बजट या बड़े सुपरस्टार की महिला केंद्रित फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलती, इन्वेस्टर्स की भाषा तुरंत बदल जाती है। वे कहने लगते हैं कि 'आजकल महिला प्रधान फिल्में नहीं चल रही हैं, जब इतनी बड़ी स्टार की फिल्म पिट गई तो बाकी का क्या होगा?' इसके बाद कई चलती हुई बातचीत रुक जाती है और बनने वाली फिल्में ठंडे बस्ते में डाल दी जाती हैं।

तापसी ने इस बात पर जोर दिया कि मेल-सेंट्रिक एक्शन फिल्मों और फीमेल-सेंट्रिक एक्शन फिल्मों को तोपने का तरीका बहुत असमान है। बड़ी स्टार-कास्ट वाली पुरुष प्रधान फिल्मों को अक्सर कमजोर कहानी के बावजूद सिर्फ एक्शन और ग्लैमर के दम पर स्वीकार कर लिया जाता है। तापसी ने कहा, अगर किसी मेल-ड्रिवन फिल्म की कहानी 10 में से 5 या 6 भी हो, तो भी वह चल जाती है। लेकिन जब महिला प्रधान फिल्म पर पैसा लगाया जाता है, तो उम्मीद की जाती है कि कहानी 10 में से 11 होनी चाहिए। हमारे लिए गलती करने की गुंजाइश बिल्कुल माइनस में होती है।

नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है 'गांधारी'

देवाशीष मखीजा के निर्देशन और कनिका ढिल्लों के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'गांधारी' में तापसी पन्नू के साथ इशवाक सिंह मुख्य भूमिका में हैं। यह एक्शन-थ्रिलर फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है और दर्शकों द्वारा तापसी के एक्शन अवतार को सराहा जा रहा है।

करीना कपूर ने बॉलीवुड निर्देशकों की सोच को बताया 'भेड़ चाल' जैसा!

बॉलीवुड में बीते कुछ दिनों में कई ऐसी फिल्म रिलीज हुई हैं, जिनमें लीड एक्टर का अंदाज बेहद आक्रामक दिखाया गया है। अब एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री करीना कपूर ने इस मामले पर खुलकर बात की। साथ ही बॉलीवुड फिल्ममेकर्स से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया।

हाल ही में युवा नाम के एक यूट्यूब चैनल पर एक्ट्रेस ने नए दौर की आक्रामक फिल्मों पर बात करते हुए कहा, 'हमारे दर्शक जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा समझदार हैं। उन्हें पता है कि अच्छी फिल्म कौन सी है और वे उसे देखना चाहते हैं। आज बात सिर्फ एक यंग लव स्टोरी की नहीं है। ये सारी चीजें बहुत पुरानी हो चुकी हैं। आज कल हिंसा का दौर है।'

बोलीं- 'चीजें बदल रही हैं

अपनी बातचीत में आगे करीना कपूर ने कहा, 'एक 'एनिमल' फिल्म चल गई है तो हम भी वैसी ही बना लेते हैं। क्या हमारी सोच 'भेड़ चाल' जैसी है? हालांकि, कुछ ऐसे फिल्ममेकर्स भी हैं जो कुछ अलग करना चाहते हैं। जो आपके विचारों को झकझोरना चाहते हैं और जिनकी अपनी फैन फॉलोइंग है। मुझे लगता है कि अब चीजें बदल रही हैं। दर्शक अब ट्रेलर देखकर ही तय कर लेते हैं कि उनको कौन सी फिल्म देखनी है।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'दायरा'

करीना की अगली फिल्म 'दायरा' है। इसमें उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में दोनों ही एक्टर्स पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। यह क्राइम सस्पेंस थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज और जंगली पिक्चर्स के बैनर तले हुआ है। यह फिल्म 18 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

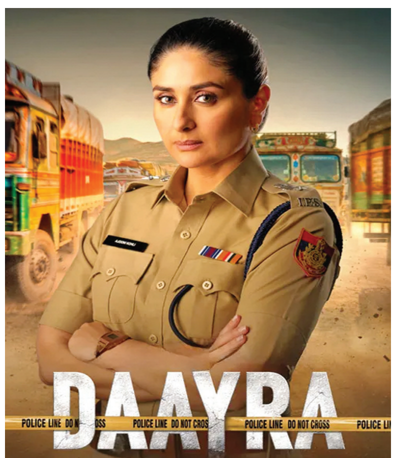

हर फिल्म करोड़ों नहीं कमा सकती

करीना ने यह भी बताया कि फिल्ममेकर्स अब पुराना माइंड सेट छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यंग ऑडियंस ऐसे सवाल पूछेगी जो आपको सोचने पर मजबूर करेंगे। आज के दौर में फिल्ममेकर्स ये सोचकर फिल्म नहीं बना सकते कि ये कॉमेडी है, तो चल जाएगी। हर फिल्म 200 करोड़ या 500 करोड़ कमाने वाली नहीं है। मुझे लगता है कि हम इसे बदल रहे हैं और दर्शक इसमें हमारी मदद कर रहे हैं।'

24 सितंबर को रिलीज होने वाली है नानी की 'द पैराडाइज'

इंडस्ट्री के सूत्रों की मानें तो, डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला की बेसब्री से इंतजार की जा रही एक्शन एंटरटेनर फिल्म 'द पैराडाइज', जिसमें तेलुगु स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं, की शूटिंग अब पूरी हो गई है। सूत्रों का कहना है कि फिल्म की यूनिट ने प्रोडक्शन का हिस्सा पूरा कर लिया है और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम भी जोरों पर है। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी द्वारा निर्मित यह फिल्म 24 सितंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म का प्रीमियर इस साल 23 सितंबर को होना है। इस बीच, निर्माताओं ने गुरुवार को फिल्म से नानी की एक नई तस्वीर जारी करके प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा दिया। फिल्म न केवल अभिनेता की आकर्षक उपस्थिति के लिए, बल्कि इस तथ्य के लिए भी ध्यान आकर्षित कर रही है कि यह तस्वीर निर्देशक श्रीकांत ओडेला के मोबाइल का स्क्रीनशॉट थी। 'द पैराडाइज' 26 मार्च, 2026 को एक भव्य रिलीज के लिए निर्धारित थी। हालांकि, इसके निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज को पहले 21 अगस्त और फिर 24 सितंबर तक स्थगित करने का फैसला किया।

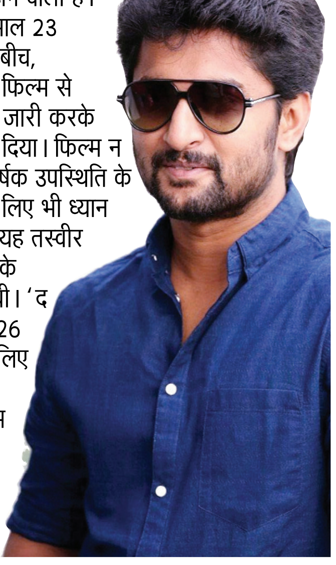

स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं महिलाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने एक्टिंग के साथ-साथ अपनी जिंदगी के अलग-अलग किरदारों को भी बखूबी निभाया है। उन्होंने शादी और मां बनने के बाद फिल्मों से दूरी बनाई, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ बिजनेस पर भी ध्यान दिया। अब लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी कर चुकीं प्रीति ने अपनी जिंदगी के इस सफर और मां होने के साथ प्रोफेशनल जिम्मेदारियां निभाने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं है, लेकिन सही सपोर्ट सिस्टम और सुविधाएं हों तो यह काम काफी हद तक आसान हो जाता है। बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा कि महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। उनके मुताबिक, महिलाओं के लिए घर, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां संभालना कोई नई बात नहीं है। प्रीति ने अपनी मां का उदाहरण देते हुए कहा कि भले ही उनकी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन घर और परिवार की देखभाल करना अपने आप में किसी फुल टाइम जॉब से कम नहीं था। प्रीति ने कहा, अब महिलाएं सुपर वुमन बन गई हैं, क्योंकि बहुत सी महिलाएं काम करती हैं और घर आने के बाद भी बच्चों की देखभाल करती हैं।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''काम और मदरहुड को एक साथ संभालना चुनौती भरा जरूर है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं, क्योंकि मेरे साथ ऐसे लोगों का सपोर्ट है, जिनकी मदद से मैं अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिम्मेदारियों को मैनेज कर पाती हूं। अगर मुझे मदद नहीं मिलती, तो मेरे लिए अपने काम के लिए बाहर आना भी मुश्किल होता।

यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' में हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का

अभिनेत्री यामी गौतम की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'नई नवेली' के मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया। यह फिल्म डर के साथ-साथ कॉमेडी, फैंटेसी और पारिवारिक भावनाओं का एक अनोखा मिश्रण होगी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, 'देवियों और सज्जनों, मोहिनी की तरफ से एक लिटिल रिक्वेस्ट। फिल्म 'नई नवेली' का टीजर रिलीज।' 1 मिनट 31 सेकंड के टीजर में एक आम घरेलू माहौल के बीच अजीब और हास्यप्रद स्थितियां देखने को मिलती हैं। टीजर की शुरुआत एक सामान्य परिवार से होती है, जहां घर में आई नई नवेली दुल्हन (यामी गौतम) सबका दिल जीतती है तभी देवर को शक होता है और वह गंभीर आरोप लगाता है कि भाभी डायन है।

इसके बाद टीजर जैसे आगे बढ़ता है अभिनेत्री यामी गौतम की झलक देखने को मिलती है, जिसमें वे कहती हैं, 'दो डायन, तीन पिशाच और चार भूत को मैं सुबह नाश्ते में खा जाती हूं।' बालाजी मोहन के निर्देशन में बनी फिल्म 'नई नवेली' को आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा (कलर येलो प्रोडक्शन और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज) मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की पटकथा हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है।

फिल्म की कहानी एक ऐसी दुल्हन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो देखने में बिल्कुल आदर्श लगती है। वह मेरठ के एक ऐसे परिवार में पहुंचती है, जहां पहले से ही काफी उथल-पुथल है। अपनी समझदारी और प्यार से वह इस बिखरे हुए परिवार को खुशहाल बनाने की कोशिश करती है। देखते ही देखते जिस घर में परेशानियां थीं, वहां खुशियां आने लगती हैं। इसी बीच उसके देवर को अपनी भाभी पर शक होने लगता है। उसे लगता है कि इतनी अच्छी और परफेक्ट भाभी के पीछे कोई राज जरूर है और कहीं वह वास्तव में डायन तो नहीं। यही शक फिल्म की कहानी को हास्य और रोमांच से जोड़ता है। फिल्म में यामी गौतम धर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म इसी साल दशहरे के मौके पर 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

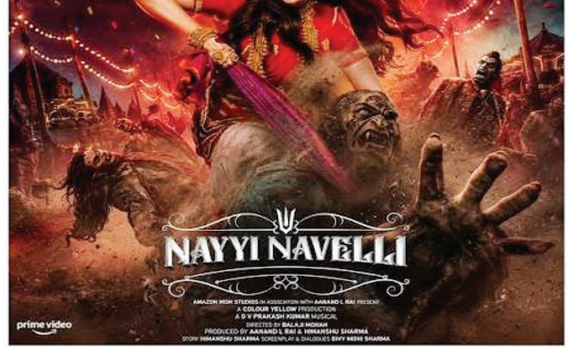

भारत की बेटियों का एशिया कप पर कब्जा, 8वीं बार बनीं चैंपियन
नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार, पानी की बोतल उठाकर मनाया जश्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विमेंस एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराकर 8वीं बार खिताब अपने नाम कर लिया। मैदान पर जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने जोरदार जश्न मनाया, लेकिन प्रेजेंटेशन समारोह में टीम का अंदाज चर्चा का सबसे बड़ा विषय बन गया। टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। इस दौरान दर्शकों ने नकवी को 'चोर' कहकर भी चिढ़ाया। मोहसिन नकवी पाकिस्तान सरकार में गृह मंत्री भी हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनके भारत विरोधी बयानों के चलते भारतीय क्रिकेट टीम का रुख पहले भी सामने आ चुका है। वर्ष 2025 में भारतीय पुरुष टीम ने भी नकवी के हाथों एशिया कप की ट्रॉफी लेने से इनकार किया था। अब भारतीय महिला टीम ने भी उसी रुख को कायम रखा। मैच में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी की। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में भी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए छाई रही और उसने सबसे ज्यादा 32 छक्के लगाए। मैच के बाद भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने स्पष्ट किया कि ट्रॉफी नहीं लेने का फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का था और टीम इस फैसले के साथ है। उन्होंने कहा कि टीम के लिए टूर्नामेंट समाप्त हो चुका है और वह चैंपियन बन चुकी है। अब टीम का ध्यान एशियाई खेलों पर है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया के अनुसार, भारतीय टीम नकवी से ट्रॉफी लेने के पक्ष में नहीं थी। बोर्ड ने प्रेजेंटेशन के लिए दो विकल्प सुझाए थे। पहले विकल्प में एसीसी के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी से ट्रॉफी दिलाने का प्रस्ताव था। दूसरे विकल्प में हाल की परंपरा के अनुसार विजेता बोर्ड के प्रतिनिधि से ट्रॉफी दिलाने की बात कही गई थी। दोनों विकल्प नकवी को स्वीकार नहीं थे। इ इसके बाद नकवी ने केवल श्रीलंकाई खिलाड़ियों को पदक दिए। भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी और पदक लेने से इनकार कर दिया। जीत के बाद टीम ने ट्रॉफी के बजाय पानी की बोतल के साथ जश्न मनाया।

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में मेहंदी के लिए उमड़ा सैलाब, 3 घंटे में खत्म हुई 3500 किलो मेहंदी; धक्का-मुक्की में महिला बेहोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। सिंजारा के मौके पर रविवार को जयपुर के प्रसिद्ध मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में भगवान गणेश की मेहंदी लेने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ अचानक बढ़ने के कारण मंदिर में धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। इस दौरान महाराष्ट्र से आई एक महिला श्रद्धालु भीड़ के दबाव के चलते बेहोश हो गई। मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में देर शाम तक लोगों की भारी भीड़ बनी रही। मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए करीब 3500 किलो मेहंदी रखी गई थी, जो महज तीन घंटे में खत्म हो गई। शाम करीब 7 बजे मंदिर प्रशासन ने मेहंदी समाप्त होने का ऐलान कर श्रद्धालुओं से घर लौटने की अपील की। इसके बावजूद मंदिर के आसपास बड़ी संख्या में लोग

मौजूद रहे। दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हो रही रील्स में यह दावा किया जा रहा था कि मोतीडूंगरी गणेश मंदिर की मेहंदी लगाने से कुंवारे लड़के-लड़कियों की शादी हो जाती है। इस मान्यता के चलते दिल्ली, चंडीगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, पुणे, इंदौर, भोपाल और आगरा समेत कई शहरों से लोग जयपुर पहुंच गए। कई श्रद्धालु अपने बेटे-बेटी तो कुछ अपनी बहन के लिए मेहंदी लेने आए थे। मेहंदी का वितरण शाम 7 बजे से किया जाना था, लेकिन बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने इसे शाम 5 बजे से ही शुरू करने का निर्णय लिया। दिन चढ़ने के साथ मंदिर के बाहर और आसपास श्रद्धालुओं की कतारें लंबी होती गईं। तख्तेशाही रोड से लेकर जेएलएन मार्ग तक लोगों की भीड़ नजर आई। गणेश चतुर्थी को देखते हुए यातायात व्यवस्था में बदलाव भी एक दिन पहले से शुरू कर दिया गया था। दूसरे शहरों से आए कई श्रद्धालुओं ने पुलिस और व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। आगरा से आए एक श्रद्धालु ने कहा कि वह मंदिर की मेहंदी लेने इसलिए आया था, क्योंकि उसे विश्वास है कि इसे लगाने से शादी होती है। उसने आरोप लगाया कि भीड़ के हिसाब से सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नजर नहीं आई। लोगों को न तो कतार की स्थिति समझ आ रही थी और न ही यह स्पष्ट था कि मेहंदी कहां से मिलेगी। भारी भीड़ का असर यातायात पर भी पड़ा।

टेस्ला की नई रोडस्टर की उलटी गिनती शुरू, 1 अक्टूबर को होगा बड़ा खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी टेस्ला अपनी दूसरी पीढ़ी की बहुप्रतीक्षित रोडस्टर स्पोर्ट्स कार को 1 अक्टूबर को पेश करने की तैयारी में है। कंपनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर 'गो फॉर लॉन्च' संदेश के साथ एक पोस्ट साझा की है, जिसमें 10.01 की तारीख दिखाई गई है। इसके बाद नई रोडस्टर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। खास बात यह है कि इस कार में कोल्ड गैस थ्रस्टर्स दिए जाने की संभावना जताई जा रही है, जिनकी मदद से कार को कुछ समय के लिए हवा में उठाने या अतिरिक्त लिफ्ट देने की क्षमता मिल सकती है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि कार विमान की तरह आसमान में उड़ सकेगी। टेस्ला ने दूसरी पीढ़ी की रोडस्टर को पहली बार नवंबर 2017 में दुनिया के सामने पेश किया था। उस समय कंपनी ने इसे बेहद तेज और आधुनिक इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार के रूप में दिखाया था। शुरुआत में माना जा रहा था कि कार 2020 तक सड़कों पर आ जाएगी, लेकिन डिजाइन, तकनीक और उत्पादन से जुड़ी चुनौतियों के चलते इसकी लॉन्चिंग लगातार टलती रही। अब करीब आठ साल बाद कंपनी इसे नए रूप में पेश करने जा रही है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, टेस्ला ने 2017 में दिखाए गए रोडस्टर के पुराने डिजाइन में बड़े बदलाव किए हैं। 1 अक्टूबर को सामने आने वाली कार पहले दिखाए गए मॉडल से काफी अलग और ज्यादा उन्नत डिजाइन वाली हो सकती है। कंपनी ने अभी इसके ज्यादातर फीचर्स को गोपनीय रखा है, जिससे लॉन्च से पहले उत्सुकता और बढ़ गई है। रोडस्टर की देरी को लेकर पिछले साल टेस्ला प्रमुख इलॉन मस्क और ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन के बीच सोशल मीडिया पर बहस भी हुई थी। ऑल्टमैन ने रोडस्टर की बुकिंग और लंबे इंतजार को लेकर सवाल उठाया था। इसके जवाब में मस्क ने कहा था कि ऑल्टमैन की बुकिंग राशि पहले ही वापस की जा चुकी है। हालांकि 1 अक्टूबर को कार का अनावरण होने के बावजूद ग्राहकों को इसे सड़कों पर देखने के लिए और इंतजार करना पड़ सकता है। मस्क के अनुसार, अनावरण के बाद भी रोडस्टर के उत्पादन में कम से कम 12 से 18 महीने लग सकते हैं। रोडस्टर का इतिहास भी टेस्ला के लिए खास रहा है। यह कंपनी की पहली कार थी, जिसे लोटस के वाहन ढांचे के आधार पर विकसित किया गया था। मस्क ने इसके डिजाइन में कई बड़े बदलाव करवाए। दरवाजों के डिजाइन से लेकर चौड़ी सीटों, नई हेडलाइट्स, कार्बन फाइबर बॉडी और इलेक्ट्रिक डोर हैंडल तक कई बदलाव किए गए। इससे कार की लागत और उत्पादन का समय बढ़ा, लेकिन मस्क इसे ऐसी कार बनाना चाहते थे जिसे देखकर लोग आकर्षित हों। 2006 में रोडस्टर के प्रोटोटाइप को पेश किया गया था और इसके लॉन्च कार्यक्रम में कई चर्चित हस्तियां भी पहुंची थीं। शुरुआती रोडस्टर अपनी तेज रफ्तार के कारण भी सुर्खियों में रही थी। अब दूसरी पीढ़ी की रोडस्टर से टेस्ला क्या नया करने वाली है, इसका खुलासा 1 अक्टूबर को होगा।

गणपति बप्पा के आशीर्वाद से सच और जन-सरोकार की राह पर 'महानगर मेट्रो' की बुलंद आवाज़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। बुद्धि, सिद्धि और समृद्धि के दाता, विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी के आगमन से चारों ओर भक्ति और उल्लास की पावन तरंगें व्याप्त हैं। इसी पावन अवसर पर धानी मीडिया ग्रुप के ग्रुप एडिटर श्री पवन माकन जी एवं महानगर मेट्रो न्यूज़ की एडिटर श्रीमती सरबजीत माकन जी ने अपने परिवार के साथ अपने निवास स्थान पर पूरे विधि-विधान, मंत्रोच्चार और अपार श्रद्धा के साथ गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित की। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर माकन परिवार ने प्रथम पूज्य श्री गणेश जी का आह्वान किया और उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान माकन परिवार की बड़ी बिटिया धानी माकन, साची माकन, आँशी माकन और छोटे बेटे कुंवरजीत माकन ने बप्पा के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु प्रार्थना की। ग्रुप एडिटर पवन माकन जी और एडिटर सरबजीत माकन जी ने विघ्नहर्ता बप्पा से प्रार्थना की कि वे देशवासियों और पूरे समाज को उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और शांति प्रदान करें। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान मात्र नहीं था, बल्कि यह अवसर बना धानी मीडिया परिवार के लिए अपने सामाजिक और नैतिक दायित्वों को नए सिरे से दोहराने का। भगवान श्री गणेश जी के समक्ष पूरे धानी मीडिया परिवार ने सच्चे मन और पूरी निष्ठा से अपनी पत्रकारिता के धर्म को निभाने का संकल्प लिया।

1. निष्पक्ष और प्रामाणिक खबरें (सच्चाई का मार्ग): संस्थान अपने पाठकों तक हमेशा सच्ची, सटीक और निष्पक्ष खबरें पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। किसी भी दबाव या लोभ से परे हटकर सच को उजागर करना ही 'महानगर मेट्रो न्यूज़' का प्रथम कर्तव्य होगा।

2. अन्नदाताओं (किसानों) की बुलंद आवाज़: देश के रीढ़ माने जाने वाले किसानों की समस्याओं, उनकी मांगों और उनके संघर्षों को प्रमुखता से उठाना। महानगर मेट्रो न्यूज़ किसानों की बात को शासन और प्रशासन के गलियारों तक मजबूती से पहुँचाने के लिए एक अडिग मंच के रूप में काम करेगा।

3. जन-सरोकार और निर्भीक लेखनी: पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज़ बनना। जनहित के मुद्दों पर बिना डरे, बिना झुके लेखनी चलाना और अपनी आवाज़ को लगातार बुलंद रखना।

धानी मीडिया परिवार में उत्साह का माहौल

बप्पा के आगमन से पूरे धानी मीडिया परिवार में अपार खुशी और मंगलमय वातावरण है। संस्थान के सहयोगियों और शुभचिंतकों ने भी इस अवसर पर माकन परिवार को शुभकामनाएं दीं और प्रार्थना की कि विघ्नहर्ता संस्थान के मार्ग से सभी बाधाओं को दूर कर उसे सफलता के नए शिखरों पर ले जाएं। 'पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति निष्ठा और सत्य को स्थापित करने का एक पावन धर्म है। विघ्नहर्ता बप्पा से यही प्रार्थना है कि वे हमें सदैव सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने का साहस प्रदान करें।'
— पवन माकन (ग्रुप एडिटर, धानी मीडिया)

गणपति बप्पा के स्वागत में सुनीता आहूजा का खास अंदाज, गोविंदा की गैरमौजूदगी ने खींचा ध्यान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। गणेश चतुर्थी के मौके पर बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के घर गणपति बप्पा का भव्य स्वागत किया गया। गणेशोत्सव के दौरान परिवार के सदस्य मौजूद रहे, लेकिन गोविंदा की गैरमौजूदगी ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। सुनीता के साथ उनके बेटे यशवर्धन आहूजा और बेटी टीना आहूजा भी नजर आए। इस दौरान पैपराजी ने परिवार की तस्वीरें और वीडियो कैमरे में कैद किए। सुनीता ने पैपराजी को लड्डू भी खिलाए। गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले रविवार को सुनीता आहूजा खुद गणपति बप्पा को घर लेकर आई थीं। इस दौरान वह ढोल की थाप पर अकेली ही नाचती नजर आईं। उस समय भी गोविंदा उनके साथ दिखाई नहीं दिए थे। सुनीता के इस वीडियो के सामने आने के बाद एक बार फिर गोविंदा और उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।पिछले करीब एक साल से गोविंदा और सुनीता की शादीशुदा जिंदगी को लेकर लगातार खबरें आती रही हैं। पिछले महीने सुनीता ने गोविंदा के खिलाफ दायर तलाक की याचिका वापस ले ली थी। इससे पहले पिछले साल गणेशोत्सव से कुछ दिन पहले सुनीता की ओर से तलाक की याचिका दायर किए जाने की खबर सामने आई थी। हालांकि बाद में गणेशोत्सव के दौरान दोनों साथ नजर आए थे और गणपति विसर्जन में भी जमकर थिरके थे। इससे तलाक की चर्चाओं पर विराम लग गया था। ऐसे में इस बार गणपति बप्पा के स्वागत के दौरान गोविंदा का नजर नहीं आना चर्चा का विषय बन गया। गणेशोत्सव से पहले सुनीता ने एक साक्षात्कार में बताया था कि इस बार वह खुद बप्पा को घर लेकर आएंगी। उन्होंने कहा था कि पिछले साल अपना यूट्यूब चैनल शुरू करने के बाद बप्पा के आशीर्वाद से उन्हें दो टेलीविजन कार्यक्रमों में काम करने का मौका मिला।

चीन ने एलएसी पर घटाई सैन्य तैनाती, भारतीय सेना की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने 2025-26 की अपनी सालाना रिपोर्ट में चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं के साथ जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति को लेकर अहम जानकारी साझा की है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर अपनी सैनिक तैनाती में कमी की है। एलएसी और चीन के सैन्य प्रशिक्षण केंद्रों में अब करीब 10 संयुक्त हथियार ब्रिगेड के आकार की सैन्य टुकड़ियां तैनात हैं। एक ब्रिगेड में लगभग 3 हजार सैनिक होते हैं। संयुक्त हथियार ब्रिगेड में पैदल सेना के साथ टैंक, तोपखाना और वायु रक्षा जैसी अलग-अलग सैन्य क्षमताएं शामिल होती हैं। सेना ने रिपोर्ट में कहा कि एलएसी के सभी क्षेत्रों में भारतीय सेना की तैनाती मजबूत है और किसी भी संभावित चुनौती से निपटने के लिए सेना पूरी तरह तैयार है। भारत-चीन के बीच सैन्य बातचीत भी 2025 में दोबारा शुरू हुई। मार्च और जुलाई में सीमा मामलों पर कार्य तंत्र की 33वीं और 34वीं बैठक हुई। सीमा विवाद के समाधान को लेकर विशेष प्रतिनिधियों के स्तर पर भी दिसंबर 2024 और अगस्त 2025 में बातचीत हुई। अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इसके बाद 25-26 अक्टूबर को पूर्वी लद्दाख में कोर कमांडर स्तर की 23वीं बैठक हुई।

शराब पीने वाला हर व्यक्ति उपद्रव कर करेगा ऐसा आप कैसे कह सकते हैं मुंबई हाई कोर्ट का पुणे कलेक्टर को तगड़ा झटका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। दारु शराब मदिरा न जाने इसके कितने नाम है नेताओं के लिए यह कोई मुद्दा नहीं है अधिकारियों को इसमें रुचि नहीं है आम लोग इसमें सोचना पसंद नहीं करते लेकिन इसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता आज आलम यह है कि चाहे खुशी का अवसर हो या मौत का अवसर हो लोग शराब में खुशियां ढूंढना पसंद करते हैं एक बात और है कि आम लोग सड़क छाप सार्वजनिक जगह पर कहीं पर पी लेते हैं लेकिन बड़े अधिकारी या नेता यह हाई प्रोफाइल लोग परदे के पीछे या कार में बैठकर या गोपनीय तरीके से सेवन करते हैं लेकिन शराब जरूर पीते हैं शराब के विषय पर किसी नेताओं से बात करो तो वह बिल्कुल भी महत्व नहीं देते उनका कहना है कि शराब हमारे लिए मुद्दे नहीं है लेकिन शराब पीने वाले को गलत नजर से देखने वालों के लिए मुंबई हाई कोर्ट के इस निर्देश को जरूर पढ़ना चाहिए दरअसल महाराष्ट्र के पुणे के कलेक्टर ने गणेश पक्ष को देखते हुए पुणे जिले में शराब बिक्री के पर प्रतिबंध लगा दिया था जिस पर मुंबई हाई कोर्ट के श्री महेश चंद्र त्रिपाठी एवं अद्वैत सेठना की हाई कोर्ट की बेंच ने कलेक्टर को फटकार लगाते हुए कहा कि आप कैसे मान सकते है कि हर पीने वाला व्यक्ति उपद्रव ही करेगा और आप महाराष्ट्र में पुणे में ही प्रतिबंध लगाकर क्या साबित करना चाहते हैं क्या सिर्फ महाराष्ट्र में पुणे के लोग ही शराब पीते हैं शराब के जड़ को खत्म करनी चाहिए वह इच्छा शक्ति शासन प्रशासन में होनी चाहिए कोर्ट नहीं ने यह भी कहा कि लगातार शराब बंद कर देने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बड़ा असर हो सकता है इससे सरकारी खर्च भी बढ़ सकते हैं कोर्ट के आदेश के बाद पुणे के कलेक्टर ने अपने द्वारा लिए गए निर्णय को वापस लिया है मुंबई हाईकोर्ट के इस निर्देश ने निश्चित रूप से एक बहस को छेड़ दिया है

साउथ एशिया का पहला वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम कल 15 तारीख से 65 से ज्यादा देशों के 2 हज़ार से ज़्यादा रिप्रेज़ेंटेटिव शामिल होंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। साउथ एशिया में पहली बार वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम) 2026 का आयोजन गांधीनगर के महात्मा मंदिर में किया गया है। 15 और 16 सितंबर को होने वाले इस ग्लोबल फोरम का उद्घाटन केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मिलकर करेंगे। फोरम में 65 से ज्यादा देशों के 2 हज़ार से ज़्यादा रिप्रेज़ेंटेटिव हिस्सा लेंगे। इसमें इंडस्ट्रियलिस्ट, स्टार्टअप, रिसर्चर, पॉलिसी मेकर, एकेडमिशियन समेत अलग-अलग फील्ड के एक्सपर्ट मौजूद रहेंगे। इस साल फोरम की थीम 'सर्कुलर इकोनॉमी: लोगों और खुशहाली के लिए बदलाव' है। पुरानी या इस्तेमाल की हुई चीज़ों और मटीरियल को कचरे के तौर पर फेंकने के बजाय, उन्हें दोबारा इस्तेमाल करने, ठीक करने और रीसायकल करने और इकॉनमी में काम का बनाने के सिस्टम पर यहां चर्चा होगी। सर्कुलर फाइनेंस, नई टेक्नोलॉजी और अलग-अलग सेक्टर के बीच इंटरनेशनल सहयोग बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया जाएगा। 15-16 सितंबर को होने वाले फोरम में 4 प्लेनरी और 16 थीमैटिक सेशन होंगे। इसमें,ड्ढ का इस्तेमाल, रोज़गार के मौके, एनर्जी प्रोडक्शन, सर्कुलर फाइनेंस, गवर्नेंस, सस्टेनेबल प्रोडक्ट और स्टार्टअप इकोसिस्टम जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके अलावा, 125 से ज़्यादा नेशनल और इंटरनेशनल एग्ज़िबिटर एक्सपो में सर्कुलर इकॉनमी से जुड़े प्रोडक्ट और एक्सपेरिमेंटल सॉल्यूशन पेश करेंगे। मेन फोरम के बाद, 17 और 18 सितंबर को 80 एक्सेलेरेटर सेशन होंगे। ये सेशन गांधीनगर के अलावा दुनिया भर में अलग-अलग जगहों पर इन-पर्सन, ऑनलाइन और हाइब्रिड मोड में होंगे। इसका मकसद सर्कुलर इकॉनमी से जुड़े नए आइडिया और सॉल्यूशन को तेज़ी से आगे बढ़ाना है। नीदरलैंड्स की सर्कुलर इकोनॉमी, मिनिस्ट्री ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स एंड क्लाइमेट की डायरेक्टर, मैरीके स्पाइकरबोअर जैसे जाने-माने लोग शामिल होंगे। डिप्टी चीफ मिनिस्टर और इंडस्ट्रीज़ मिनिस्टर हर्ष सांघवी, फॉरेस्ट और एनवायरनमेंट मिनिस्टर अर्जुन मोढवाडिया और मिनिस्टर ऑफ स्टेट प्रवीण माली शामिल होंगे।

एआई की रफ्तार पर छिड़ी अमेरिका-चीन की नई जंग, एंथ्रोपिक प्रमुख के प्रस्ताव को चीन ने बताया 'कोल्ड वॉर प्लेबुक'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वॉशिंगटन/बीजिंग। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के तेज विकास को लेकर अमेरिका और चीन के बीच एक नई बहस छिड़ गई है। एआई कंपनी एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डारियो अमोदेई के एआई मॉडल विकसित करने की रफ्तार कुछ धीमी करने और उनकी सख्त निगरानी की मांग पर चीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने इस प्रस्ताव को 'कोल्ड वॉर प्लेबुक' करार देते हुए आरोप लगाया कि सुरक्षा और नियमों के नाम पर चीन के तकनीकी विकास को रोकने की कोशिश की जा रही है। डारियो अमोदेई ने अपने नए लेख 'वी मस्ट पेस द फ्रंटियर' में कहा कि एआई तकनीक जिस तेजी से आगे बढ़ रही है, उसके संभावित खतरों को समझने और उनसे निपटने के लिए कंपनियों और सरकारों को पर्याप्त समय मिलना चाहिए। उन्होंने एआई के अत्याधुनिक मॉडल विकसित करने की गति को कुछ हद तक नियंत्रित करने और उनकी निगरानी बढ़ाने की जरूरत बताई। इस मुद्दे पर ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन और एक्सएआई के मालिक इलॉन मस्क ने भी समर्थन जताया है। अमोदेई का तर्क है कि एआई की अनियंत्रित दौड़ भविष्य में सुरक्षा, नियंत्रण और अन्य गंभीर चुनौतियां पैदा कर सकती है। अमोदेई ने अमेरिकी सरकार से चीन को भेजी जाने वाली उन्नत कंप्यूटर चिप्स पर और सख्ती करने की भी मांग की थी। साथ ही उन्होंने मॉडल डिस्टिलेशन पर रोक लगाने की बात कही। मॉडल डिस्टिलेशन में उन्नत एआई मॉडल से प्रश्नोत्तर और अन्य जानकारियां लेकर कम लागत और कम समय में नया मॉडल तैयार किया जाता है। चीन ने इन सुझावों को अपने तकनीकी विकास के खिलाफ कदम बताया है। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि एआई नियमों का इस्तेमाल चीन को वैश्विक एआई व्यवस्था से अलग करने के लिए किया जा सकता है। अखबार के अनुसार, चीन को एआई विकास से बाहर रखने का प्रयास केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को नुकसान पहुंचा सकता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.